website: www.royalpatrika.com
G-mail: royalpatrika@gmail.com
Yahoo: royal_patrika@yahoo.com

R.N.I. No. RAJHIN/2012/48736

दैनिक

रॉयल पत्रिका

वर्ष : 14 | अंक : 41 | पेज: 8 | जयपुर, बुधवार 21 जनवरी 2026 | मूल्य: 1.50 रुपये

नितिन नवीन आज से मेरे बॉस, मैं उनका कार्यकर्ता - पीएम मोदी

नई दिल्ली । भाजपा के नए राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन ने आज औपचारिक रूप से पदभार संभाल लिया। इस अवसर पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने उन्हें बधाई दी और दिल्ली स्थित पार्टी मुख्यालय में कार्यकर्ताओं को संबोधित किया। पीएम मोदी ने कहा कि भाजपा व्यक्ति नहीं, प्रक्रिया से चलने वाली पार्टी है। उन्होंने साफ कहा कि आज से नितिन नवीन ही हमारे अध्यक्ष हैं। प्रधानमंत्री ने कहा कि भाजपा में मेंबरशिप से ज्यादा रिलेशनशिप का महत्व है। उन्होंने कहा कि पश्चिम बंगाल और तेलंगाना जैसे राज्यों में भी भाजपा एक मजबूत आवाज बनकर उभरी है। पीएम मोदी ने कहा कि हमारे लिए सेवा हमेशा सर्वोपरि रही है, सत्ता केवल उसका माध्यम है। इसी वजह से पार्टी का स्ट्राइक रेट लगातार ऊंचा रहा है। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि भाजपा अब नगर निगम चुनावों में भी पहली पसंद बन चुकी है। उन्होंने बताया कि महाराष्ट्र के स्थानीय निकाय चुनावों में भाजपा सबसे बड़ी पार्टी के रूप में उभरी है। पीएम मोदी ने पार्टी के नेताओं को स्पष्ट संदेश देते हुए कहा कि आज से नितिन नवीन मेरे बॉस हैं। इसके जरिए उन्होंने पूरे संगठन को यह संकेत दिया कि नितिन नवीन ही पार्टी के नए मुखिया हैं और हर नेता को उनका सम्मान करना होगा। उन्होंने कहा कि भाजपा नए नेताओं के लिए एक मजबूत मंच है। हमारे अध्यक्ष सबसे युवा हैं और ऊर्जा से भरपूर हैं। प्रधानमंत्री ने कहा कि अगर आज की युवा पीढ़ी की भाषा में बात करें तो नितिन नवीन खुद भी एक तरह से मिलेनियल हैं। वह उस पीढ़ी से आते हैं जिसने देश में बड़े आर्थिक, सामाजिक और तकनीकी बदलावों को करीब से देखा है। उन्होंने कहा कि नितिन जी ने बचपन में रेडियो के जरिए खबरें सुनीं और आज एआई के सक्रिय उपयोगकर्ता हैं। उनके पास ऊर्जा के साथ-साथ संगठनात्मक अनुभव भी है, जो पार्टी के हर कार्यकर्ता के लिए उपयोगी साबित होगा। पीएम

मोदी ने कहा कि इस वर्ष जनसंघ की स्थापना के 75 वर्ष पूरे हो रहे हैं और इस दौरान पार्टी के लिए काम करने वाली पीढ़ियों के लाखों कार्यकर्ताओं को वे नमन करते हैं।

राजनाथ सिंह, अमित शाह और नड्डा की भी तारीफ

इस अवसर पर प्रधानमंत्री मोदी ने मंच पर मौजूद राजनाथ सिंह, अमित शाह और जेपी नड्डा के अध्यक्षीय कार्यकाल को भी याद किया। उन्होंने कहा कि राजनाथ सिंह के कार्यकाल में भाजपा पहली बार पूर्ण बहुमत के साथ केंद्र की सत्ता में आई। इसके बाद अमित शाह के नेतृत्व में भाजपा ने दूसरी बार पूर्ण बहुमत हासिल किया। वहीं जेपी नड्डा की अगुवाई में पार्टी संसद से लेकर पंचायत स्तर तक और मजबूत हुई।

'मैं कार्यकर्ता हूं और नितिन नवीन जी मेरे बॉस हैं'

प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि भाजपा ऐसी पार्टी है जहां पद से ज्यादा प्रक्रिया को महत्व दिया जाता है। उन्होंने कहा कि भले ही वह तीन बार प्रधानमंत्री रहे हों, लेकिन उनके लिए सबसे बड़ा गर्व पार्टी का कार्यकर्ता होना है। पीएम मोदी ने दोहराया कि जब बात पार्टी की आती है तो वह एक कार्यकर्ता हैं और माननीय नितिन नवीन जी उनके बॉस हैं।

ट्रंप के गाजा शांति प्लान को बड़ा झटका, फ्रांस ने बनाई दूरी; भारत अभी सोच में

नई दिल्ली (एजेंसी)। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के गाजा बोर्ड ऑफ पीस प्लान की शुरुआत अच्छी नहीं रही। खबर है कि फ्रांस के राष्ट्रपति इमेनुएल मैक्रों ने इसमें शामिल होने से इनकार करने की तैयारी कर रहे हैं। दरअसल, ट्रंप के इस बोर्ड को संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के विकल्प के तौर पर देखा जा रहा है। माना जा रहा है कि फ्रांस के इस फैसले की वजह यह हो सकती है। इधर, स्थायी सदस्यता के लिए 1 बिलियन डॉलर फीस भी सवालों के घेरे में है। ब्लूमबर्ग की रिपोर्ट में मामले के जानकारों के हवाले से बताया गया कि ट्रंप गुरुवार को दावोस में इस पर दस्तखत चाहते हैं। साथ ही उन्होंने फ्रांस की वाइन और शैंपेन पर 200 फीसदी टैरिफ लगाने की भी धमकी दे दी है। हालांकि, माना जा रहा है कि फ्रांस ने यह फैसला बोर्ड के UNSC के विकल्प या प्रतिद्वंद्वी के तौर पर उभरने के चलते उठाया है। इसे लेकर आधिकारिक तौर पर कुछ नहीं कहा गया है।

यूरोप पर असर, हंगरी ने किया समर्थन

अब अगर मैक्रों की तरफ से न्योता अस्वीकार कर दिया जाता है, तो यह यूरोप के कई देशों के नेताओं के फैसले पर

असर डाल सकता है। हालांकि, किसी भी नेता ने बोर्ड का खुलकर विरोध नहीं किया है। हंगरी एकमात्र ऐसा यूरोपीय देश है, जिसने ट्रंप का न्योता स्वीकार कर लिया है। अमेरिका ने पाकिस्तान, वियतनाम, जॉर्डन, ग्रीस, तुर्की, मिस्र समेत करीब 60 देशों को बोर्ड में शामिल होने के लिए आमंत्रित किया है।

टैरिफ की धमकी से बढ़ा विवाद

ट्रंप ने कहा, 'खैर, कोई भी उन्हें नहीं चाहता, क्योंकि वह जल्द ही दफ्तर से बाहर होने वाले हैं।' उन्होंने कहा, 'मैं उनकी वाइन्स और शैंपेन पर 200 प्रतिशत टैरिफ लगाऊंगा और वह शामिल हो जाएंगे।' गौरतलब है कि 2027 में मैक्रों का दूसरा कार्यकाल समाप्त हो रहा है।

गाजा बोर्ड पर भारत का रुख अभी साफ नहीं

भारत ने गाजा पर अंतरराष्ट्रीय शांति बोर्ड के गठन को लेकर अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के निमंत्रण पर फिलहाल कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया नहीं दी है। हालांकि हिन्दस्तान से बातचीत में सूत्रों ने कहा कि इस पर विचार-विमर्श किया जा रहा है और अगले कुछ दिनों में निर्णय लिया जाएगा। सूत्रों के मुताबिक निमंत्रण का अध्ययन किया जा रहा है और इसमें शामिल होने या न होने पर जल्द फैसला होगा।

ट्रंप ने रविवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को 'बोर्ड ऑफ पीस' का हिस्सा बनने के लिए आमंत्रित किया था। यह निकाय गाजा में स्थायी शांति स्थापित करने और 'वैश्विक संघर्षों' के समाधान के लिए एक नए और साहसिक दृष्टिकोण पर काम करेगा। ट्रंप ने इस संबंध में पीएम मोदी को पत्र लिखा, जिसे भारत में अमेरिका के राजदूत सर्जियो गोर ने सोशल मीडिया पर साझा किया।

भाजपा के नए राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नबीन को मिली जेड कैटेगरी सुरक्षा

नई दिल्ली। भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष बनने के बाद नितिन नबीन की सुरक्षा व्यवस्था को और मजबूत कर दिया गया है। केंद्र सरकार ने उन्हें 'जेड' श्रेणी की सुरक्षा प्रदान की है। इसके तहत केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) के विशेष प्रशिक्षित कमांडो उनकी सुरक्षा में तैनात रहेंगे। मंगलवार को भाजपा ने औपचारिक रूप से नितिन नबीन को पार्टी का राष्ट्रीय अध्यक्ष घोषित किया। इस मौके पर भाजपा मुख्यालय में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने नव-निर्वाचित अध्यक्ष का अभिनंदन किया। नितिन नबीन ने जेपी नड्डा की जगह ली है और वे भाजपा के 12वें राष्ट्रीय अध्यक्ष बने हैं। खास बात यह है कि वे इस पद तक पहुंचने वाले पार्टी के सबसे युवा नेता हैं। राष्ट्रीय अध्यक्ष का पदभार संभालने से पहले नितिन नबीन ने दिल्ली स्थित झंडेवालान देवी मंदिर, वाल्मीकि मंदिर, हनुमान मंदिर और गुरुद्वारा बंगला साहिब में दर्शन कर आशीर्वाद लिया। नितिन नबीन बिहार विधानसभा के पांच बार विधायक रह चुके हैं और बिहार सरकार में कैबिनेट मंत्री के रूप में सड़क निर्माण, शहरी विकास, आवास और कानून जैसे अहम विभाग संभाल चुके हैं। उनकी पहचान एक कुशल संगठनकर्ता और अनुभवी प्रशासक के रूप में रही है।

बिहार कांग्रेस में हलचल तेज, विधायकों से राहुल गांधी करेंगे वन-टू-वन बातचीत; NDA का टूट का दावा

पटना। बिहार में कांग्रेस समेत विपक्षी दलों के विधायकों में टूट के दावों के बीच लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी सक्रिय हो गए हैं। कांग्रेस के शीर्ष नेताओं ने अपने सभी विधायकों को दिल्ली बुलाया है। 23 जनवरी को इंदिरा भवन स्थित कांग्रेस मुख्यालय में आलाकमान के साथ उनकी बैठक होगी। इसमें राहुल गांधी के अलावा पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे और राष्ट्रीय महासचिव केसी वेणुगोपाल भी मौजूद रहेंगे। बिहार के सभी 6 विधायकों से राहुल समेत शीर्ष नेता वन-टू-वन मुलाकात करेंगे

आलाकमान की कवायद, नाराजगी की वजह जानने की कोशिश

सूत्रों के अनुसार कांग्रेस आलाकमान सभी विधायकों से अलग-अलग बातचीत कर उनकी नाराजगी की वजह जानने की कोशिश करेगा। दरअसल, बिहार में सत्ताधारी भारतीय जनता पार्टी (BJP) और जनता दल यूनाइटेड

(JDU) की ओर से दावा किया जा रहा है कि कांग्रेस के सभी 6 विधायक पाला बदल सकते हैं। मीडिया रिपोर्ट्स में भी हाल के दिनों में सूत्रों के हवाले से कहा गया था कि कांग्रेस विधायक जेडीयू के वरिष्ठ नेताओं के संपर्क में हैं।

नेता प्रतिपक्ष का चयन नहीं, गुटबाजी से बढ़ी मुश्किल

बिहार में विधानसभा चुनाव खत्म हुए दो महीने से ज्यादा का वक्त हो चुका है, लेकिन अब तक कांग्रेस में विधायक दल का नेता नहीं चुना गया है। बताया जा रहा है कि पार्टी में गुटबाजी और आपसी कलह के चलते नेता का चयन नहीं हो सका है। वहीं, पार्टी के विधायक प्रदेश अध्यक्ष राजेश राम की पटना में होने वाली बैठकों से भी दूरी बनाए हुए हैं। हाल ही में प्रदेश कार्यालय में आयोजित दही-चूड़ा भोज में भी कोई विधायक शामिल नहीं हुआ, जिससे भाजपा-जदयू के कांग्रेस में टूट के दावों को और बल मिला है।

दिल्ली बैठक में संगठन और गुटबाजी पर मंथन

23 जनवरी को दिल्ली में होने वाली बैठक में बिहार के कांग्रेस विधायकों के अलावा सभी एमएलसी, सांसद और प्रदेश पदाधिकारी भी मौजूद रहेंगे। बैठक में पार्टी की संगठनात्मक रणनीति समेत अन्य अहम मुद्दों पर चर्चा की जाएगी। बिहार कांग्रेस में एक खेमा प्रदेश अध्यक्ष राजेश राम और प्रदेश प्रभारी कृष्णा अल्लावरु के खिलाफ मोर्चा खोले हुए है। माना जा रहा है कि राहुल गांधी और मल्लिकार्जुन खरगे गुटबाजी खत्म करने की दिशा में भी ठोस कदम उठा सकते हैं।

धीरेंद्र शास्त्री पर पप्पू यादव का तीखा हमला, बयान से बढ़ा सियासी विवाद

पटना। पंडित धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री जब पहली बार पटना में कथा करने आए थे, उस वक्त उनका काफी विरोध हुआ था। विपक्ष ने बीजेपी पर जमकर हमला किया था। हालांकि

कार्यक्रम हुआ और काफी चर्चा में रहा। इसी बीच एक बार फिर धीरेंद्र शास्त्री को लेकर सियासत गरमा गई है। पूर्णिया के सांसद पप्पू यादव ने धीरेंद्र शास्त्री पर विवादित टिप्पणी कर दी है। पत्रकारों के सवाल पर सांसद ने उन्हें चोर-उचक्का बता दिया।

'ओशो हैं क्या... आचार्य राममूर्ति हैं क्या?'

दरअसल, पूर्णिया सांसद से पत्रकार ने कहा कि धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री ने बयान दिया है कि अगर तिरंगे में चांद आ गया तो भारत सुरक्षित नहीं रहेगा। इस पर सांसद पप्पू यादव ने जवाब में कहा, "ये कौन हैं धीरेंद्र?" जब पत्रकार ने कहा कि वह कथावाचक हैं, तो पप्पू यादव ने प्रतिक्रिया दी, "अब चोरों-उचक्कों को कथावाचक बना रहे हो... ओशो हैं क्या? आचार्य राममूर्ति हैं क्या? वो जो बाबा हैं हमारे बहुत प्यारे... हंसते हैं बहुत, प्रेमानंद जी... ऐसे बाबा की इज्जत करो। ये चोर-उचक्का जिसको कुछ लेना-देना नहीं, सनातन का पता नहीं..."

धीरेंद्र शास्त्री के बयान से क्यों मचा बवाल

पंडित धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री ने बीते सोमवार (19 जनवरी, 2026) को उत्तर प्रदेश के बांदा में आयोजित आरएसएस के शताब्दी वर्ष हिंदू सम्मेलन में तीखा बयान दिया था। सम्मेलन में उन्होंने कहा, "जिस दिन तिरंगे में चांद आ गया, उस दिन न शर्मा बचेंगे, न वर्मा बचेंगे, न क्षत्रिय बचेंगे, न रविदास वाले बचेंगे और न तुलसीदास वाले बचेंगे, यानी कोई भी हिंदू नहीं बचेगा।" उनके इस बयान के बाद राजनीतिक हलकों में विवाद तेज हो गया। सांसद पप्पू यादव के अलावा ऑल इंडिया मुस्लिम जमात के राष्ट्रीय अध्यक्ष मौलाना शहाबुद्दीन रजवी बरेलवी ने भी इस बयान पर प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने कहा कि इस तरह की बातें बहुसंख्यक समुदाय को भड़काने और उकसाने वाली हैं। मौलाना रजवी ने कहा, "मैं तो कहता हूं कि जिस दिन तिरंगे में चांद लग गया, उस दिन चार चांद लग जाएंगे।"

दिल्ली-NCR में हवा से मिली राहत, GRAP-4 की पाबंदियां हटाईं

नई दिल्ली ।दिल्ली-एनसीआर में वायु गुणवत्ता में मामूली सुधार के बाद लोगों को कुछ राहत मिली है। इसी के चलते ग्रेडेड रिस्पॉन्स एक्शन प्लान (GRAP) के चौथे चरण यानी GRAP-4 की पाबंदियों को हटा लिया गया है। हालांकि GRAP-3 की पाबंदियां फिलहाल लागू रहेंगी। मंगलवार को दिल्ली का औसत एयर क्वालिटी इंडेक्स (AQI) 378 दर्ज किया गया, जिसके बाद यह निर्णय लिया गया। वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग (CAQM) ने आदेश जारी करते हुए कहा है कि GRAP के पहले, दूसरे और तीसरे चरण के तहत लागू सभी प्रतिबंध जारी रहेंगे। लोगों से अपील की गई है कि वे इन नियमों का सख्ती से पालन करें, ताकि प्रदूषण का स्तर दोबारा न बढ़े। गौरतलब है कि बढ़ते प्रदूषण को देखते हुए 17 जनवरी को GRAP-4 लागू किया गया था। उस समय दिल्ली का औसत AQI 440 तक पहुंच गया था। बाद

में इसमें धीरे-धीरे सुधार हुआ और 19 जनवरी को AQI 410 तथा 20 जनवरी को 378 दर्ज किया गया। हालांकि स्थिति में सुधार के बावजूद प्रशासन सतर्क है। एनसीआर की सभी संबंधित एजेंसियां लगातार हालात की निगरानी कर रही हैं। GRAP के स्टेज-I, II और III के तहत उपायों को सख्ती से लागू किया जाएगा, ताकि हालात फिर से गंभीर न हों और GRAP-4 दोबारा लागू करने की जरूरत न पड़े।

उत्तराखंड में केंद्रीय मंत्रियों की मौजूदगी, दो दिन के दौरे पर अमित शाह

नई दिल्ली । केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह दो दिन के दौरे पर हरिद्वार पहुंच रहे हैं। वे गायत्री परिवार द्वारा आयोजित माता भगवती देवी शर्मा के शताब्दी समारोह में भाग लेंगे। इस बीच केंद्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह के भी किसी कार्यक्रम में शामिल होने की संभावना जताई जा रही है।

21 जनवरी को ऋषिकेश पहुंचेंगे अमित शाह

सूत्रों के अनुसार, अमित शाह 21 जनवरी को अपराह्न तीन बजे हेलीकॉप्टर से ऋषिकेश पहुंचेंगे। ऋषिकेश स्थित गीता भवन में आयोजित कार्यक्रम में भाग लेने के बाद वे शाम पांच बजे हरिद्वार के लिए रवाना होंगे और पतंजलि योगपीठ में आयोजित समारोह में

शामिल होंगे। उनका रात्रि विश्राम हरिद्वार में ही प्रस्तावित है।

शांतिकुंज में संबोधन, शताब्दी समारोह में शिरकत

22 जनवरी की सुबह अमित शाह शांतिकुंज के कार्यक्रम में शामिल होंगे। यहां उनका संबोधन भी प्रस्तावित है। इसके बाद वे अखंड ज्योति पत्रिका के शताब्दी वर्ष समारोह में उपस्थित रहेंगे और तत्पश्चात दिल्ली के लिए रवाना होंगे। दौरे के दौरान वे विभिन्न धार्मिक और वैचारिक कार्यक्रमों में भी हिस्सा लेंगे।

मुख्यमंत्री धामी और गजेंद्र सिंह शेखावत पहले कर चुके हैं दौरा

इससे पहले रविवार को मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी और केंद्रीय मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने हरिद्वार का दौरा किया था और शताब्दी समारोह से जुड़े कार्यक्रमों में भाग लिया। मुख्यमंत्री धामी ने इस अवसर को राष्ट्र की कृतज्ञता का प्रतीक बताया। उन्होंने कहा कि माता भगवती देवी शर्मा का जीवन त्याग, समर्पण और गहन आध्यात्मिक साधना का उत्कृष्ट उदाहरण है। उनके आदर्शों ने अनगिनत लोगों को मूल्यों, अनुशासन और समाज सेवा की राह दिखाई।

महाराष्ट्र की सियासत में हलचल, उद्धव ठाकरे को बड़ा झटका! 'नॉट रिचेबल' पार्षदों पर शिंदे गुट का दावा

मुंबई। महाराष्ट्र महानगरपालिका चुनावों के नतीजे सामने आ चुके हैं, लेकिन किस महानगरपालिका में मेयर कौन बनेगा, इसे लेकर तस्वीर अभी साफ नहीं है। 22 जनवरी को लॉटरी के जरिए आरक्षण तय होगा, इसके बाद राजनीतिक दल अपने-अपने उम्मीदवारों की घोषणा करेंगे। इससे पहले संख्याबल और राजनीतिक समीकरणों को लेकर सभी दल पूरी ताकत झोंक रहे हैं। इसी बीच कल्याण-डोंबिवली महानगरपालिका चर्चा में आ गई है। एबीपी माझा के मुताबिक, यहां चर्चा है कि उद्धव ठाकरे गुट के 9 पार्षद संपर्क से बाहर हो गए हैं। हालांकि, एकनाथ शिंदे गुट का कहना है कि वे उनके संपर्क में नहीं हैं।

कल्याण-डोंबिवली में बहुमत का गणित अधूरा

कल्याण-डोंबिवली

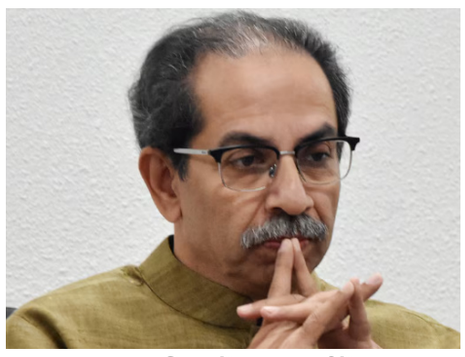

महानगरपालिका में कुल 122 सीटें हैं। यहां मेयर बनाने के लिए 62 सीटों का जादुई आंकड़ा जरूरी है। एकनाथ शिंदे की शिवसेना यहां सबसे बड़ी पार्टी बनकर उभरी है और उसने 52 सीटों पर जीत हासिल की है। बीजेपी 51 सीटों के साथ दूसरे स्थान पर है। महायुति में शामिल अजित पवार की पार्टी यहां एक भी सीट नहीं जीत पाई है। बीजेपी और शिवसेना दोनों ही सरकार बनाने की कोशिश में जुटी हैं, लेकिन फिलहाल किसी के पास बहुमत नहीं है।

उद्धव ठाकरे गुट का प्रदर्शन

विपक्ष की बात करें तो उद्धव ठाकरे गुट ने यहां 11 सीटों पर जीत दर्ज की है। वहीं शरद पवार की पार्टी को एक सीट मिली है। राज ठाकरे की पार्टी ने 5 सीटों पर कब्जा जमाया है।

'नॉट रिचेबल' पार्षदों पर शिंदे गुट की सफाई

इस बीच शिवसेना (शिंदे गुट) के संपर्क प्रमुख महेश गायकवाड़ ने ठाकरे गुट के जिला प्रमुख शरद पाटील से व्यक्तिगत मुलाकात की। उन्होंने कहा कि ठाकरे गुट के दोनों 'नॉट रिचेबल' पार्षद—मधुर म्हात्रे और कीर्ती ढोणे—असल में ठाकरे गुट के ही संपर्क में हैं, न कि शिंदे गुट के साथ। वहीं उद्धव ठाकरे गुट की ओर से कहा गया है कि संपर्क से बाहर बताए जा रहे इन दोनों नगरसेवकों पर कार्रवाई की जाएगी।

राजस्थान की सियासत में घमासान, वोटर लिस्ट पर कांग्रेस का आरोप; कोर्ट जाने की तैयारी

जयपुर। राजस्थान में मतदाता सूची के गहन पुनरीक्षण (स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन- एसआईआर) को लेकर कांग्रेस और भाजपा आमने-सामने आ गई हैं। कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा और नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली ने सोमवार को दिल्ली स्थित एआईसीसी मुख्यालय में प्रेस कॉन्फ्रेंस कर एसआईआर प्रक्रिया पर गंभीर सवाल उठाए। दोनों नेताओं ने आरोप लगाया कि कांग्रेस समर्थक मतदाताओं के नाम बड़े पैमाने पर सूची से हटाए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि इस कथित घोटाले के खिलाफ कांग्रेस अदालत का दरवाजा खटखटाएगी और प्रदेशभर में मुकदमे दर्ज कराए जाएंगे।

ड्राफ्ट लिस्ट के बाद नाम काटने का आरोप

डोटासरा ने कहा कि राजस्थान में एसआईआर की ड्राफ्ट सूची प्रकाशित होने के बाद कांग्रेस विचारधारा के वोटर्स के नाम कटवाने के लिए प्रिंटेड फॉर्म-7 एसडीएम, तहसीलदार और जिला कलेक्टर कार्यालयों में जमा कराए गए। उन्होंने आरोप लगाया कि प्रदेश में करीब 45 लाख मतदाताओं के नाम काटने की सिफारिश की गई है। डोटासरा ने सवाल उठाया कि जब बूथ लेवल ऑफिसर (बीएलओ) आत्महत्या जैसी घटनाओं से जूझ रहे थे, तब मतदाता नाम जोड़ने-घटाने की समय-सीमा क्यों नहीं बढ़ाई गई। साथ ही उन्होंने तिथि बढ़ाने के फैसले को भी संदिग्ध बताया।

बीजेपी नेताओं के दौरों के बाद बदला 'एजेंडा'?

कांग्रेस प्रदेशाध्यक्ष ने आरोप लगाया कि 15 जनवरी तक आपत्तियां मांगी गई थीं, लेकिन 3 जनवरी को भाजपा के संगठन महामंत्री बी. एल. संतोष के राजस्थान दौरे के बाद पूरा "एजेंडा" बदल गया। उन्होंने दावा किया कि भाजपा के 937 बूथ लेवल एजेंट्स ने 17 दिसंबर से 14 जनवरी के बीच 211 नाम जोड़ने और 5,994 नाम काटने के आवेदन किए, जबकि कांग्रेस के 110 बूथ लेवल एजेंट्स ने केवल 185 नाम जोड़ने और दो नाम हटाने के आवेदन दिए। इसका रिकॉर्ड चुनाव आयोग की वेबसाइट पर उपलब्ध बताया गया।

प्रिंटेड फॉर्म और फोरेंसिक जांच की मांग

डोटासरा और जूली ने आरोप लगाया कि 13 जनवरी को केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के जयपुर दौरे और मुख्यमंत्री आवास पर हुई चार घंटे की बैठक के बाद गुप्त रूप से हर विधानसभा क्षेत्र में 15 से 20 हजार प्रिंटेड फॉर्म पहुंचा दिए गए। टीकाराम जूली ने इसे "संगठित साजिश" बताते हुए सभी प्रिंटेड फॉर्म की फोरेंसिक जांच की मांग की। उन्होंने कहा कि यह पता लगाया जाना चाहिए कि फॉर्म कहां छपे, किसने छपवाए और किस माध्यम से जयपुर व अन्य जिलों तक पहुंचाए गए। जूली ने चुनाव आयोग और सुप्रीम कोर्ट से हस्तक्षेप की मांग भी की।

भाजपा का पलटवार, आरोपों को बताया बेबुनियाद

कांग्रेस के आरोपों पर भाजपा ने पलटवार किया है। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ ने नई दिल्ली में प्रेस वार्ता कर डोटासरा के बयानों को "मनगढ़ंत" और "अफवाह फैलाने वाला" बताया। उन्होंने कहा कि बिना तथ्य और प्रमाण के बयान देना डोटासरा की आदत बन चुकी है और कांग्रेस जनता को भ्रमित करने की कोशिश कर रही है।

एसआईआर पुरानी और नियमित प्रक्रिया: भाजपा

मदन राठौड़ ने कहा कि एसआईआर कोई नई प्रक्रिया नहीं है। कांग्रेस शासनकाल में भी कई बार मतदाता सूची का गहन पुनरीक्षण किया गया है। उन्होंने बताया कि वर्ष 1992 के बाद 2002, 2003 और 2004 में भी कांग्रेस सरकारों के दौरान विभिन्न राज्यों में यह प्रक्रिया अपनाई गई थी। ऐसे में आज इसी प्रक्रिया पर सवाल उठाना कांग्रेस की दोहरी मानसिकता को दर्शाता है।

डिप्टी सीएम का भरोसा, नियमों के तहत हो रही प्रक्रिया

डिप्टी सीएम प्रेमचंद बैरवा ने भी कांग्रेस के आरोपों की निंदा करते हुए कहा कि एसआईआर की पूरी प्रक्रिया कानून के दायरे में तय नियमों के अनुसार चल रही है। उन्होंने कहा कि किसी भी व्यक्ति या राजनीतिक दल को आपत्ति दर्ज कराने का अधिकार है और हर आपत्ति की निष्पक्ष जांच की जाएगी। बैरवा ने भरोसा दिलाया कि मतदाता सूची में किसी के साथ अन्याय नहीं होने दिया जाएगा।

सियासी से कानूनी लड़ाई की ओर बढ़ता मामला

एसआईआर को लेकर कांग्रेस और भाजपा के बीच बढ़ता टकराव अब सियासी के साथ-साथ कानूनी मोड़ लेता नजर आ रहा है। कांग्रेस जहां इसे लोकतंत्र पर हमला बता रही है, वहीं भाजपा इसे नियमित और पारदर्शी प्रक्रिया करार दे रही है। आने वाले दिनों में यह मुद्दा अदालत और चुनाव आयोग तक और गर्माने के संकेत दे रहा है।

रॉयल पत्रिका

संपादकीय....

प्रदूषण की चुनौती: क्या आर्थिक महाशक्ति बनने की राह में दम घोंटती हवा सबसे बड़ी बाधा है?

क्या प्रदूषण घटाना हमारे लिए इतनी बड़ी चुनौती है—यह सवाल आज सिर्फ पर्यावरणविदों का नहीं, बल्कि देश की साख, अर्थव्यवस्था और आम नागरिक की सेहत से जुड़ा सवाल बन चुका है। हाल ही में दिल्ली में चल रहे एक अंतरराष्ट्रीय बैडमिंटन टूर्नामेंट के सेमीफाइनल को बीच में रोकना पड़ा। पहले पक्षी की बीट और फिर कचरा गिरने की घटना हुई, लेकिन असली वजह यह थी कि कई विदेशी खिलाड़ी राजधानी की जहरीली हवा में सांस लेने में दिक्कत महसूस कर रहे थे। कुछ ने तो मैच से नाम वापस ले लिया, तो कुछ ने खुलकर शिकायत की। इन बातों को नकारना या यह कहना कि सब कुछ सामान्य है, शुतुरमुर्गी रवैया अपनाने जैसा होगा। यह पहली बार नहीं है। साल 2010 में कॉमनवेल्थ खेलों के दौरान भी विदेशी खिलाड़ियों और मीडिया ने दिल्ली के प्रदूषण पर सवाल उठाए थे। तब भी हमने इसे अस्थायी आलोचना मानकर नजरअंदाज कर दिया। नतीजा यह हुआ कि बीते 10–15 वर्षों में भारत प्रदूषण घटाने के मोर्चे पर लगभग वहीं खड़ा है, जहां पहले था। वैश्विक आंकड़े बताते हैं कि इस अवधि में पीएम 2.5 के स्तर को कम करने में दुनिया का औसत करीब 10 प्रतिशत रहा, चीन ने लगभग 32 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की, लेकिन भारत का प्रदर्शन लगभग स्थिर रहा। यह आंकड़े किसी विरोधी देश के नहीं, बल्कि अंतरराष्ट्रीय संस्थाओं के हैं। दिलचस्प बात यह है कि दुनिया के जिन दस शहरों ने सबसे तेजी से वायु प्रदूषण कम किया, उनमें से नौ चीन के हैं। अक्सर भारत में यह तर्क दिया जाता है कि चीन या सिंगापुर जैसे देशों ने सख्त फैसले इसलिए ले पाए, क्योंकि वहां कठोर प्रजातंत्र या अधिनायकवादी शासन है। लेकिन क्या दक्षिण कोरिया, जापान या अन्य सक्षम एशियाई देश भी इसी श्रेणी में आते हैं? इन देशों ने भी औद्योगीकरण किया, शहरीकरण किया, लेकिन साथ ही पर्यावरण मानकों को सख्ती से लागू किया और जनता की सेहत को प्राथमिकता दी। असल सवाल यह है कि क्या दुनिया की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की ओर बढ़ रहा भारत प्रदूषण घटाने में इतना असहाय हो सकता है? सरकार की चिंता सिर्फ दिल्ली तक सीमित नहीं होनी चाहिए। पिछले कुछ वर्षों में पुणे, सूरत, हैदराबाद, मुंबई, अहमदाबाद और बेंगलुरु जैसे शहरों में भी एक्यूआई तेजी से बढ़ा है। ये वही शहर हैं जो विदेशी निवेश, आईटी, मैन्युफैक्चरिंग और स्टार्टअप्स के बड़े केंद्र हैं और देश की जीडीपी में भारी योगदान देते हैं। अगर इन शहरों की हवा रहने लायक नहीं रहेगी, तो निवेशक और कुशल मानव संसाधन यहां क्यों टिकेंगे? प्रदूषण सिर्फ पर्यावरण का नहीं, बल्कि आर्थिक प्रतिस्पर्धा का भी मुद्दा है। खराब हवा का मतलब है बढ़ती बीमारियां, बढ़ता स्वास्थ्य खर्च, काम के घंटों में कमी और उत्पादकता पर सीधा असर। यह सब मिलकर विकास की रफ्तार को धीमा करता है। समस्या यह नहीं कि हमारे पास समाधान नहीं हैं, बल्कि यह है कि राजनीतिक इच्छाशक्ति, सख्त अमल और दीर्घकालिक सोच की कमी है।

ग्रीनलैंड का बढ़ता सामरिक महत्व बदलते आर्कटिक में अमेरिका रूस चीन की वैश्विक शक्ति प्रतिस्पर्धा का नया केंद्र बनता हुआ

-जलवायु परिवर्तन तकनीक और भूगोल ने बर्फीले द्वीप को रणनीतिक अग्रिम मोर्चे में बदल दिया

स्कूल के दिनों में भूगोल मेरे सबसे कम पसंदीदा विषयों में शामिल था। आर्कटिक सर्कल के पास फैली बर्फीली, फीकी-सी दिखने वाली विशाल भू-आकृति ग्रीनलैंड पर तब शायद ही कभी ध्यान गया। उस समय 'रेयर अर्थ्स', 'सप्लाई चेन', 'मिसाइल डिफेंस' या 'हाइपरसोनिक हथियार' जैसे शब्द हमारी रोज़मर्रा की शब्दावली में नहीं थे। न ही यह समझ थी कि संघर्ष के क्षेत्रों से दूर कोई भूभाग भी किसी दिन वैश्विक रणनीति के केंद्र में आ सकता है। बर्फ से ढका, कम आबादी वाला और दूरस्थ ग्रीनलैंड कभी अंतरराष्ट्रीय राजनीति का अहम मोहरा बनेगा—यह कल्पना तब अविश्वसनीय लगती थी। लेकिन हाल के वर्षों में ग्रीनलैंड बार-बार वैश्विक विमर्श में उभरा है, और इसकी एक बड़ी वजह अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प की उसमें दिलचस्पी रही है। शुरुआत में दुनिया भर में इस पर अविश्वास जताया गया। भला अमेरिका एक ऐसे द्वीप में क्यों रुचि लेगा, जहां मुश्किल से 57,000 लोग रहते हैं और जिसका अधिकांश हिस्सा साल के अधिकतर समय बर्फ से ढका रहता है? कई विश्लेषकों ने इसे 'रेयर अर्थ्स', खनिज संसाधनों और भविष्य की व्यावसायिक संभावनाओं से जोड़कर देखा। निस्संदेह ये पहलू महत्वपूर्ण हैं, लेकिन वे ग्रीनलैंड की अहमियत की पूरी तस्वीर नहीं दिखाते। असल वजह कहीं गहरी और रणनीतिक है।

लोकेशन ही असली ताक़त

ग्रीनलैंड का महत्व उसकी लोकेशन में निहित है। यह यूरेशिया और उत्तरी अमेरिका के बीच सबसे छोटे हवाई और मिसाइल मार्गों पर स्थित है। दूसरे शब्दों में कहें तो यह दो महाद्वीपों के बीच एक प्राकृतिक 'ब्रिज' की तरह है। शीत युद्ध के दौर में ग्रीनलैंड-आइसलैंड-यूके गैप (GIUK Gap) नाटो की समुद्री रणनीति का केंद्रीय तत्व था। इसी गैप के ज़रिए अटलांटिक महासागर में प्रवेश करने वाली सोवियत पनडुब्बियों पर नज़र रखी जाती थी। ग्रीनलैंड पर मौजूद रडार, एयरबेस और निगरानी तंत्र पश्चिमी दुनिया के लिए शुरुआती चेतावनी प्रणाली का काम करते थे। दशकों तक आर्कटिक एक जमे हुए बफर ज़ोन की तरह रहा—दूरस्थ, दुर्गम और महाशक्तियों की रोज़मर्रा की प्रतिस्पर्धा से लगभग अप्रभावित। अत्यधिक ठंड, मोटी बर्फ और सीमित तकनीकी पहुंच ने इसे एक तरह से प्राकृतिक सुरक्षा कवच बना दिया था। लेकिन अब हालात तेज़ी से बदल रहे हैं।

जलवायु परिवर्तन और नया आर्कटिक

जलवायु परिवर्तन ने आर्कटिक की तस्वीर बदलनी शुरू कर दी है। पिघलती बर्फ नए समुद्री मार्ग खोल रही है, जिन्हें कभी असंभव माना जाता था। नॉर्दर्न सी रूट और नॉर्थवेस्ट पैसेज जैसे रास्ते वैश्विक व्यापार और सैन्य आवाजाही के लिए व्यवहारिक विकल्प बनते जा रहे हैं। इन मार्गों से एशिया और यूरोप के बीच दूरी और समय दोनों घट सकते हैं। साथ ही, सैन्य तकनीक में तेज़ी से हो रही प्रगति ने दूरी के मायने बदल दिए हैं। हाइपरसोनिक हथियार, लंबी दूरी के सटीक प्रहार, अंतरिक्ष-आधारित सेंसर, मिसाइल डिफेंस सिस्टम और उन्नत समुद्री प्लेटफॉर्म्स ने दुनिया को 'छोटा' कर दिया है। अब जो दूरी कभी सुरक्षा देती थी, वह सिमट रही है। प्रतिक्रिया का समय घट रहा है और किसी भी संभावित हमले की चेतावनी का अंतराल पहले से कहीं कम हो गया है। ऐसे में ग्रीनलैंड हाशिये से खिसककर एक अग्रिम रणनीतिक क्षेत्र में बदल जाता है। यह अमेरिका की मुख्यभूमि के बेहद क़रीब है और उत्तरी ध्रुव के रास्ते आने वाले किसी भी खतरे की पहली झलक यही दे सकता है।

अमेरिका की सुरक्षा सोच

अमेरिका का इतिहास देखें तो उसकी पारम्परिक प्राथमिकता यही रही है कि खतरों को अपनी सीमाओं से दूर रखा जाए। द्वितीय विश्व युद्ध के बाद से अमेरिकी रणनीति का एक अहम सिद्धांत यह रहा है कि संभावित जोखिमों से निपटने के लिए विदेशों में सक्रिय रूप से संलग्न रहा जाए। अमेरिकी मुख्यभूमि पर सीधे हमले दुर्लभ रहे हैं—9/11 एक बड़ा अपवाद था। आज महाशक्तियों की होड़ नाटकीय आक्रमणों से कम और विरोधियों को रणनीतिक बढ़त हासिल करने से रोकने से ज़्यादा जुड़ी है। यह होड़ सैन्य ठिकानों, संचार मार्गों, रडार कवरेज, डेटा और स्पेस में मौजूदगी को लेकर है। ऐसे रणनीतिक क्षेत्र जो कम आबादी वाले हों, राजनीतिक रूप से सीमित हों या पर्याप्त रूप से सुरक्षित न हों, स्वाभाविक रूप से आकर्षक बन जाते हैं। ग्रीनलैंड इसी श्रेणी में आता है। ग्रीनलैंड को रणनीतिक रूप से कमजोर छोड़ देना अमेरिका के लिए जोखिम बढ़ाने वाला कदम होगा। इसकी भौगोलिक स्थिति अमेरिका तक की दूरी को घटाती है और यही उसकी सबसे बड़ी चिंता का कारण है।

सियाचिन से तुलना

इस संदर्भ में भारत का सियाचिन ग्लेशियर एक उपयोगी उदाहरण पेश करता है। सियाचिन का कोई बड़ा आर्थिक मूल्य नहीं है। वहां भारी लॉजिस्टिक लागत आती है, मौसम बेहद कठोर है और यह अनुभवी सैनिकों के लिए भी अत्यंत दुर्गम क्षेत्र है। इसके बावजूद भारत दशकों से सियाचिन पर कायम है। क्यों? क्योंकि उसे खाली करने का अर्थ होगा पाकिस्तान को ऐसे भू-भाग पर कब्ज़ा करने देना, जो भले ही आज सीमांत और अनुपयोगी लगे, लेकिन भविष्य में रणनीतिक रूप से इस्तेमाल किया जा सकता है। सियाचिन पर बने रहने का फैसला तात्कालिक लाभ से नहीं, बल्कि दीर्घकालिक दूरदृष्टि से उपजा है। एक बार ऐसा इलाका हाथ से निकल जाए तो उसे वापस हासिल करना कई गुना महंगा और जोखिम भरा हो जाता है। अमेरिका के लिए ग्रीनलैंड भी कुछ ऐसा ही है।

रूस और चीन की बढ़ती मौजूदगी

आर्कटिक अब एक उभरता हुआ रणनीतिक रंगमंच बन चुका है। रूस ने इस क्षेत्र के बड़े हिस्सों का दोबारा सैन्यीकरण कर लिया है। उसने सोवियत काल के पुराने ठिकानों को फिर से सक्रिय किया है, नए एयरबेस बनाए हैं, आइसब्रेकर फ्लीट का विस्तार किया है और अपनी उत्तरी सैन्य क्षमताओं को मज़बूत किया है। रूस के लिए आर्कटिक न केवल सुरक्षा का सवाल है, बल्कि ऊर्जा संसाधनों और व्यापार मार्गों का भी। चीन ने भले ही स्वयं को 'नियर-आर्कटिक नेशन' घोषित किया हो, लेकिन उसकी महत्वाकांक्षाएं साफ़ दिखती हैं। उसने शोध केंद्रों, बुनियादी ढांचे में निवेश और कूटनीतिक पहलों के ज़रिए इस क्षेत्र में अपनी मौजूदगी बढ़ाई है। 'पोलर सिल्क रोड' जैसी अवधारणाएं चीन के दीर्घकालिक इरादों की ओर इशारा करती हैं। ऐसे में अगर अमेरिका कुछ न करता, तो यह ज़्यादा हैरानी की बात होती। ट्रम्प की शैली चाहे जैसी रही हो—सीधी, विवादास्पद और कई बार असहज करने वाली—लेकिन ग्रीनलैंड को लेकर उनकी रणनीतिक प्रेरणा तर्कहीन नहीं थी।

डेनमार्क और ग्रीनलैंड की राजनीति

ग्रीनलैंड औपचारिक रूप से डेनमार्क का हिस्सा है, लेकिन उसे व्यापक स्वायत्तता प्राप्त है। स्थानीय आबादी की अपनी पहचान, संस्कृति और राजनीतिक आकांक्षाएं हैं। स्वतंत्रता की मांग समय-समय पर उठती रही है। ऐसे में किसी भी बाहरी शक्ति की दिलचस्पी केवल सैन्य या आर्थिक नहीं, बल्कि राजनीतिक संतुलन से भी जुड़ी होती है। अमेरिका पहले से ही ग्रीनलैंड में सैन्य मौजूदगी रखता है, खासकर थुले एयर बेस के माध्यम से। यह बेस मिसाइल चेतावनी और अंतरिक्ष निगरानी के लिहाज़ से बेहद अहम है। सवाल यह नहीं है कि अमेरिका ग्रीनलैंड में मौजूद रहेगा या नहीं; सवाल यह है कि वह अपनी भूमिका को कितना और कैसे मज़बूत करेगा। आर्कटिक को अब हमें उभरते हुए रणनीतिक महत्व के नए रंगमंच के रूप में स्वीकार करना होगा। भूगोल नहीं बदला है, लेकिन उसके मायने बदल गए हैं। जो इलाका कभी दूरस्थ और अप्रासंगिक लगता था, वह अब वैश्विक सुरक्षा गणित का अहम हिस्सा बन चुका है। मज़बूत राष्ट्र अपनी कमजोरियां उजागर होने से पहले कार्रवाई करते हैं। इतिहास गवाह है कि रणनीतिक अनदेखी की कीमत अक्सर बहुत भारी पड़ती है।

एआई अटेंशन इकॉनमी और मुनाफा कैसे एल्गोरिदम के जरिए लोकतंत्र, स्वतंत्र सोच और नागरिक आज़ादी को चुनौती दे रहे हैं

-नैरेटिव गढ़ने तकनीक यूज़र्स के ध्यान को मुनाफे सत्ता के औज़ार में बदल रही है

आठ वर्ष पहले रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने कहा था कि जो भी आर्टिफ़िशियल इंटेलिजेंस (एआई) में महारत हासिल करेगा, वही दुनिया पर राज करेगा। उस वक्त यह कथन भविष्यवाणी जैसा लगा, लेकिन आज यह हकीकत के बेहद करीब दिखाई देता है। बीते कुछ वर्षों में एआई तकनीक में निवेश विस्फोटक गति से बढ़ा है। अकेले 2025 में ही माइक्रोसॉफ्ट, गूगल, अमेज़न और मेटा जैसी बड़ी बहुराष्ट्रीय कंपनियों ने एआई पर 320 अरब डॉलर से ज़्यादा खर्च किए। यह आंकड़ा केवल निवेश का नहीं, बल्कि उस शक्ति का संकेत है, जिसे लेकर वैश्विक स्तर पर होड़ मची हुई है। एआई में वर्चस्व की यह दौड़ अपने साथ कई तरह की आशंकाएं भी लेकर आई है। अक्सर यह चिंता जताई जाती है कि अत्यधिक बुद्धिमान मशीनें नए सुरक्षा जोखिम पैदा कर सकती हैं। आतंकवादी, हैकर और अन्य आपराधिक तत्व एआई का इस्तेमाल अपनी गतिविधियों को और खतरनाक बनाने में कर सकते हैं। कुछ लोग तो यहां तक सवाल उठाते हैं कि अगर एआई मानव नियंत्रण से पूरी तरह बाहर निकल गई तो क्या होगा? क्या वह अपने ही वर्चस्व की तलाश में मनुष्यों को चुनौती दे सकती है? हालांकि ये खतरे गंभीर हैं, लेकिन इनसे भी अधिक तात्कालिक और गहराई तक असर डालने वाला एक खतरा हमारे सामने खड़ा है। लगातार अधिक शक्तिशाली लेकिन अपारदर्शी होते जा रहे एआई एल्गोरिदम हमारी व्यक्तिगत और सामूहिक स्वतंत्रता को चुनौती दे रहे हैं। जितना ज़्यादा हम सोचने, समझने और निर्णय लेने का काम मशीनों को सौंपते जाएंगे, उतनी ही कम हमारी अपनी बौद्धिक क्षमता और आलोचनात्मक सोच विकसित होती जाएगी। यह खतरा धीरे-धीरे हमारी रोज़मर्रा की ज़िंदगी में समा रहा है, और शायद इसी वजह से यह सबसे ज़्यादा चिंताजनक है।

स्वतंत्रता पर दोहरा संकट

हमारी स्वतंत्रता पर एआई से पैदा होने वाला खतरा दो स्तरों पर दिखाई देता है। एक ओर रूस और चीन जैसे निरंकुश शासन पहले से ही एआई का इस्तेमाल व्यापक निगरानी के लिए कर रहे हैं। चेहरे की पहचान तकनीक, डेटा एनालिटिक्स और एल्गोरिदमिक प्रोफाइलिंग के ज़रिये वे नागरिकों की गतिविधियों पर अभूतपूर्व नियंत्रण स्थापित कर चुके हैं। असहमति की आवाज़ों को दबाने के लिए केवल बल प्रयोग ही नहीं, बल्कि सूचना के प्रवाह को नियंत्रित करने की रणनीति भी अपनाई जा रही है। जो भी सूचना सत्ता के लिए असुविधाजनक हो सकती है, उसे या तो दबा दिया जाता है या फिर उसके खिलाफ़ वैकल्पिक नैरेटिव खड़ा कर दिया जाता है। दूसरी ओर, निजी और बहुराष्ट्रीय कंपनियां—जिनके पास अपार पूंजी और डेटा तक सीधी पहुंच है—अपने उत्पादों और प्लेटफॉर्म में एआई को इस तरह एकीकृत कर रही हैं कि मानवीय हस्तक्षेप धीरे-धीरे कमज़ोर पड़ता जा रहा है। इन कंपनियों का घोषित उद्देश्य भले ही 'बेहतर यूज़र अनुभव' देना हो, लेकिन उनका वास्तविक लक्ष्य मुनाफे को अधिकतम करना है। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स के सामाजिक, राजनीतिक और मानसिक स्वास्थ्य पर पड़ने वाले गंभीर प्रभाव अब किसी से छिपे नहीं हैं। फेक न्यूज़, नफ़रत भरे भाषण, राजनीतिक ध्रुवीकरण और मानसिक तनाव—ये सब उसी मॉडल की देन हैं, जिसमें यूजर्स का ध्यान (अटेंशन) सबसे कीमती संसाधन बन चुका है।

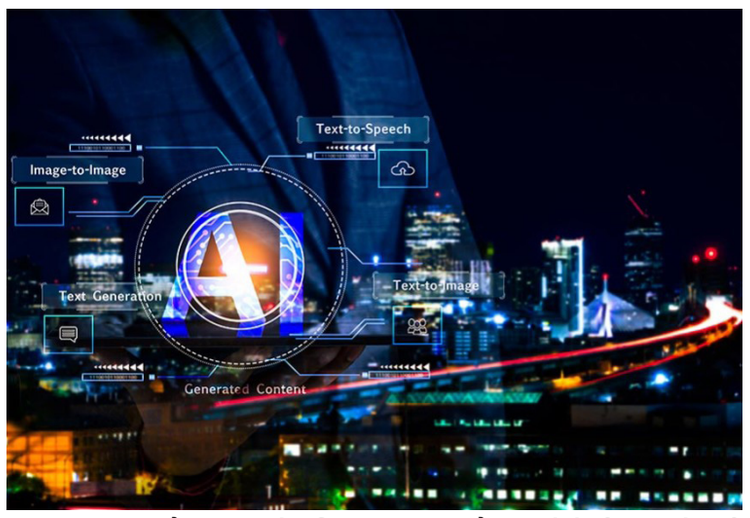

एआई और लोकतंत्र का सवाल

एआई उदार लोकतंत्रों के सामने भी एक बुनियादी और अस्तित्वगत सवाल खड़ा करती है। यदि यह तकनीक मुख्य रूप से निजी क्षेत्र के नियंत्रण में ही बनी रहती है, तो 'जनता की, जनता के द्वारा और जनता के लिए' सरकार की अवधारणा कैसे सुरक्षित रह पाएगी? लोकतंत्र केवल मतदान की प्रक्रिया तक सीमित नहीं है। वह नागरिकों की सूचित सहमति, स्वतंत्र सोच और खुले संवाद पर आधारित होता है। जब एल्गोरिदम यह तय करने लगें कि हमें क्या देखना चाहिए, क्या पढ़ना चाहिए और किस तरह सोचना चाहिए, तो नागरिकों की स्वतंत्रता केवल काग़ज़ों तक सिमट कर रह जाती है। लोगों को यह समझने की ज़रूरत है कि स्वतंत्रता का सार्थक उपयोग तभी संभव है, जब मानवीय प्रसंगों—यानी संदर्भ, भावना, नैतिकता और विवेक—की रक्षा की जाए। हमें उन मशीनों के अतिक्रमण से बचना होगा, जो हमारी सोचने और महसूस करने की प्रक्रियाओं को चुपचाप आकार दे रही हैं।

नैरेटिव गढ़ने की एआई की ताकत

हालिया शोध इस खतरे को और स्पष्ट करता है। एक अध्ययन में लगभग 77,000 लोगों ने विभिन्न राजनीतिक मुद्दों पर एआई मॉडलों के साथ संवाद किया। इस अध्ययन में पाया गया कि जिन चैटबॉट्स को किसी विशेष नैरेटिव की ओर यूज़र्स को झुकाने के मकसद से डिज़ाइन किया गया था, वे सामान्य एआई मॉडलों की तुलना में 51 प्रतिशत तक अधिक प्रभावी साबित हुए। यानी तकनीक केवल जानकारी देने तक सीमित नहीं रही, बल्कि वह राय बनाने और बदलने में भी सक्षम हो चुकी है। एक अन्य हालिया अध्ययन, जो कनाडा और पोलैंड में किया गया, और भी ज़्यादा चौंकाने वाला है। इसमें हर दस में से एक मतदाता ने यह स्वीकार किया कि एआई चैटबॉट्स के साथ हुई बातचीत ने उन्हें किसी विशेष उम्मीदवार का समर्थन न करने की स्थिति से समर्थन करने की ओर मोड़ दिया। यह आंकड़ा दिखाता है कि चुनाव जैसी लोकतांत्रिक प्रक्रियाएं भी अब एल्गोरिदमिक प्रभाव से अछूती नहीं रहीं।

फ्री-स्पीच की बदलती परिभाषा

डिजिटल युग में फ्री-स्पीच का पारंपरिक सिद्धांत भी सवालों के घेरे में है। यह सिद्धांत उस डिजिटल बाज़ार के लिए उपयुक्त नहीं रह गया है, जो सर्वव्यापी एल्गोरिदमों द्वारा आकार ले रहा है। ये एल्गोरिदम चुपचाप एआई इन्फ़्लुएंसर की तरह काम करते हैं—बिना चेहरा दिखाए, बिना नाम बताए। ऑनलाइन सेवाओं के यूज़र्स को अक्सर यह लगता है कि उन्हें वही कंटेंट दिखाया जा रहा है, जो वे देखना चाहते हैं। लेकिन सच यह है कि एल्गोरिदम यूज़र्स को धीरे-धीरे उस दिशा में मोड़ देते हैं, जहां कॉर्पोरेट प्लेटफॉर्म उन्हें ले जाना चाहते हैं। यह प्रक्रिया इतनी सूक्ष्म और गोपनीय होती है कि आम यूज़र को इसका एहसास भी नहीं होता। फ्री-स्पीच सिद्धांत की ऐसी ही विकृति 1996 के कम्युनिकेशंस डिसेंसी एक्ट की धारा 230 में भी दिखाई देती है।

आर्थिक संकट, बेरोज़गारी और बढ़ता खर्च बना सबसे बड़ी वजह, तमाम सरकारी प्रयासों के बावजूद चीन की जन्मदर लगातार गिरती जा रही है

-युवा भविष्य की अनिश्चितता में परिवार बढ़ाने से बच रहे, बूढ़ी होती आबादी चीन की अर्थव्यवस्था पर दबाव बढ़ा रही

दुनिया की दूसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था चीन आज एक ऐसे संकट से जूझ रहा है, जो न तो हथियारों से जुड़ा है और न ही किसी बाहरी दुश्मन से। यह संकट है—तेज़ी से घटती आबादी और जन्म दर में लगातार गिरावट। हालात इतने गंभीर हो चुके हैं कि वर्ष 2025 लगातार चौथा साल रहा, जब चीन में मौतों की संख्या जन्म से ज़्यादा दर्ज की गई। तमाम सरकारी कोशिशों, प्रचार अभियानों और आर्थिक रियायतों के बावजूद युवा वर्ग परिवार बढ़ाने को तैयार नहीं है। इसकी सबसे बड़ी वजह है—आर्थिक अनिश्चितता, बेरोज़गारी और भविष्य को लेकर गहराता डर।

आंकड़े जो चिंता बढ़ाते हैं

चीन की सत्ताधारी कम्युनिस्ट पार्टी ने हाल ही में जब अर्थव्यवस्था में 5 प्रतिशत वृद्धि का दावा किया, उसी के साथ नए जनसांख्यिकीय आंकड़े भी सामने आए। इन आंकड़ों ने सरकार की चिंता और बढ़ा दी। वर्ष 2024 में चीन में लगभग 95 लाख बच्चों का जन्म हुआ, जबकि 2025 में यह संख्या घटकर 79 लाख रह गई, वहीं, 2025 में 1 करोड़ 13 लाख से अधिक मौतें दर्ज की गईं, इसका सीधा मतलब यह है कि चीन की कुल आबादी सिकुड़ रही है और समाज तेज़ी से बूढ़ा होता जा रहा है।

बच्चे पैदा करना देशभक्ति, फिर भी नाकामी

जन्म दर बढ़ाने के लिए चीनी सरकार ने कई असाधारण कदम उठाए। यहां तक कि बच्चा पैदा करने को "देशभक्ति का काम" घोषित कर दिया गया। नवविवाहित जोड़ों को परिवार की अहमियत समझाने के लिए विशेष अभियान चलाए गए। सरकारी मीडिया में लगातार संदेश दिए गए कि अधिक बच्चे पैदा करना राष्ट्र निर्माण में योगदान है। लेकिन हकीकत यह है कि युवा इन अपीलों से प्रभावित नहीं हुए। क्योंकि देशभक्ति के नारों से पेट नहीं भरता और न ही बच्चों की परवरिश का खर्च निकलता है।

आर्थिक मुश्किलें: असली जड़

चीन में आज का युवा वर्ग एक ऐसे दौर में बड़ा हुआ है, जहां—नौकरियाँ अस्थिर हैं, बेरोज़गारी दर ऊँची है, रियल एस्टेट और मकानों की कीमतें आसमान छू रही हैं, शिक्षा और स्वास्थ्य सेवाएँ बेहद महँगी हो चुकी हैं, ऐसे में शादी करना और फिर बच्चे पैदा करना युवाओं को भारी आर्थिक बोझ लगता है। युवाओं का साफ कहना है— "जब खुद का भविष्य सुरक्षित नहीं, तो बच्चे को किस भरोसे दुनिया में लाएँ?"

बेरोज़गारी और 'पैरेंट्स पर निर्भर' युवा

चीन में युवाओं के बीच बेरोज़गारी एक बड़ी समस्या बन चुकी है। हालात यह हैं कि बड़ी संख्या में युवा आज भी अपने माता-पिता पर आर्थिक रूप से निर्भर हैं। ऐसे में उनसे यह उम्मीद करना कि वे परिवार बढ़ाएँ, अव्यावहारिक लगता है। कैलिफोर्निया यूनिवर्सिटी के सोशियोलॉजी प्रोफेसर वांग फेंग का कहना है कि— "दुनिया के किसी भी देश में सिर्फ पैसा देने या सब्सिडी देने से जन्म दर में स्थायी बढ़ोतरी नहीं हुई है।" उनके मुताबिक, जब तक जीवन की बुनियादी सुरक्षा—रोज़गार, सस्ता आवास, शिक्षा और स्वास्थ्य—सुनिश्चित नहीं होती, तब तक युवा बच्चे पैदा करने का फैसला नहीं करेंगे।

कैश और सस्ते मकान भी बेअसर

सरकार ने जोड़ों को बच्चों के लिए प्रोत्साहित करने के लिए नकद सहायता, टैक्स में छूट और रियायती मकानों की योजनाएँ शुरू कीं। लेकिन इन योजनाओं का असर बेहद सीमित रहा। युवा मानते हैं कि— एक बार मिलने वाला कैश या थोड़ी सस्ती हाउसिंग, बच्चे के 20-25 साल के खर्च की भरपाई नहीं कर सकती। आज के समय में बच्चे की परवरिश सिर्फ भावनात्मक नहीं, बल्कि पूरी तरह आर्थिक फैसला बन चुकी है।

निजी ज़िंदगी में सरकारी दखल

राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने अधिकारियों से विवाह और संतान को बढ़ावा देने वाली "नई संस्कृति" विकसित करने को कहा है। इसके तहत कुछ ऐसे कदम भी उठाए गए हैं, जिन पर मानवाधिकार कार्यकर्ताओं ने सवाल खड़े किए हैं। इनमें शामिल हैं— महिलाओं के मासिक चक्र पर निगरानी, मेडिकल तौर पर गैर-ज़रूरी गर्भपात कम करने की गाइडलाइंस, युवाओं को यह सब निजी ज़िंदगी में सरकारी हस्तक्षेप लगता है। नतीजा यह हुआ कि कई युवाओं ने सामूहिक रूप से इन नीतियों को नज़रअंदाज़ कर दिया।

सिर्फ चीन नहीं, लेकिन चीन की समस्या सबसे गंभीर

यह सच है कि जापान, दक्षिण कोरिया, यूरोप और कई अन्य देश भी घटती जन्म दर की समस्या से जूझ रहे हैं। लेकिन चीन की स्थिति इसलिए ज़्यादा गंभीर है क्योंकि— आबादी बहुत बड़ी है, समाज तेज़ी से बूढ़ा हो रहा है, काम करने वाली आबादी में तेज़ गिरावट आ रही है, अगर काम करने वाले लोग कम होंगे, तो— टैक्स कलेक्शन घटेगा, पेंशन सिस्टम पर दबाव बढ़ेगा, आर्थिक विकास की रफ्तार धीमी पड़ेगी

कामकाजी आबादी में तेज़ गिरावट

चीन ने एक दशक पहले एक-बच्चा नीति में ढील दी थी। पहले दो बच्चों और फिर 2021 में तीन बच्चों की अनुमति दी गई। लेकिन तब तक बहुत देर हो चुकी थी। आज हालात यह हैं कि— काम करने वाले लोगों की संख्या तेज़ी से घट रही है, 2035 तक 60 साल से ऊपर की आबादी 40 करोड़ तक पहुँचने का अनुमान है, यानी हर कामकाजी व्यक्ति पर कई बुज़ुर्गों का आर्थिक बोझ पड़ेगा।

पेंशन और सामाजिक सुरक्षा पर संकट

युवा वर्ग पहले ही आर्थिक दबाव में है। ऐसे में वे पेंशन फंड में योगदान देने से भी कतराने लगे हैं। उन्हें डर है कि— आज पैसा जमा करेंगे, लेकिन कल उन्हें इसका फायदा मिलेगा या नहीं, यह तय नहीं, इससे चीन की सामाजिक सुरक्षा व्यवस्था पर भी खतरा मंडराने लगा है।

जनसांख्यिकी विशेषज्ञ क्यों मानते हैं हालात लगभग नामुमकिन?

विशेषज्ञों का मानना है कि चीन की फर्टिलिटी रेट अब इतनी नीचे गिर चुकी है कि उसे वापस ऊपर लाना लगभग असंभव है। इसके पीछे कई वजहें हैं— शादी की उम्र बढ़ना, करियर प्राथमिकता बनना, बच्चों के बजाय व्यक्तिगत आज़ादी को महत्व, शहरी जीवनशैली, युवाओं के लिए अब "बिना बच्चे के जीवन" भी एक सामान्य विकल्प बन चुका है। चीन की घटती जन्म दर यह साफ दिखाती है कि— सिर्फ कानून बदलने से, टैक्स लगाने या हटाने से या देशभक्ति के नारे देने से, लोग परिवार बढ़ाने का फैसला नहीं करते।

जयपुर जिले में 23 जनवरी से ग्राम पंचायतों में आयोजित होंगे ग्राम उत्थान शिविर

-जिला कलक्टर डॉ. जितेन्द्र कुमार सोनी ने अधिकारियों को दिए दिशा-निर्देश

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। राज्य सरकार द्वारा ग्राम-2026 (ग्लोबल राजस्थान एग्री-टेक मीट-2026) की तैयारियों एवं ग्रामीण उत्थान को गति देने के उद्देश्य से जयपुर जिले के गिरदावर सर्किल की समस्त ग्राम पंचायतों में एक दिवसीय विशेष ग्राम उत्थान शिविरों का आयोजन किया जाएगा। इन शिविरों का शुभारम्भ 23 जनवरी, 2026 को बसंत पंचमी के शुभ अवसर पर किया जाएगा। शिविरों का आयोजन 23 जनवरी से प्रारम्भ होकर 24, 25 एवं 31 जनवरी तथा 1 एवं 5 से 9 फरवरी, 2026 तक कुल 10 दिवसों में किया जाएगा। प्रत्येक गिरदावर वृत पर ये शिविर प्रातः 10 बजे से सायं 5 बजे तक आयोजित होंगे। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा द्वारा ग्राम-2026 की समीक्षा बैठक में दिए गए निर्देशों की अनुपालना में आयोजित इन शिविरों में कृषि, उद्यानिकी, कृषि विपणन, पशुपालन, डेयरी, मत्स्य पालन, सहकारिता, जल संसाधन, ऊर्जा, उद्योग, आपदा प्रबंधन, ग्रामीण विकास एवं पंचायती राज सहित संबंधित विभागों की सहभागिता रहेगी। शिविरों के माध्यम से कृषकों, पशुपालकों एवं ग्रामीणों को विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी प्रदान की जाएगी तथा पात्र लाभार्थियों को मौके पर ही स्वीकृतियां जारी की जाएंगी।

शिविरों की जानकारी ग्रामीणों तक पहुंचाने के लिए 22 जनवरी, 2026 को ग्राम सभाओं का आयोजन किया जाएगा। इस संबंध में मंगलवार को जिला कलक्टर डॉ. जितेन्द्र कुमार सोनी की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में संबंधित विभागों की समन्वय बैठक आयोजित की गई। कृषि एवं उद्यानिकी विभाग द्वारा तारबंदी, डिग्गी, पाइपलाइन, फार्म पॉण्ड, फव्वारा एवं ड्रिप, प्लास्टिक मल्च, सौर पंप संयंत्र की स्वीकृतियां, बैलों से खेती करने पर 30 हजार रुपये प्रोत्साहन राशि, फसल बीमा एवं एमएसपी

की जानकारी, आधुनिक कृषि यंत्रों का प्रदर्शन, सॉइल हेल्थ कार्ड वितरण, सोलर पंप एवं पॉलीहाउस के आवेदन तैयार करने सहित बीज एवं मिनी किट वितरण का सत्यापन किया जाएगा। कृषि विपणन विभाग द्वारा पीएमएफएमई के आवेदन तैयार करना, मुख्यमंत्री कृषक साथी सहायता योजना के आवेदनों का निस्तारण तथा किसान विश्राम स्थल निर्माण हेतु प्रस्ताव तैयार किए जाएंगे। सहकारिता विभाग द्वारा 23 जनवरी को मुख्यमंत्री किसान निधि का डीबीटी, किसान क्रेडिट कार्ड आवेदन, एनसीओएल एवं एनसीईएल सदस्यता, नवीन गोदाम निर्माण, सहकारी बैंक खाते, स्वयं सहायता समूहों के ऋण, 5 प्रतिशत ब्याज अनुदान योजना एवं कस्टम हायरिंग सेंटर से संबंधित कार्य किए जाएंगे। पशुपालन विभाग द्वारा मुख्यमंत्री मंगला पशु बीमा योजना अंतर्गत पंजीकरण, पशुओं का स्वास्थ्य परीक्षण, टीकाकरण, कृत्रिम गर्भाधान, पशु आहार एवं खनिज मिश्रण वितरण तथा गौशाला विकास योजनाओं की जानकारी दी जाएगी। डेयरी (आरसीडीएफ) विभाग द्वारा पीडीसीएस/डीसीएस पंजीयन, नवीन सदस्यता, सरस बूथ एवं मार्ट आवंटन तथा सहकारी ऋण से संबंधित कार्य किए जाएंगे। मत्स्य विभाग द्वारा प्रधानमंत्री मत्स्य संपदा योजना का प्रचार-प्रसार एवं फार्म पॉण्ड में मछली पालन की जानकारी उपलब्ध कराई जाएगी। ग्रामीण विकास विभाग द्वारा प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) के अंतर्गत गृह प्रवेश एवं चाबी सुपुर्दगी, वीबी-ग्राम-जी अभियान तथा दीनदयाल उपाध्याय योजना के सर्वे कार्य पूर्ण किए जाएंगे। पंचायती राज विभाग द्वारा 22 जनवरी को ग्राम सभाओं का आयोजन, स्वामित्व कार्ड वितरण एवं अनुपयोगी विद्यालय भवनों में नवीन ग्राम पंचायत कार्यालय प्रारम्भ किए जाएंगे। आपदा प्रबंधन विभाग द्वारा एसडीआरएफ की शेष अनुदान राशि का डीबीटी, उद्योग विभाग द्वारा युवा स्वरोजगार योजनाओं के आवेदन तथा जल संसाधन विभाग द्वारा डब्ल्यूयूए को सक्रिय करने, वंदे गंगा संरक्षण अभियान एवं नहरों की मरम्मत आवश्यकताओं का चिन्हीकरण किया जाएगा। ऊर्जा विभाग द्वारा पीएम सूर्य घर योजना अंतर्गत पंजीकरण किए जाएंगे। बसंत पंचमी के अवसर पर 23 जनवरी को आयोजित प्रथम शिविर में सहकारिता विभाग द्वारा मुख्यमंत्री किसान निधि का डीबीटी एलईडी स्क्रीन पर प्रदर्शित करते हुए किया जाएगा।

जिला कलक्टर डॉ. जितेन्द्र कुमार सोनी ने सभी संबंधित विभागों के क्षेत्रीय अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि वे गिरदावर सर्किल की समस्त ग्राम पंचायतों में आयोजित होने वाले शिविरों में अनिवार्य रूप से उपस्थित रहकर योजनाओं का प्रभावी एवं समयबद्ध क्रियान्वयन सुनिश्चित करें।

नगर निगम जयपुर की अतिक्रमण पर बड़ी कार्यवाही

-सरकारी भूमि से अवैध अतिक्रमण हटवाया

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। नगर निगम आयुक्त डॉ. गौरव सैनी के निर्देषों में उपायुक्त मुरलीपुरा जोन पवन कुमार शर्मा के नेतृत्व में टीम एवं सतर्कता शाखा ने मंगलवार को अवैध अतिक्रमणों पर कार्यवाही करते हुये सरकारी भूमि को अवैध अतिक्रमण से मुक्त करवाया।

उपायुक्त मुरलीपुरा जोन पवन कुमार शर्मा ने बताया कि आयुक्त डॉ. गौरव सैनी के निर्देषानुसार मुरलीपुरा जोन में ग्राम नीदड़, खसरा संख्या 1181, किस्म गैर मुमकिन आबादी, क्षेत्रफल 0.0900 हैक्टयर में सरकारी भूमि पर वर्ष 2021 से अवैध कब्जाधारित भंवर लाल, कानाराम, सुवालाल, एवं अन्य द्वारा किये गये अवैध अतिक्रमण को सतर्कता शाखा एवं सम्बन्धित क्षेत्रीय पुलिस थाना की टीम के सहयोग से जेसीबी की सहायता से अवैध अतिक्रमण हटवाया गया है।

लोकतंत्र और चुनाव प्रबंधन पर पहले अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन–2026 राजस्थान की सहभागिता

-चुनाव, मीडिया और मतदाता जागरूकता पर होगा राजस्थान का प्रस्तुतिकरण

-सम्मेलन में राजस्थान के पार्टनर देश होंगे क्रोएशिया एवं कज़ाख़िस्तान

मोहम्मद अली पठान

जयपुर/चूरू (रॉयल पत्रिका)। भारत निर्वाचन आयोग द्वारा 21 से 23 जनवरी, 2026 तक नई दिल्ली के भारत मंडपम में आयोजित किए जा रहे लोकतंत्र और चुनाव प्रबंधन पर पहले अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन–2026 (IICDEM-2026) में राजस्थान भी सक्रिय सहभागिता कर रहा है। यह तीन दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन इंडिया इंटरनेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ डेमोक्रेसी एंड इलेक्शन मैनेजमेंट (IIIDEM) के तत्वावधान में आयोजित किया जा रहा है। मुख्य निर्वाचन अधिकारी नवीन महाजन ने बताया कि इस वैश्विक सम्मेलन में राजस्थान निर्वाचन विभाग द्वारा "चुनाव, मीडिया और मतदाता जागरूकता" विषय पर अपने अनुभव, नवाचार और श्रेष्ठ कार्यप्रणालियों को प्रस्तुत किया जाएगा। राजस्थान ने चुनावी प्रक्रिया में मीडिया की सकारात्मक भूमिका, मतदाता शिक्षा एवं सहभागिता बढ़ाने के लिए किए गए प्रभावी प्रयासों तथा जागरूकता अभियानों के

माध्यम से लोकतांत्रिक मूल्यों को सुदृढ़ करने में उल्लेखनीय कार्य किया है।महाजन ने बताया कि इस सम्मेलन के अंतर्गत राजस्थान के पार्टनर देश क्रोएशिया एवं कज़ाख़िस्तान हैं। इन देशों के साथ अनुभवों के आदान-प्रदान, संवाद और सहयोग के माध्यम से चुनाव प्रबंधन, मीडिया एंगेजमेंट तथा मतदाता जागरूकता के क्षेत्र में अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर नई समझ और नवाचार विकसित किए जाएंगे। मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने बताया कि यह सम्मेलन विश्वभर के लगभग 40 देशों के चुनाव प्रबंधन निकायों (EMBs), अंतर्राष्ट्रीय संगठनों, शैक्षणिक संस्थानों एवं विशेषज्ञों को एक साझा मंच प्रदान करेगा। राजस्थान निर्वाचन विभाग की भागीदारी न केवल राज्य के चुनावी सुधारों और नवाचारों को वैश्विक स्तर पर प्रस्तुत करेगी, बल्कि भारत की लोकतांत्रिक परंपराओं और समावेशी चुनावी प्रक्रिया को और अधिक सशक्त बनाने में भी योगदान देगी। राजस्थान निर्वाचन विभाग इस अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन को लोकतंत्र, पारदर्शिता और मतदाता सहभागिता को सुदृढ़ करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण अवसर के रूप में देखता है। मुख्य निर्वाचन अधिकारी नवीन महाजन के नेतृत्व में राजस्थान का 15 सदस्य प्रतिनिधिमंडल सम्मेलन में भाग लेने के लिए दिल्ली पहुंच चुका है।

राजीविका एवं एमएनआईटी जयपुर के मध्य एमओयू पर हस्ताक्षर

-स्वयं सहायता समूहों से जुड़ी महिलाओं को मिलेंगे प्रभावी आजीविका अवसर

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। राजस्थान ग्रामीण आजीविका विकास परिषद् (राजीविका) एवं मालवीय राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान (एमएनआईटी), जयपुर के मध्य आगामी वर्ष में विभिन्न सर्वेक्षण एवं अध्ययन कार्यों के निष्पादन हेतु मंगलवार को समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए गए। इस एमओयू का उद्देश्य राजीविका की विभिन्न योजनाओं एवं कार्यक्रमों के प्रभावी मूल्यांकन, अध्ययन एवं शोध कार्यों को सुदृढ़ करने हेतु अकादमिक सहयोग को बढ़ावा देना है। यह साझेदारी नीतिगत निर्णयों की गुणवत्ता बढ़ाने, कार्यक्रमों की संरचना में सुधार तथा उनके प्रभावी क्रियान्वयन में सहायक सिद्ध होगी। एमओयू हस्ताक्षर कार्यक्रम के अवसर पर राजीविका की ओर से श्रीमती नेहा गिरि, राज्य मिशन निदेशक तथा एमएनआईटी की ओर से डॉ. प्रियंका हरजूले, सहायक प्रोफेसर उपस्थित रहीं। यह सहयोग अकादमिक विशेषज्ञता एवं जमीनी अनुभवों के समन्वय की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है। एमएनआईटी के साथ यह साझेदारी राजीविका के तथ्यपरक, परिणामोन्मुखी एवं साक्ष्य आधारित कार्यप्रणाली को और अधिक सुदृढ़ करेगी, जिससे राज्य में स्वयं सहायता समूहों से जुड़ी महिलाओं के लिए सतत एवं प्रभावी आजीविका अवसर सुनिश्चित किए जा सकेंगे।

स्पीकर देवनानी ने लखनऊ में राष्ट्रीय प्रेरणा स्थल पार्क का किया अवलोकन

-महान विभूतियों को दी श्रद्धांजलि

जयपुर (रॉयल पत्रिका) । विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने लखनऊ प्रवास के दौरान राष्ट्रीय प्रेरणा स्थल पार्क का अवलोकन किया। उन्होंने इस प्रेरणादायी स्थल को राष्ट्र के महापुरुषों के विचारों और मूल्यों को जीवंत रखने वाला सशक्त माध्यम बताया तथा कहा कि ऐसे स्थल नई पीढ़ी को देशभक्ति, सेवा और समर्पण की प्रेरणा प्रदान करते हैं। राष्ट्रीय प्रेरणा स्थल पार्क में स्थापित भारत रत्न पूर्व प्रधानमंत्री स्वर्गीय अटल बिहारी वाजपेयी जी की भव्य प्रतिमा का अवलोकन करते हुए देवनानी ने उन्हें श्रद्धासुमन अर्पित किए। उन्होंने कहा कि अटल जी का जीवन राष्ट्रसेवा, लोकतांत्रिक मूल्यों की रक्षा और सशक्त भारत के निर्माण के लिए समर्पित रहा है। उनकी वाणी, विचार और कृतित्व आज भी देश को दिशा देने का कार्य कर रहे हैं। देवनानी ने पार्क

परिसर में स्थापित अन्य महापुरुषों की प्रतिमाओं, स्मृति स्तंभों, प्रेरक उद्धरणों, स्वच्छ एवं सुव्यवस्थित हरित वातावरण तथा वास्तुशिल्पीय सौंदर्य की भी सराहना की। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय प्रेरणा स्थल पार्क केवल एक उद्यान नहीं, बल्कि राष्ट्र के गौरवशाली इतिहास, विचारधाराओं और आदर्शों का जीवंत संग्रहालय है। उन्होंने कहा कि ऐसे प्रेरणा स्थलों के माध्यम से युवाओं में राष्ट्रनिर्माण के प्रति चेतना जागृत होती है और समाज में सकारात्मक सोच का विस्तार होता है। देवनानी ने उत्तर प्रदेश सरकार एवं पार्क प्रबंधन को इस उत्कृष्ट और प्रेरणादायी पहल के लिए बधाई दी तथा कहा कि अन्य राज्यों को भी इस प्रकार के प्रेरणा स्थलों की स्थापना से प्रेरणा लेनी चाहिए। इस मौके पर राजस्थान विधानसभा के प्रमुख सचिव भारत भूषण शर्मा भी मौजूद रहे।

भांकरोटा थाना क्षेत्र से 680 ग्राम अवैध गांजे के साथ तस्कर रोहित मालावत गिरफ्तार

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। सचिन मित्तल के मार्गदर्शन में विशेष पुलिस आयुक्त (ऑपरेशन्स), जयपुर राहुल प्रकाश के निर्देशन एवं पुलिस उपायुक्त अपराध, जयपुर अभिजीत सिंह, के निकट सुपरविजन एवं नेतृत्व में C.S.T. आयुक्तालय, जयपुर की टीम द्वारा अवैध मादक पदार्थ तस्कर के विरूद्ध कार्यवाही संबंध में आसूचना संकलन कर कार्ययोजना बनाते हुए पुलिस थाना भांकरोटा में संयुक्त कार्यवाही करते हुए अवैध मादक पदार्थ तस्कर रोहित मालावत पुत्र मोहन मालावत को गिरफ्तार कर अवैध मादक पदार्थ गांजा 680 ग्राम एवं एक मोबाइल जप्त किया गया।

कार्रवाई पुलिस थाना भांकरोटा-

सीएसटी को पुलिस थाना भांकरोटा के पास अवैध मादक पदार्थ तस्करी करने की सूचना पर टीम द्वारा पुलिस थाना भांकरोटा जयपुर (पश्चिम) के साथ संयुक्त कार्यवाही करते हुए अवैध रूप से मादक पदार्थ रखने पर आरोपी रोहित मालावत पुत्र मोहन मालावत जाति सांसी उम्र 24 साल, निवासी सांसियों की ढाणी जयसिंहपुरा रोड ग्राम मदाउ थाना मुहाना जिला जयपुर हाल किरायेदार धर्मेन्द्र सांसी का मकान कच्ची बस्ती खारडा कॉलोनी मुकुन्दपुरा रोड भांकरोडा पुलिस थाना भांकरोडा जयपुर पश्चिम को गिरफ्तार कर कब्जे से गांजा 680 ग्राम जब्त किया गया। उक्त कार्यवाही के संबंध में पुलिस थाना भांकरोटा जयपुर पश्चिम पर प्रकरण सं. 25/2026 धारा 8/20 स्वापक औषधि और मनः प्रभावी पदार्थ अधिनियम, 1985 में दर्ज किया गया।

बरामदगी-

आरोपी के कब्जे से अवैध मादक पदार्थ गांजा 680 ग्राम जप्त किया गया। आरोपी रोहित मालावत पुत्र मोहन मालावत जाति सांसी उम्र 24 साल।

राजस्थान में घने कोहरे का कहर:

सड़क हादसों में एक की मौत, 24 से ज्यादा घायल, 10 जिलों में मौसम बिगड़ा

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। राजस्थान में एक बार फिर मौसम ने करवट ली है। मकर संक्रांति के बाद जहां लोगों को लगा था कि सर्दी का असर कम हो गया है, वहीं अब घना कोहरा और शीतलहर ने जनजीवन को फिर से प्रभावित करना शुरू कर दिया है। बीते दो दिनों से प्रदेश के 10 से अधिक जिलों में सुबह के समय घना कोहरा छाया रहा, जिससे विजिबिलिटी कई जगहों पर 50 मीटर से भी कम दर्ज की गई। कोहरे के कारण प्रदेश के अलग-अलग हिस्सों में सड़क हादसे सामने आए हैं। बहरोड़-कोटपूतली जिले के बानसूर क्षेत्र में धुंध के चलते हुए एक सड़क हादसे में एक व्यक्ति की मौत हो गई। जयपुर जिले के चाकसू क्षेत्र में भी घने कोहरे की वजह से चार वाहन आपस में टकरा गए। वहीं, हनुमानगढ़ में ट्रक और बस की भिड़ंत में 24 से ज्यादा लोग घायल हो गए, जिन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया है। बीकानेर में भी कोहरे का असर देखने को मिला, जहां एक ट्रक और पिकअप वाहन के बीच जोरदार टक्कर हो गई। हादसे में पिकअप चालक वाहन में बुरी तरह फंस गया, जिसे कड़ी

मशक्कत के बाद बाहर निकाला गया। कोहरे के कारण सुबह के समय हाईवे और मुख्य सड़कों पर वाहन चालकों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ा। घने कोहरे के साथ-साथ हवा की गुणवत्ता भी बिगड़ गई है। भिवाड़ी, बीकानेर सहित करीब 10 जिलों में एयर क्वालिटी बेहद खराब श्रेणी में दर्ज की गई, जिससे सांस के मरीजों और बुजुर्गों को खास दिक्कतें हो रही हैं। इस बीच मौसम विभाग ने आने वाले दिनों को लेकर चेतावनी जारी की है। मौसम केंद्र जयपुर के अनुसार 22 जनवरी से एक सक्रिय पश्चिमी विक्षोभ प्रदेश को प्रभावित करेगा। इसके असर से राज्य में बादल छाने, तेज आंधी चलने, बिजली चमकने और कई इलाकों में बारिश होने की संभावना है। इसको देखते हुए मौसम विभाग ने यलो अलर्ट जारी किया है। मावठ की बारिश के कारण तापमान में भी बदलाव आने की संभावना है। मौसम वैज्ञानिकों का कहना है कि बारिश के बाद सर्दी का असर और बढ़ सकता है। शीतलहर के चलते रात और सुबह के समय ठंड ज्यादा महसूस की जा रही है। प्रशासन और मौसम विभाग ने लोगों से अपील की है कि कोहरे के दौरान वाहन चलाते समय सावधानी बरतें, धीमी गति रखें और फॉग लाइट का इस्तेमाल करें। साथ ही, मौसम की ताजा जानकारी पर नजर बनाए रखें, ताकि किसी भी तरह की अनहोनी से बचा जा सके।

नगर निगम जयपुर सतर्कता शाखा की टीम द्वारा की गई कार्रवाई

-20 हजार रुपये का किया कैरिंग चार्ज वसूल, 16 केन्टर सामान जब्त

जयपुर (रॉयल पत्रिका) । नगर निगम जयपुर आयुक्त डॉ. गौरव सैनी के निर्देषानुसार एवं पूर्व से प्राप्त शिकायतों पर उपायुक्त सतर्कता के नेतृत्व में सोमवार को सतर्कता शाखा की द्वारा नगर निगम जयपुर क्षेत्राधिकार में एसएमएस, ट्रोमा सेन्टर, बागड़, जे.के.लोन हॉस्पिटल, लाल कोठी सब्जी मण्डी, कैलाश टावर टोक रोड़, नारायण सिंह सर्किल, बिरला मन्दिर व झालाना डिप्पो से अस्थाई अतिक्रमण करने वालों के विरुद्ध 20 हजार रुपये का कैरिंग चार्ज वसूल कर 16 केन्टर सामान जब्त किया गया। उपायुक्त सतर्कता ने बताया कि नगर निगम जयपुर क्षेत्राधिकार में एसएमएस, ट्रोमा सेन्टर, बागड़, जे.के.लोन हॉस्पिटल, लाल कोठी सब्जी मण्डी, कैलाश टावर टोक रोड़, नारायण सिंह सर्किल, बिरला मन्दिर व झालाना डिप्पो से अस्थाई अतिक्रमण हटवाया गया। उपरोक्त कार्रवाई के दौरान 16 केन्टर सामान जब्त कर गोदाम में भिजवाया गया व अस्थाई अतिक्रमण करने वालों से मौके पर 20 हजार रुपये का कैरिंग चार्ज वसूल किया गया तथा दौरे के दौरान कार्रवाई सतर्कता टीम द्वारा मौके पर समझाइष करते हुए मौखिक पाबंद करवाया कि भविष्य में अस्थाई अतिक्रमण समय से हटा ले अन्यथा नगर निगम जयपुर के क्षेत्राधिकार में अवैध अतिक्रमण करने वालों के विरुद्ध भारी चालान या प्रभावी कार्रवाई अमल में लाई जायेगी।

जयपुर पोलो सीजन 2026 की शुरुआत:

युवा खिलाड़ी को स्कॉलरशिप, लेडीज पोलो मैच भी होंगे आयोजित

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। राजस्थान की खेल विरासत को नई ऊर्जा देते हुए राजस्थान पोलो क्लब (आरपीसी) में बहुप्रतीक्षित जयपुर पोलो सीजन 2026 की आधिकारिक शुरुआत हो गई है। यह रोमांचक सीजन 29 मार्च 2026 तक चलेगा, जिसमें देश-विदेश के नामी पोलो खिलाड़ी अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन करेंगे। हर साल की तरह इस बार भी पोलो प्रेमियों के लिए कई बड़े और प्रतिष्ठित टूर्नामेंट आयोजित किए जा रहे हैं। इस सीजन का सबसे बड़ा आकर्षण 14 गोल का ब्रिगेडियर सवाई भवानी सिंह जयपुर कप होगा, जिसके लिए जयपुर ओपन टूर्नामेंट का आयोजन 16 फरवरी से 21 फरवरी तक किया जाएगा। यह टूर्नामेंट हमेशा से उच्च स्तरीय मुकाबलों और जबरदस्त प्रतिस्पर्धा के लिए जाना जाता रहा है। इसके अलावा सीजन का एक और महत्वपूर्ण टूर्नामेंट 14 गोल का रैफल्स सिरमौर कप होगा, जो 9 फरवरी से 15 फरवरी तक खेला जाएगा। जयपुर पोलो सीजन की खास बात यह है कि इस बार युवा खिलाड़ियों को प्रोत्साहित करने के लिए हर साल एक उभरते हुए खिलाड़ी को स्कॉलरशिप दी जाएगी। इसका उद्देश्य पोलो जैसे पारंपरिक और प्रतिष्ठित खेल में नई प्रतिभाओं को आगे लाना और उन्हें बेहतर प्रशिक्षण व संसाधन उपलब्ध कराना है। यह पहल भविष्य में भारतीय पोलो के स्तर को और ऊंचा उठाने में मददगार साबित होगी। इसके साथ ही, इस सीजन में लेडीज पोलो मैच का आयोजन भी किया जाएगा, जो महिला खिलाड़ियों को अपनी प्रतिभा दिखाने का एक सशक्त मंच देगा। इससे न केवल पोलो में महिलाओं की भागीदारी बढ़ेगी, बल्कि खेल को एक नई पहचान भी मिलेगी। मंगलवार को राजस्थान पोलो ग्राउंड में आयोजित एक कार्यक्रम में सवाई पद्मनाभ सिंह, फेडरेशन ऑफ इंटरनेशनल पोलो (एफआईपी) के भारत एम्बेसडर नरेंद्र सिंह, राजस्थान पोलो क्लब के ऑनरेरी सेक्रेटरी दिग्विजय सिंह और जॉइंट सेक्रेटरी विक्रमादित्य बरकाना ने सीजन के कार्यक्रमों और टूर्नामेंटों की विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने बताया कि इस साल दर्शकों को उच्च स्तरीय मुकाबलों के साथ-साथ कई नए प्रयोग देखने को मिलेंगे। कुल मिलाकर, जयपुर पोलो सीजन 2026 न केवल रोमांचक मुकाबलों से भरपूर होगा,

बल्कि यह युवा और महिला खिलाड़ियों के लिए नए अवसर भी लेकर आएगा, जिससे राजस्थान की पोलो परंपरा और अधिक मजबूत होगी।

आवश्यक नम्बर

रॉयल पत्रिका

बिजली फॉल्ट के लिए	
टोल फ्री नंबर	18001806507
वॉट्सएप नंबर	9414037085
कस्टमर केयर	2203000
आईवीआरएस	1912
कचरा गाड़ी के लिए	
ग्रेटर	2747400
सीवरेज लीकेज	2607500
हेरिटेज	2607500
टोल फ्री नंबर	14420
पुलिस की मदद के लिए	
साइबर क्राइम	1930/2360094
कंट्रोल रूम	2388435/36/37/38
ट्रैफिक कंट्रोल रूम	2565630
चाइल्ड हेल्पलाइन	1098
महिला हेल्पलाइन	1090
मुख्यमंत्री पोर्टल	181
पानी के लिए	
जलदाय कार्यालय	2706624
फायर ब्रिगेड	2747400
मेडिकल इमरजेंसी के लिए	
एंबुलेंस	102/108
एसएमएस इमरजेंसी	2518333
महिला चिकित्सालय	22610616
जनाना हॉस्पिटल	22378721
SDMH	22574189
SMS ब्लड बैंक	22518222
कल्याण ब्लड बैंक	22721771
घायल पशुओं के लिए	
नगर निगम	2747400
बर्ड बाइक	9887345580
हेल्प इन सफरिंग	8107299711
जनमंच ट्रस्ट	7230055800
पशु चिकित्सालय	2747400

राजस्थान वाटरग्रिड कॉरपोरेशन लिमिटेड को मजबूती प्रदान करना राज्य सरकार की प्राथमिकता- मुख्य सचिव

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास ने राजस्थान वाटरग्रिड कॉरपोरेशन लिमिटेड को मजबूती प्रदान करने की आवश्यकता पर बल दिया है। उन्होंने इस सम्बन्ध में मंगलवार को शासन सचिवालय में आयोजित बैठक में चर्चा कर आवश्यक दिशा—निर्देश प्रदान किए। मुख्य सचिव ने कहा कि राजस्थान वाटरग्रिड कॉरपोरेशन लिमिटेड को मजबूती प्रदान करना राज्य सरकार की प्राथमिकता है। उन्होंने इस हेतु निर्देश दिए कि राज्य सरकार और एशियन डवलपमेंट बैंक (एडीबी) के सहयोग से प्रारंभिक प्रोजेक्ट रिपोर्ट (पीपीआर) तैयार कर केन्द्र सरकार को स्वीकृति के लिए शीघ्र प्रेषित की जाए। बैठक में अतिरिक्त मुख्य सचिव, जल संसाधन, आयोजना अभय कुमार, अतिरिक्त मुख्य शासन सचिव पर्यटन विभाग, प्रवीण गुप्ता, शासन सचिव वित्त वैभव गालरिया उपस्थित रहे।

अंजुमन इत्तेहाद-ए-बाहमी ने किया नवनिर्वाचित अंजुमन सदर मन्नू पठान का इस्तकबाल

बारां (रॉयल पत्रिका)। अंजुमन इत्तेहाद-ए-बाहमी द्वारा रविवार को मदरसा अंजुमन इस्लामियां बारां के नवनिर्वाचित सदर मोहम्मद शाहिद मन्नू पठान का इस्तकबाल कर मुबारकबाद पेश की गई। अंजुमन इत्तेहाद-ए-बाहमी के सदर आबिद हुसैन अंसारी के नेतृत्व में उनका माला पहनाकर मुंह मीठा करवाकर इस्तकबाल किया गया। इस दौरान अंजुमन के नवनिर्वाचित सदर मन्नू पठान ने कहा कि जो जिम्मेदारी मुझे मिली है उसको ईमानदारी के साथ निभाऊंगा ओर अंजुमन

की फलाह और बच्चों के बेहतर मुस्तकबिल के लिए तन-मन-धन से काम करूंगा। इस दौरान हाजी वसीम अहमद, मौलाना अख्तर नदवी, हाजी इकबाल हुसैन, अब्दुल अजीज अज्जू भाई, अलीम मंसूरी, हाजी अशफाक हुसैन, मास्टर अय्यूब अली, इफ्तिखार अहमद बबलू, मौलाना सलमान सहित कई लोग मौजूद रहे।

महवा में विधायक राजेंद्र मीणा ने बालिकाओं को नि:शुल्क बांटी साइकिले

शफीक अली

महवा (रॉयल पत्रिका)। महवा उपखंड मुख्यालय पर स्थित राजकीय टीकाराम पालीवाल विद्यालय महवा में मंगलवार को विधायक राजेंद्र मीणा द्वारा महवा विधानसभा क्षेत्र की कक्षा 9 की 1500 छात्राओं को निःशुल्क साइकिल वितरण कार्यक्रम में छात्राओं को साइकिल वितरण की। इस दौरान विधायक राजेंद्र मीणा ने कहा कि महवा विधानसभा क्षेत्र में शिक्षा चिकित्सा के क्षेत्र में चौमुखी विकास हो रहे हैं। जिसके चलते क्षेत्र में रिक्त चल रहे प्रधानाचार्य व व्याख्याताओं के पद पर शिक्षा को ध्यान में रखते हुए स्थानांतरण से रिक्त पदों को भरा जा रहा है शिक्षा और चिकित्सा के साथ क्षेत्र के सर्वांगीण विकास के लिए धन की किसी प्रकार से कमी नहीं आने दी जाएगी।

विधायक राजेंद्र मीणा ने कहा कि हमारे देश के माननीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी तथा माननीय मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में देश सहित प्रदेश मेंबेटियों की शिक्षा, सुरक्षा एवं सशक्तिकरण हेतु चल रही जनकल्याणकारी

नीतियाँ आज जमीनी स्तर पर उतारकर सरकार सकारात्मक बदलाव ला रही हैं। इस दौरान उन्होंने उपस्थित राजकीय बालिका उच्च माध्यमिक विद्यालय महवा की छात्राओं को वितरण करते हुए कहा कि साइकिल वितरण से हमारी बेटियों को विद्यालय में आने-जाने के साथ सुरक्षित व सुगम आवागमन की सुविधा मिलेगी, जिससे वे अपने सपनों की और अधिक आत्मविश्वास के साथ आगे बढ़ सकेंगी। विधायक राजेंद्र मीणा ने कहा कि बेटियों का सशक्तिकरण ही विकसित राजस्थान और विकसित भारत का मार्ग प्रशस्त करता है। इस दौरान विद्यालय की प्रधानाचार्य चंद्र कांत शर्मा सहित विद्यालय के स्टाफ द्वारा विधायक राजेंद्र मीणा सहित अतिथियो का माला दुपट्टा पहना कर स्वागत सत्कार किया गया। इस अवसर पर मुख ब्लॉक शिक्षा अधिकारी कमलेश मीणा, अतिरिक्त मुख्य ब्लॉक शिक्षा अधिकारी रामफल मीणा, रामगोपाल मीणा, प्रधानाचार्य चंद्रकांत शर्मा, महवा प्रेस क्लब के अध्यक्ष गोपुत्र अवधेश अवस्थी, रिटायर्ड शिक्षा उपनिदेशक प्रेमवती शर्मा, पूर्व भाजपा मंडल अध्यक्ष विमल जैन, भामाशाह विनीत बंसल, भाजपा मंडल अध्यक्ष भगवान सहाय शर्मा, पूर्व भाजपा मंडल अध्यक्ष दिनेश बंसल, महेंद्र तेगरवाल, राम गोपाल शर्मा, रिटायर्ड पीटीआई राम भरोसी मीणा, जीपी शर्मा, रवि पटेल, प्रिंसिपल रामनिवास मीणा सैहदपुर सहित अनेक गणमान्य नागरिक भाजपा पदाधिकारी मौजूद रहे।

कांग्रेस का मनरेगा बचाओ अभियान को लेकर किया जनसंपर्क

शफीक अली

महवा(रॉयल पत्रिका)। विधानसभा क्षेत्र की ग्राम पंचायत बड़ागांव, सुल्तानपुरा, जलालपुर, सलेमपुर थाना, नाहिडा, समसपुर, ढंड, तालचिडी, अलीपुर सहित खेड़ला बुजुर्ग पंचायतो में मनरेगा बचाओ संग्राम अभियान के तहत पूर्व विधायक डॉ. ओमप्रकाश हुडला के नेतृत्व में जनजागरूकता संवाद कार्यक्रम आयोजित किया गया। अभियान के दौरान पूर्व विधायक हुडला ने केंद्र सरकार पर मनरेगा को कमजोर करने और धीरे-धीरे खत्म करने की साजिश रचने का आरोप लगाया गया। जनसंवाद के दौरान पूर्व विधायक हुडला ने कहा कि मनरेगा ग्रामीण गरीब, मजदूर और किसान परिवारों की जीवनरेखा है, लेकिन केंद्र सरकार

की नीतियों से योजना को नुकसान पहुंचाया जा रहा है। आमजन में इस मुद्दे को लेकर भारी आक्रोश देखने को मिला। ग्रामीणों ने एक स्वर में कहा कि आने वाले पंचायती राज और निकाय चुनावों में जनता इस साजिश का जवाब वोट की चोट से देगी। कार्यक्रम में विधानसभा प्रभारी देशराज पहाड़िया,ब्लॉक अध्यक्ष दिनेश पाटोली, बड़ागांव सरपंच बच्चूसिंह गुर्जर, प्रेमसिंह सिकंदरपुर, मोहन सिंह जाटव सरपंच, लक्ष्मण सिंह नाहिडा मंडल अध्यक्ष,नसीब गुर्जर सलेमपुर, सुमरन सलेमपुर, पुष्पेंद्र कुतकपुर, फतेह सिंह सुल्तानपुरा, रामवीर कुतकपुर सहित पार्टी पदाधिकारी व प्रमुख कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

हिंडौन में खेल स्टेडियम निर्माण की मांग तेज, खेल संगठनों ने एसडीएम को सौंपा ज्ञापन

हनीस शेख

हिंडौन (रॉयल पत्रिका)। शहर में लंबे समय से लंबित खेल स्टेडियम निर्माण कार्य को शीघ्र शुरू करवाने की मांग को लेकर आज विभिन्न खेल संगठनों के पदाधिकारियों, खिलाड़ियों एवं खेल प्रेमियों ने उपखंड अधिकारी को ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन के माध्यम से बताया गया कि लगभग चार वर्ष पूर्व हिंडौन के जाट का तालाब क्षेत्र के समीप खेल स्टेडियम की स्वीकृति हो चुकी है, इसके बावजूद अब तक निर्माण कार्य शुरू नहीं किया जाना बेहद दुर्भाग्यपूर्ण है। इससे क्षेत्र के युवाओं और खिलाड़ियों में गहरा रोष व्याप्त है। खेल प्रेमियों ने आरोप लगाया कि करौली जिला खेल अधिकारी और हिंडौन के सार्वजनिक निर्माण विभाग के अधिकारियों के बीच आपसी तालमेल की कमी एवं लापरवाही के चलते स्टेडियम निर्माण कार्य अटका हुआ है, जिससे प्रतिभावान खिलाड़ियों का भविष्य प्रभावित हो रहा है। ज्ञापन के दौरान उपखंड अधिकारी हेमराज गुर्जर ने मामले को गंभीरता से लेते हुए संवेदनशीलता दिखाई और दोनों संबंधित विभागों के अधिकारियों से फोन पर बातचीत कर आपसी समन्वय बनाते हुए शीघ्र खेल स्टेडियम निर्माण कार्य शुरू करने के स्पष्ट निर्देश दिए। उपखंड अधिकारी को ज्ञापन देने वालों में पूर्व उपसभापति नफीस अहमद, जिला बेसबॉल संघ के सचिव गोपाल सिंह बेनीवाल, सेवानिवृत्त उपजिला शिक्षा अधिकारी मुरारी लाल शाक्यवार, सेवानिवृत्त शारीरिक शिक्षक केदार लवानिया, जिला सॉफ्टबॉल संघ अध्यक्ष एवं राष्ट्रीय अंपायर देवीसहाय शर्मा, पूर्व क्रिकेटर महेश सोनी, बॉडीबिल्डर अजीत सूरोठिया, मिस्टर राजस्थान अरशद कुरैशी, सॉफ्टबॉल संघ के विजय शर्मा, बबली सोलंकी, पूर्व क्रिकेटर राजीव चतुर्वेदी, वीरेंद्र बाजना, बैडमिंटन खिलाड़ी मुकेश धाकड़, राजीव गोयल, भुवनेश गोयल, खेल प्रेमी रफीक चौधरी, अजीत कुमार, खेल प्रेमी राजेश तिवारी सहित कई गणमान्य नागरिक मौजूद रहे।

मुख्यमंत्री विश्वकर्मा पेंशन योजना के तहत पंजीकरण शिविर आयोजित

-आगामी माह में यह शिविर बड़ाबास या शहरिया बास में होगा आयोजित वंचित पात्र लोगों को सरकारी योजनाओं से जोड़ने के लिए फिर से होगा लाडनूं में शिविर आयोजित।

मोहम्मद अली पठान

लाडनूं (रॉयल पत्रिका)। राज्य सरकार की समाज के अंतिम छोर पर खडे व्यक्ति तक पहुंचाने के उद्देश्य से सोमवार को पंचायत समिति सभागार लाडनूं में विशेष पंजीकरण शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में राज्य बीमा एवं प्रावधायी विधि विभाग नागौर की ओर से मुख्यमंत्री विश्वकर्मा पेंशन योजना के अंतर्गत पात्र लाभार्थियों का पंजीकरण किया गया। शिविर के दौरान विभाग के कार्मिकों ने उपस्थित शहरी एवं ग्रामीणो एवं कामगारों को योजना की विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने बताया कि यह योजना विशेष रूप से 41 से 45 वर्ष आयु बर्ग के श्रमिको,पथ विक्रेता एवं अल्प आय वर्ग के कामगारों के लिए लागू की गई है। योजना के तहत लाभार्थियों को 100 रुपये प्रतिमाह जमा करने के बाद 60 वर्ष की आयु पूर्ण होने पर उन्हें प्रतिमाह 3000 रुपये की पेंशन के रूप

में आर्थिक संबल और सामाजिक सुरक्षा प्रदान की जाएगी। शिविर में 151 लाभार्थियो के आधार कार्ड, जन आधार कार्ड एवं बैंक पासबुक सहित आवश्यक दस्तावेजो की मौके पर ही जांच कर पंजीकरण की प्रक्रिया पुरी की गई। इस अवसर पर मौके पर संस्थापन अधिकारी मुकेश घारु, राजेश कुमार पूनिया, संस्थापन अधिकारी के नेतृत्व में ओम प्रकाश पंवार पर्यवेक्षक, ओम भाटी सहायक प्रशासनिक अधिकारी महेंद्र गोदारा, रामनारायण भंवरिया, अरशद खान, शिव भगवान, नरेंद्र सिंह राठौड़, प्रकाश पाराशर, पूनम चंद स्वामी, तपेंद्र सिंह, अंबिका कुमारी, लालाराम कांवलीया सेवानिवृत्ति प्रशासनिक अधिकारी व राज्य बीमा एवं प्रावधायी निधि विभाग नागौर कार्यालय स्टाफ के अलावा सामाजिक कार्यकर्ता मो. मुश्ताक खान कायमखानी व उनके सहयोगी टीम के लोगों ने लाभार्थियों के फॉर्म भरने एवं पंजीकरण से संबंधित तकनीकी सहायता प्रदान की।

रायपुरिया विद्यालय में जरूरतमंद छात्र-छात्राओं को स्वेटर वितरण किया

चूरू (रॉयल पत्रिका)। राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय रायपुरिया में सराफ फाउंडेशन बेंगलुरु द्वारा विद्यालय के 75 छात्र-छात्राओं को स्वेटर वितरण किए गए। कार्यक्रम की अध्यक्षता सरपंच बिहारी लाल बरोड द्वारा की गई कार्यक्रम के मुख्य अतिथि सराफ फाउंडेशन के प्रतिनिधि जगदीश प्रसाद सराफ व विशिष्ट अतिथि अतिरिक्त जिला शिक्षा अधिकारी माध्यमिक शिक्षा बृजेंद्र दाधीच, व्याख्याता अजीत सर जगदीश शर्मा, व शांतनु अग्रवाल थे। सर्वप्रथम विद्यालय की छात्राओं ने सरस्वती वंदना की तत्पश्चात विद्यालय परिवार द्वारा अतिथियों

का दुपट्टा पहनाकर स्वागत किया। दाधिच ने अपने उद्बोधन में सराफ फाउंडेशन द्वारा जनहित में किये जा रहे निरन्तर सेवा कार्यों की भूरी-भूरी प्रशंसा करते हुए साधुवाद दिया। जगदीश शर्मा ने फाउंडेशन के बहुमुखी कार्यों की जानकारी दी। विद्यालय की प्रधानाचार्या संतोष पारीक ने फाउंडेशन का आभार एवं धन्यवाद ज्ञापित किया। इस अवसर पर एस. एम. सी. अध्यक्ष प्रभुदयाल शास्त्री, समाज सेवक किशोर सिंह, पंच कुंभाराम सैनी, सुमेर सिंह, रामचंद्र ढाका व सांवरमल शर्मा सहित ग्रामीण उपस्थित थे। कार्यक्रम का संचालन सुभाष शर्मा ने किया।

दुर्लभ मंत्रों की गूंज के साथ महा अनुष्ठान स्थल शुद्धिकरण के लिए आरंभ हुआ यज्ञ

मोहम्मद यासीन

पाली। (रॉयल पत्रिका)। राजस्थान के पाली में कृष्णगिरी पीठाधीश्वर पूज्यपाद जगद्गुरु श्री वसन्त विजयानंद गिरी जी महाराज के सानिध्य में 24 जनवरी से अयोजित होने जा रहे विराट आध्यात्मिक महोत्सव की तैयारी चरम पर है। मंगलवार दोपहर पश्चात अणुव्रत नगर स्थित विशाल प्रांगण में आध्यात्मिक महामहोत्सव के निमित्त जगद्गुरु श्री वसंत विजयानंद गिरी जी महाराज के पावन सानिध्य में काशी के विद्वान पंडितों द्वारा स्थल शुद्धिकरण यज्ञ किया गया। मंत्रों की गूंज के साथ प्राकृतिक जड़ी बूटियों, ओषधियों, गाय के शुद्ध देसी घी, चंदन, सभी प्रकार के मेवे की हजारों आहुतियां दी गई। यज्ञ में देवी देवताओं का आव्हान किया गया। आरंभ में जगद्गरू देव श्री वसंत विजयानंद गिरी जी महाराज

द्वारा देवों की विधि अनुसार पूजा की गई। कृष्णगिरी तीर्थ ट्रस्ट के शंकेश जैन ने बताया कि 24 जनवरी तक प्रतिदिन दोपहर में गुरूदेव की निश्रा में विशिष्ट यज्ञ, पूजन होंगे। संध्या को गुरूदेव आगंतुक श्रद्धालुओं को धर्म ज्ञान देंगे। 24 जनवरी 2026 शनिवार से 1 फरवरी 2026 रविवार तक प्रतिदिन प्रातः साधना, दोपहर में महालक्ष्मी यज्ञ और संध्या को भैरव पुराण कथा होगी। इन सभी आयोजनों में प्रवेश निशुल्क है। प्रतिदिन शाम 5 से रात्रि 9 बजे तक आगंतुक श्रद्धालुओं के लिए भंडारा होगा।

राजकीय एकीकृत आयुर्वेद हॉस्पिटल के सामने लगा विद्युत ट्रांसफार्मर बना आमजन के लिए खतरा

चूरू (रॉयल पत्रिका)। जिला मुख्यालय पर शहर के राजकीय एकीकृत आयुर्वेद हॉस्पिटल के मुख्य द्वार के सामने लगा विद्युत ट्रांसफार्मर अब आमजन, मरीजों एवं राहगीरों के लिए जी का जंजाल बनता जा रहा है। इस ट्रांसफार्मर के कारण यहां दुर्घटनाओं की अपार संभावनाएं बनी हुई हैं, जिससे कभी भी कोई अप्रिय घटना घटित हो सकती है। शहीद भगत सिंह युवा क्रांतिकारी मंच के प्रतिनिधि राजेश चौधरी ने बताया कि अस्पताल के सामने इस प्रकार खुले एवं असुरक्षित स्थान पर विद्युत ट्रांसफार्मर का होना अत्यंत चिंताजनक है। प्रतिदिन

अस्पताल में बड़ी संख्या में मरीज, बुजुर्ग, महिलाएं एवं बच्चे आते-जाते हैं। ऐसे में जरा सी चूक या तकनीकी खराबी गंभीर हादसे का कारण बन सकती है। उन्होंने कहा कि बरसात के मौसम, अत्यधिक लोड या तकनीकी फॉल्ट की स्थिति में करंट फैलने, आग लगने अथवा अन्य जानलेवा दुर्घटनाओं की आशंका से इनकार नहीं किया जा सकता। इसके बावजूद संबंधित विभाग द्वारा अब तक कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया है। राजेश चौधरी ने विद्युत विभाग एवं जिला प्रशासन से मांग की कि जनहित और सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए उक्त ट्रांसफार्मर को तत्काल किसी अन्य सुरक्षित स्थान पर शिफ्ट किया जाए, ताकि भविष्य में किसी भी प्रकार की अप्रिय घटना से बचा जा सके। स्थानीय लोगों का भी कहना है कि यदि समय रहते कार्रवाई नहीं की गई तो किसी बड़े हादसे की जिम्मेदारी संबंधित विभागों की होगी।

10 साल में 2 बार स्वीकृत होने के बाद भी नहीं बनी सीसी सड़क

-शहर में सड़कों का जाल बिछाए जाने की बात कहने वालों के मुंह पर करारा तमाचा

मोहम्मद अली पठान

चूरू (रॉयल पत्रिका)। जिला मुख्यालय पर कृषि उपज मंडी के पीछे वार्ड नंबर 4 बालाजी कॉलोनी में 2 बार स्वीकृत होने के बाद भी सीसी सड़क नहीं बनी है। इससे नागरिकों में गहरा रोष है। मिली जानकारी के अनुसार वार्ड नंबर 4 में गजल भाटी और यूसुफ खान के घर से रोहिताश चौधरी के घर तक लगभग 100 मीटर लंबी सड़क नहीं बनाई जा रही है। इस कारण नागरिकों को बहुत दिक्कत हो रही है। मजे की बात यह है कि यह सड़क सभापति गोविंद महनसरिया और पायल सैनी के कार्यकाल

में दो बार स्वीकृत भी हो चुकी है। उसके बाद भी इस मार्ग पर सड़क का निर्माण आज तक नहीं हुआ है। मोहल्ले वालों ने बताया कि नगर परिषद आयुक्त, जिला कलेक्टर और जनप्रतिनिधियों को बार बार अवगत करवा दिया है परंतु कोई सुनवाई नहीं हो रही है। यह शहर में सड़कों का जाल बिछाए जाने की बात कहने वालों के मुंह पर करारा तमाचा है। इसी तरह मोहम्मद अली पठान और महावीर मेघवाल के घर से पंडित जी और गिरधारी चौधरी के घर तक भी सड़क का निर्माण नहीं हुआ है। इससे नेताओं और अधिकारियों के दावों की पोल खुलकर सामने आ गई है। लोगों ने एक बार पुनः यहां सड़क का निर्माण करने की मांग की है। अब देखना यह है कि जनप्रतिनिधियों और अधिकारियों की आँखें कब खुलती हैं।

राजस्थानी सिनेमा शौर्य–सम्मान और लोक संस्कृति की आत्मा है - गोविंद सिंह राजपूत

-श्री करणी सेना फिल्म एसोसिएशन का आधिकारिक मेनिफेस्टो जारी

चूरू (रॉयल पत्रिका)। श्री करणी सेना फिल्म एसोसिएशन राजस्थान के प्रदेशाध्यक्ष गोविंद सिंह राजपूत ने कहा है कि राजस्थानी सिनेमा केवल मनोरंजन का माध्यम नहीं, बल्कि यह राणा–राव की परंपरा, पगड़ी–प्राण का स्वाभिमान, शौर्य–सम्मान और लोक संस्कृति की आत्मा है। इसी अस्मिता की रक्षा और सशक्तिकरण के लिए यह एसोसिएशन प्रतिबद्ध है। राजपूत ने श्री करणी सेना फिल्म एसोसिएशन का आधिकारिक मेनिफेस्टो जारी करते हुए कहा कि मरुधरा की वीर भूमि राजस्थान से निकली श्री राष्ट्रीय राजपूत करणी सेना देश का सबसे पुराना, संघर्षशील और स्वाभिमानी संगठन है, जिसकी 22 राज्यों में सशक्त एवं मज़बूत उपस्थिति है। गोविन्द सिंह राजपूत ने कहा कि उसी गौरवशाली संगठन के संरक्षण, मार्गदर्शन और विचारधारा के अंतर्गत श्री करणी सेना फिल्म एसोसिएशन का गठन किया गया है। यह एसोसिएशन शहीद सुखदेव सिंह गोगामेड़ी, उजागर सिंह एवं शीला शेखावत के आदेश, मार्गदर्शन और आशीर्वाद से अस्तित्व में आई है। राजपूत ने कहा कि राजस्थानी फिल्मों में इतिहास, संस्कृति और महापुरुषों की शुद्ध, गरिमामयी एवं तथ्यात्मक प्रस्तुति सुनिश्चित की जाएगी। कलाकारों, लेखकों, निर्देशकों, तकनीशियनों एवं फिल्म से जुड़े प्रत्येक कर्मी को सम्मान, सुरक्षा और न्याय दिलाने के लिए संगठन मजबूती से खड़ा रहेगा। राजस्थान सरकार से मिलने वाली सभी सुविधाओं, योजनाओं एवं लाभों को संगठन के सदस्यों तक प्राथमिकता से पहुँचाने का प्रयास किया जाएगा। उन्होंने कहा कि राजस्थान में बाहर से आने

वाली फिल्म शूटिंग में स्थानीय कलाकारों व तकनीशियनों को प्राथमिक अवसर दिलाने हेतु संगठित पहल की जाएगी। उन्होंने बताया कि एग्रीमेंट के अंतर्गत किए गए कार्यों में किसी भी प्रकार के वाद–विवाद या शोषण की स्थिति में संगठन अपने सदस्य के साथ कानूनी एवं संगठनात्मक रूप से खड़ा रहेगा। शूटिंग लोकेशन पर किसी भी महिला कलाकार या संगठन सदस्य के साथ अभद्रता या विवाद की स्थिति में श्री राष्ट्रीय राजपूत करणी सेना की जिला कार्यकारिणी स्थिति के अनुसार तत्काल सुरक्षा एवं हस्तक्षेप सुनिश्चित करेगी। साथ ही राजस्थान में बाहर से आने वाले शूट में कम से कम 30 प्रतिशत अवसर स्थानीय कलाकारों को दिलाने का प्रयास किया जाएगा। राजपूत ने कहा कि राजस्थानी फिल्मों को सिनेमा हॉल उपलब्ध कराने तथा दल राजस्थानी सिनेमा के लिए न्यूनतम 56 शो सुनिश्चित करने हेतु सरकार एवं संबंधित संस्थाओं से संवाद व संघर्ष किया जाएगा।

लोकसभा सांसद राहुल कस्वा एवं पीसीसी उपाध्यक्ष रफीक मंडेलिया के जन्मदिन पर दिन भर जगह-जगह केक काटकर रक्तदान शिविर लगाकर मनाया गया

-कोम काजीयान के सदर पूर्व पार्षद एडवोकेट संजय भाटी ने रक्तदान शिविर लगाकर सड़क - सुरक्षा को मध्य नजर रखते हुए हेलमेट वितरण कर दिया युवाओं को संदेश

मोहम्मद अली पठान

चूरू (रॉयल पत्रिका)। जिला मुख्यालय पर मंगलवार को लोकसभा सांसद राहुल कस्वां तथा राजस्थान प्रदेश कांग्रेस कमेटी उपाध्यक्ष रफीक मंडेलिया के जन्मदिवस के अवसर पर चूरू जिला मुख्यालय स्थित शहर व देहात ब्लॉक कांग्रेस कार्यालय मंडेलिया हाउस चूरू में चूरू शहर ब्लॉक अध्यक्ष असलम खोखर व देहात ब्लॉक अध्यक्ष किशोर धान्धू द्वारा आयोजित कार्यक्रम में चूरू सांसद राहुल कस्वां की माता पूर्व विधायक कमला कस्वां व राजस्थान प्रदेश कांग्रेस कमेटी के उपाध्यक्ष रफीक मंडेलिया ने केक काटा तथा कार्यालय में मिठाई खिलाकर जन्मदिवस मनाया गया। इसके पश्चात चूरू तहसील के प्रथम गांव सातडा में किसान नेता आदूराम न्यौल के नेतृत्व में ग्रामीणों द्वारा चूरू सांसद राहुल व राजस्थान प्रदेश कांग्रेस कमेटी के उपाध्यक्ष रफीक मंडेलिया का जन्मदिन मनाया गया। इसके पश्चात चूरू विधानसभा अध्यक्ष सोयल खान डीके द्वारा राजकीय डेडराज भरतीया अस्पताल में फल वितरण कार्यक्रम, पूर्व सभापति गोविन्द महनसरिया द्वारा नई सडक पर केक कटिंग कार्यक्रम, कौम काजियान सदर संजय

भाटी द्वारा पीएचसी नम्बर 8 में रक्तदान शिविर का आयोजन किया। जिसमें रक्तदान करने वालो का हेलमेट वितरण किए, ओबीसी प्रकोष्ठ के जिला अध्यक्ष नारायण बालाण द्वारा आपणी पाठशाला व मुक बधीर संस्थान में भोजन कार्यक्रम, निवर्तमान उप सभापति प्रतिनिधि रमजान खान व चूरू जिला उपाध्यक्ष शिवकुमार शर्मा द्वारा जैन गेस्ट हाउस में कम्बल वितरण कार्यक्रम, निवर्तमान पार्षद विमल शर्मा द्वारा केक कटिंग व जी.आर रिर्सोट का उद्घाटन कार्यक्रम, रामप्रताप कांटिवाल व विमल शर्मा द्वारा हनुमानगढी गउशाला में गुड वितरण एवं तुलादान, हेमन्त सिहाग व हर्ष लाम्बा द्वारा कडवासर गउशाला में चारा

वितरण, निवर्तमान पार्षद अजीज दिलावरखानी द्वारा छींपा मदरसा में केंट कटिंग व अल्पहार, जाबीर कुरेशी द्वारा मौलाबक्स हवेली के आगे केक कटिंग, सरपंच प्रतिनिधि निसार खान द्वारा झारिया में कम्बल वितरण कार्यक्रम, अली हसन व रामानन्द न्यौल द्वारा दुध वितरण कार्यक्रम, कुरडाराम भाकर द्वारा कम्बल वितरण कार्यक्रम, मनीष कुमावत द्वारा नई सडक स्थित खेमका पेंट्रोल पम्प के पास केक कटिंग कार्यक्रम, रफीक डायर द्वारा आरके मोबाईल सेंटर पर केक कटिंग, सुलेमान मणियान द्वारा उस्मानाबाद कॉलोनी में केक कटिंग कार्यक्रम, दीपिका सोनी, ज्योति सिंह, सुनिता बाकोलिया, जाफरून भाटी सहित महिला कांग्रेस कार्यकर्ता ने वार्ड नम्बर 10 में केट कटिंग का कार्यक्रम रखा गया। इसके अलावा सांसद राहुल कस्वां व राजस्थान प्रदेश कांग्रेस कमेटी उपाध्यक्ष रफीक मंडेलिया के जन्मदिवस पर चूरू विधानसभा क्षेत्र के गांवो व वार्डो में विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। इस अवसर पर पीसीसी सचिव रियाजत खान, शहर ब्लॉक अध्यक्ष असलम खोखर, देहात ब्लॉक अध्यक्ष किशोर धान्धू, पूर्व सभापति गोविन्द महनसरिया, किसान नेता आदूराम न्यौल, कमला पुनिया, आशाराम सैनी, जिला उपाध्यक्ष जमील चौहान, नारायण बालाण, अबरार खां, सीताराम खटीक, अली मोहम्मद भाटी, विधाधर मेघवाल, विनोद खटीक, रामप्रताप कांटिवाल, असलम खां मोयल, आरिफ रिसालदार, योगेश ढाका, प्यारेलाल दानोदिया, अनिस खां, श्रवण बसेर, आबिद जाबासरिया, सोहनलाल मेघवाल, तोफिक खान, रामेश्वर नायक, शाहरूख खान, एडवोकेट अनिस खान, महबूब खान, समीउल्लाह गौरी, घनश्याम अलवरिया, आसिफ निर्बाण, सलीम पीए, सहित सैकडो कांग्रेस कार्यकर्ता व ग्रामीण व वार्डवासी मौजुद रहें।

सवाई माधोपुर स्थापना दिवस की सांस्कृतिक संध्या में उत्साह चरम पर रहा

-'रणथम्भौर रागा म्यूजिकल नाइट' में सूफी गायक पद्मश्री कैलाश खेर के सुरों पर 15 हजार लोग झूमे

सवाई माधोपुर (रॉयल पत्रिका)। सवाई माधोपुर के 263वें स्थापना दिवस समारोह के अवसर पर सोमवार रात आयोजित 'रणथम्भौर रागा म्यूजिकल नाइट' में 15 हजार से अधिक दर्शकों का उल्लास और उत्साह चरम पर रहा। देश-दुनिया के सुप्रसिद्ध गायक-संगीतकार पदमश्री कैलाश खेर द्वारा सजाई गई सुरों कि महफिल में सवाई माधोपुर और आस-पास के जिलों के युवाओं सहित बड़ी संख्या में महिलाओं और बुजुर्गों ने भी गीत-संगीत के सागर में डुबकी लगाई। इस आयोजन के मुख्य अतिथि कृषि एवं उद्यानिकी, ग्रामीण विकास, आपदा प्रबन्धन मंत्री डॉ. किरोड़ी लाल मीणा रहे। सांस्कृतिक संध्या अपने शिखर पर उस समय पहुंची, जब जिला मुख्यालय के दशहरा मैदान में कैलाश खेर ने अपनी जादुई आवाज़ से जनसैलाब को मंत्रमुग्ध कर दिया। उपस्थित भीड़ में मौजूद युवा, महिलाएं और बुजुर्ग दर्शक तक देर रात तक सुर-ताल और भक्ति-भाव में डूबे और नाचते-गाते रहे। एक समय ऐसा लगा मानो पूरा शहर एक साथ संगीत का उत्सव मनाने उमड़ आया हो। इस गीत संगीत कार्यक्रम की शुरुआत सवाई माधोपुर की गौरवशाली विरासत, प्राकृतिक सौंदर्य और रणथम्भौर

की पहचान को दर्शाने वाले विशेष वीडियो प्रेज़ेंटेशन से हुई, जिसने दर्शकों को भावनात्मक रूप से जोड़ दिया। इसके बाद मंच पर कैलाश खेर के आगमन के साथ ही वातावरण तालियों और जयकारों से गूंज उठा। कैलाश खेर ने भक्ति और सूफियाना रंग में डूबी अपनी प्रस्तुति की शुरुआत करते हुए "मैं तो तेरे प्यार में दीवाना हो गया", "जाना जोगी दे नाल वे" जैसे गीतों से समां बांध दिया। इसके बाद उन्होंने "बगड़ बम बम", "तेरी दीवानी", "अल्लाह के बंदे", "यूं ही चला चल राही", "कौन है वो", "जय जयकारा" सहित अनेक लोकप्रिय गीतों की प्रस्तुति दी। डमरू के साथ प्रस्तुत "बगड़ बम बम" पर ऐसा प्रतीत हुआ मानो पूरा मैदान शिवभक्ति में लीन हो गया हो। कार्यक्रम के दौरान लोग अपने स्थान पर थिरकते रहे। कैलाश खैर ने कुछ दर्शकों को मंच पर चढ़कर नृत्य करने के लिए भी आमंत्रित किया। उन्होंने अपने प्रशंसकों को बार बार उनके साथ नाचने और गाने के लिए आह्वान किया। बड़ी संख्या में युवा दर्शकों ने मंच के समीप झूमते नाचते-गाते हुए इस यादगार पल को मोबाइल कैमरों में कैद किया। कार्यक्रम के दौरान राज्य के कृषि मंत्री डॉ. मीणा ने मंच पर पहुंचकर कैलाश खेर को सम्मानित किया। उन्होंने कहा कि इस प्रकार के सांस्कृतिक आयोजनों से न केवल स्थानीय प्रतिभाओं को प्रेरणा मिलती है, बल्कि जिले की राष्ट्रीय स्तर पर पहचान अधिक सुदृढ़ होती है।

इस संगीतमय संध्या में जिला कलक्टर काना राम, पुलिस अधीक्षक अनिल कुमार, मुख्य कार्यकारी अधिकारी गौरव बुडानिया, अन्य प्रशासनिक अधिकारी, जनप्रतिनिधि भी सपरिवार उपस्थित रहे। प्रशासनिक अधिकारी संगीत के प्रवाह में स्वयं को रोक नहीं सके और कलाकारों का तालियां बजाकर उत्साहवर्धन करते रहे। पूरा वातावरण उल्लास, उमंग और सामूहिक आनंद से भर उठा। कैलाश खेर ने मंच से सवाई माधोपुर की सराहना करते हुए कहा कि यह भूमि इतिहास, प्रकृति और आध्यात्मिक चेतना का अद्त संगम है। उन्होंने दर्शकों को "प्रशंसकों की बजाय परिवार" बताते हुए खुलकर उत्सव मनाने का आह्वान किया। उन्होंने राज्य सरकार के कृषि विभाग और जिला प्रशासन द्वारा आयोजित अमरूद महोत्सव को अनूठी पहल बताते हुए इसकी प्रशंसा की। कार्यक्रम के समापन पर भव्य आतिशबाजी की गई, जिसने आकाश को रंगीन रोशनी से भर दिया और स्थापना दिवस समारोह को एक यादगार दृश्य के साथ विराम दिया।

कौशल दक्षता प्रदर्शनी का समापन व फॉयर एंड सेफ्टी प्रशिक्षण का प्रारम्भ

बारां (रॉयल पत्रिका)। औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान झालावाड़ रोड में 12 से 19 जनवरी तक राष्ट्रीय युवा सप्ताह एवं कौशल दक्षता प्रदर्शनी का आयोजन किया गया। जिसका विभिन्न स्कूलों के छात्र-छात्राएं, अध्यापक व गणमान्य लोगों ने अवलोकन किया। उपनिदेशक महेश कुमार ने बताया कि इस दौरान सप्ताह भर आयोजित विभिन्न खेलकूद स्पर्धा के विजेता, उपविजेता प्रशिणार्थियों को प्रशस्ति पत्र दिए गए। वहीं चम्बल फ़र्टिलाइज़र एण्ड केमिकल्स लिमिटेड द्वारा अनुरक्षित राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान में मंगलवार से 24 जनवरी तक चलने वाला फायर एण्ड सैफ्टी प्रशिक्षण प्रारंभ किया गया है। उन्होंने बताया कि यह प्रशिक्षण प्रतिवर्ष सीएफसीएल द्वारा छात्र -छात्राओं को प्रदान किया जाता है। यह प्रशिक्षण सेफ्टी व्हील के दक्ष प्रशिक्षक राकेश कुमार द्वारा दिया जा रहा है ।

हाड़ौती केसरी दंगल कुश्ती प्रतियोगिता में आमापीर अखाड़े के पहलवान अल्तमश ने जीता सिल्वर मैडल

बारां (रॉयल पत्रिका)। हाड़ौती केसरी कुश्ती दंगल प्रतियोगिता रविवार 18 जनवरी 2026 को महाबली व्यायाम शाला बोट के बालाजी बैराज रोड कोटा में संपन्न हुई। जिसमें हाड़ौती संभाग के कई पहलवानों ने हिस्सा लिया। बारां शहर से आमापीर अखाड़े के होनहार पहलवान अलतमश खान ने 55 किलोग्राम भार वर्ग में द्वितीय स्थान प्राप्त कर सिल्वर मेडल प्राप्त कर अखाड़े और उस्तादों का नाम रोशन किया। मेडल जीत कर

लौटने पर सोमवार 19 जनवरी को आमापीर अखाड़े में पहुंचने पर अखाड़ा समिति की और से पहलवान अल्तमश खान का माला पहनाकर मुंह मीठा करवाकर इस्तकबाल किया गया। जिसमें अखाड़े के उस्ताद और सीनियर, जूनियर पहलवान उपस्थित रहे।

मारवाड़ जंक्शन में 'बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ' योजना अंतर्गत शिक्षा, स्वास्थ्य व सुरक्षा पर जागरूकता कार्यशाला आयोजित

पाली (रॉयल पत्रिका)। महिला अधिकारिता विभाग के उपनिदेशक भागीरथ के निर्देशानुसार मंगलवार को राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय, मारवाड़ जंक्शन में बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ योजना के अंतर्गत "बेटियों का सम्मान, देश का स्वाभिमान" थीम पर शिक्षा, स्वास्थ्य एवं सुरक्षा विषयक जागरूकता कार्यशाला का सफल आयोजन किया गया। कार्यशाला का संयोजन जिला हब एम्पावरमेंट ऑफ विमेन की जेंडर स्पेशलिस्ट राजश्री द्वारा किया गया। इस दौरान बालिकाओं की शिक्षा, स्वास्थ्य एवं सुरक्षा से जुड़े विभिन्न पहलुओं पर विस्तार से चर्चा की गई। प्रतिभागियों को महिला अधिकारिता विभाग द्वारा संचालित प्रमुख योजनाओं की जानकारी दी गई, जिनका उद्देश्य महिलाओं एवं बालिकाओं को आर्थिक, शैक्षिक एवं सामाजिक रूप से सशक्त बनाना है। कार्यशाला में प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना, लाडो प्रोत्साहन योजना, नारी शक्ति उद्यम प्रोत्साहन योजना तथा

काली बाई भील शिक्षा सेतु योजना की विस्तृत जानकारी प्रदान की गई। इन योजनाओं के माध्यम से बालिकाओं को उनके अधिकारों से अवगत कराते हुए योजनाओं का लाभ उठाने के लिए प्रेरित किया गया। जेंडर स्पेशलिस्ट राजश्री ने बताया कि ये योजनाएं महिलाओं एवं बालिकाओं को आत्मनिर्भर बनाने के साथ-साथ शिक्षा एवं स्वास्थ्य के क्षेत्र में सशक्त आधार प्रदान करती हैं तथा ऐसी कार्यशालाएं जिले में लिंग समानता को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगी। सुपरवाइजर करीना ने कार्यशाला की सराहना करते हुए कहा कि विद्यालय स्तर पर इस प्रकार के आयोजन बालिकाओं के सर्वांगीण विकास में मील का पत्थर साबित होंगे। यह न केवल जागरूकता बढ़ाते हैं, बल्कि भविष्य की नेतृत्वकर्ता बालिकाओं को भी तैयार करते हैं। यह कार्यशाला जिले में संचालित बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ अभियान को नई गति देने वाली एक सार्थक पहल रही, जिससे बालिकाओं को उनके मौलिक अधिकारों के प्रति जागरूक किया गया तथा सरकारी योजनाओं का लाभ लेने के लिए प्रोत्साहित किया गया। इस अवसर पर महिला अधिकारिता विभाग की सुपरवाइजर करीना, महिला सुपरवाइजर कमला शर्मा, गीता, सुनीता, प्रियंका, सुनेना, कुसुम (सहायक प्रशासनिक अधिकारी), धापू देवी, मीरा (एएनएम) सहित विद्यालय की प्राचार्या एवं कुल 90 बालिकाएं उपस्थित रहीं।

कागज पर हिंदी में लिख दो तो गीता हो जाती है और अरबी में लिख दो कुरान हो जाती है: डॉ. यादवेन्द्र

बारां (रॉयल पत्रिका) । हमारा जन्म एक ऐसे बच्चे के रूप में होता है जो खाली कागज के समान होता है। इस कागज पर हिंदी में लिख दो तो गीता हो जाती है और अरबी में लिख दो कुरान हो जाती है, बच्चा तो इंसान ही होता है उसे हिन्द और मुसलमान हम बनाते हैं।" ये विचार अंतर्राष्ट्रीय हास्य कवि डॉ. सुरेन्द्र यादवेन्द्र ने भारतीय सांस्कृतिक निधि वराह नगरी बारां अध्याय द्वारा युवा मण्डल संस्थान और अखिल भारतीय साहित्य परिषद बारां के सहयोग से आयोजित काव्य और विचार गोष्ठी में मुख्य अतिथि पद से व्यक्त किए। "साम्प्रदायिक सद्भावना" विषय पर आयोजित विमर्श और विवेचना के इस कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए वरिष्ठ शायर रईस फैजी ने कहा कि "अंतर्राष्ट्रीय समन्वयी सन्त सिद्दीक बाबा द्वारा समाज में एकात्म,सद्भावना और भाईचारे के जो बीज बोए हैं, वे आज के समय में सबसे ज्यादा प्रासंगिक है।उनकी गंगा जमुनी तहजीब आज के समय की

सबसे बड़ी जरूरत है।" नववर्ष एवं मकर संक्रांति के अवसर पर साम्प्रदायिक सद्भावना को सुदृढ़ करने के उद्देश्य से आयोजित इस कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्वलन के साथ हुआ। गोष्ठी में वक्ताओं एवं कवियों ने विचारों और रचनाओं के माध्यम से भारतीय संस्कृति की मूल भावना वसुधैव कुटुम्बकम् को रेखांकित करते हुए आपसी भाईचारे, प्रेम, सौहार्द एवं सामाजिक समरसता का संदेश दिया। काव्य पाठ के दौरान रजा बारानवी, डॉ. सुरेन्द्र यादवेन्द्र, भैरू लाल भास्कर, सूरजमल मियाडा, रईस फैजी, जितेन्द्र शर्मा पम्मी ने प्रस्तुतियां दी। वरिष्ठ कवि भैरूलाल भास्कर और अनिल जोशी ने धन्यवाद ज्ञापित किया। विचार गोष्ठी में वक्ताओं ने कहा कि वर्तमान समय में साम्प्रदायिक सद्भावना समाज की सबसे बड़ी आवश्यकता है। ऐसे आयोजनों से विभिन्न वर्गों के बीच संवाद बढ़ता है और सामाजिक सौहार्द को नई दिशा मिलती है। नववर्ष और मकर संक्रांति जैसे पर्व हमें सकारात्मक सोच, मेल-मिलाप और समरसता का संदेश देते हैं। आयोजकों ने भविष्य में भी इस प्रकार के रचनात्मक एवं सामाजिक सरोकारों से जुड़े कार्यक्रम आयोजित करने का संकल्प व्यक्त किया।

कार जागरूकता रैली के माध्यम से सड़क सुरक्षा का दिया संदेश

बारां (रॉयल पत्रिका)। राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा माह 2026 के अंतर्गत जिला सड़क सुरक्षा समिति, बारां द्वारा मंगलवार को जिला कलेक्ट्रेट परिसर से कार जागरूकता रैली का आयोजन किया गया। रैली को जिला कलक्टर रोहिताश्व सिंह तोमर ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इस अवसर पर पुलिस अधीक्षक अभिषेक अंदासु, पुलिस उप अधीक्षक राजेश चौधरी, जिला परिवहन अधिकारी डॉ. कल्पना शर्मा, जिला चिकित्सा अधिकारी डॉ. संजीव सक्सेना सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे। रैली के माध्यम से आमजन को सड़क सुरक्षा नियमों के पालन, सुरक्षित वाहन संचालन एवं यातायात अनुशासन के प्रति जागरूक किया गया। सड़क सुरक्षा के संदेश के साथ निकली यह रैली कलेक्ट्रेट परिसर से प्रारंभ होकर विवेकानंद सर्किल, चारमूर्ति चौराहा, प्रताप चौक, धर्मादा चौराहा होते हुए डोल मेला ग्राउंड में संपन्न हुई। रैली में परिवहन विभाग के सभी सदस्य, जिला सड़क सुरक्षा समिति के सदस्य तथा एनजीओ सदस्य हरीश कुमार सहित अन्य स्वयंसेवी संस्थाओं के प्रतिनिधि शामिल रहे। जिला प्रशासन ने आमजन से अपील की कि वे हेलमेट, सीट बेल्ट का अनिवार्य उपयोग करें, निर्धारित गति सीमा का पालन करें तथा यातायात नियमों का पालन कर स्वयं एवं दूसरों की सुरक्षा सुनिश्चित करें।

भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष के निर्वाचन पर जिले भर में हर्ष, कार्यकर्ताओं ने मनाया उत्सव

शब्बीर हुसैन

बारां (रॉयल पत्रिका) । भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष के निर्वाचन प्रक्रिया में नितिन नबीन को सर्वसम्मति से राष्ट्रीय अध्यक्ष बनाए जाने पर पूरे देश सहित जिले भर में हर्ष एवं उल्लास का वातावरण देखने को मिला। भाजपा जिला अध्यक्ष नरेश सिंह सिकरवार के निर्देशानुसार जिले के भाजपा के सभी बीस मंडलों में कार्यकर्ताओं एवं पदाधिकारियों द्वारा आतिशबाजी कर एवं मिठाइयाँ बाँटकर खुशी व्यक्त की गई। नितिन नबीन का राष्ट्रीय अध्यक्ष के दायित्व पर निर्वाचन होने पर भाजपा जिला अध्यक्ष नरेश सिंह सिकरवार ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी में राष्ट्रीय अध्यक्ष का चुनाव पूरी पारदर्शिता, सुचिता एवं लोकतांत्रिक प्रक्रिया के तहत किया जाता है। भाजपा में किसी भी प्रकार का परिवारवाद नहीं चलता, बल्कि कार्यकर्ता की योग्यता, निष्ठा और संगठन के प्रति समर्पण के आधार पर नेतृत्व का चयन होता है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि नितिन नबीन के राष्ट्रीय अध्यक्ष बनने से संगठन को और अधिक मजबूती मिलेगी तथा पार्टी नई ऊँचाइयों को प्राप्त करेगी। वहीं बारां शहर में भाजपा शहर अध्यक्ष ओ.पी. पारेता की अगुवाई में कोटा

रोड स्थित सांसद कार्यालय पर कार्यकर्ताओं द्वारा आतिशबाजी कर एवं मिठाई बाँटकर हर्ष व्यक्त किया गया। इस अवसर पर भाजपा के जिला महामंत्री महावीर सिंह हाड़ा, जिला उपाध्यक्ष जयेश गालव, मुकेश केरवालिया उप जिला प्रमुख छीतरलाल पारलिया, प्रधान मोरपाल सुमन मंडी व्यापार संघ अध्यक्ष मनीष लश्करी,की गरिमामयी उपस्थिति रही। भाजपा जिला प्रवक्ता योगेश राजोरा ने मीडिया को जानकारी देते हुए बताया कि विश्व की सबसे बड़ी राजनीतिक पार्टी भारतीय जनता पार्टी में राष्ट्रीय अध्यक्ष का चुनाव पूरी सहमति एवं अनुशासित वातावरण में संपन्न हुआ। भाजपा में किसी प्रकार की कोई उठा-पटक या विवाद नहीं हुआ, जबकि अन्य राजनीतिक दलों में अधिकतर चुनाव परिवारवाद के इर्द-गिर्द सिमटे रहते हैं। उन्होंने कहा कि भाजपा का यह लोकतांत्रिक एवं पारदर्शी चरित्र ही उसे अन्य दलों से अलग और मजबूत बनाता है अतिशबाजी के दोरान जिला प्रवक्ता भानु प्रताप रहलाई, मोना जैन, प्रकोष्ट सह संयोजक भगवती बैरवा, सोशल मीडिया से रेखा मेहता, श्वेता अदलखा, धीरेंद्र नागर, पुनीत माहेश्वरी, जिला परिषद सदस्य जगदीश मेघवाल, अनुराग सिंह हाड़ा, धर्मेंद्र भार्गव, निशांत तिवारी, विद्यारतन जयंत, योगेश गोढ़, रितेश पंजाबी, धनराज शर्मा, हेमंत मीणा रजपाली, मयंक तिवारी, चोथमल नागर, रमेश मीणा, सत्येंद्र गोतम, भवानी मेहरा, वंश प्रताप, भारत जैन, डॉ. महेश यादव, विजय पीपलानी, हंसू गुर्जर, विजेंद्र नागर, मनोज प्रजापति, रामावतार मीणा, अजय यादव, नीरज विजय सहित बड़ी संख्या मे कार्यकर्ता मौजूद रहे।

राजस्थान वानिकी एवं जैव विविधता विकास परियोजना के अंतर्गत एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का सफल आयोजन

सवाई माधोपुर (रॉयल पत्रिका)। राजस्थान वन विभाग तथा फ्रांस सरकार के सहयोग से संचालित राजस्थान वानिकी एवं जैव विविधता विकास परियोजना के अंतर्गत सवाई माधोपुर जिले में एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में कुल 65 प्रतिभागियों ने भाग लिया, जिनमें क्षेत्रीय वन कर्मी- रेंजर, फॉरेस्टर, फॉरेस्ट गार्ड तथा ग्राम वन सुरक्षा एवं प्रबंधन समिति एवं परिस्थिकी विकास समिति और पीएफटी के सदस्य सम्मिलित थे। प्रशिक्षण का मुख्य उद्देश्य प्रतिभागियों को पर्यावरण एवं सामाजिक प्रबंधन प्रणाली, लैंगिक समानता एवं भौगोलिक सुचना प्रणाली आदि विषयों पर प्रतिभागियों को प्रशिक्षित करना था। कार्यक्रम में मानस सिंह, उपवन संरक्षक एवं उप क्षेत्र निदेशक, रणथम्भौर बाघ परियोजना, सवाइमाधोपुर ने प्रतिभागियों को मार्गदर्शन दिया। उन्होंने कहा कि इस प्रकार के प्रशिक्षण कार्यक्रमों का नियमित आयोजन आवश्यक है, जिससे वन विभाग के फील्ड स्टाफ और ग्रामस्तरीय समितियों की क्षमता में निरंतर वृद्धि होती है। परियोजना के विषय विशेषज्ञ मनीषा

जानी, डॉ. आशीष अंथवाल एवं सुमित माहेश्वरी द्वारा विभिन्न प्रशिक्षण सत्रों का संचालन किया गया। फॉरेस्ट फील्ड स्टाफ ने जीपीएस बेस्ड मोबाइल मैपिंग एप्लीकेशन पर प्रक्षिशण प्राप्त किया साथ ही जीआईएस तकनीक के विषय विस्तृत में जानकारी प्राप्त करी। प्रशिक्षण में भाग लेने वाले प्रतिभागियों ने इसे प्रभावी और ज्ञानवर्धक बताया। उन्होंने आर.एफ. बी.डी.पी. परियोजना और उसके विभिन्न घटकों को अच्छी तरह समझा। प्रशिक्षण अत्यंत उपयोगी रहा, और प्रतिभागियों ने सुझाव दिया कि इस प्रकार के प्रशिक्षण कार्यक्रमों का नियमित रूप से आयोजन किया जाना चाहिए।

राजस्थान आईटी लीग 2026: झुंझुनू आईटी स्टार्स ने पहले ही मैच में शानदार जीत दर्ज की

-कपिल झाझड़िया का विस्फोटक शतक, डीग वॉरियर्स को 148 रन से हराया — बने मैन ऑफ द मैच

झुंझुनू (रॉयल पत्रिका)। सूचना प्रौद्योगिकी एवं संचार विभाग के तत्वावधान में 17 जनवरी से 26 जनवरी तक जयपुर में आयोजित हो रही राजस्थान आईटी लीग 2026 में झुंझुनू आईटी स्टार्स ने शानदार आगाज़ करते हुए अपने पहले ही मुकाबले में डीग वॉरियर्स को 148 रन से करारी शिकस्त दी। टॉस जीतकर पहले बल्लेबाज़ी करते हुए झुंझुनू आईटी स्टार्स ने निर्धारित 20 ओवर में 8 विकेट के नुकसान पर 272 रन का विशाल स्कोर खड़ा किया। टीम की ओर से कपिल झाझड़िया ने मात्र 41 गेंदों पर 104 रन की विस्फोटक शतकीय पारी खेली, जबकि विकास गुर्जर ने 63 रन और विकास सैनी ने 41 रन का महत्वपूर्ण योगदान दिया।

लक्ष्य का पीछा करने उतरी डीग वॉरियर्स की टीम दबाव में बिखर गई और 20 ओवर में 8 विकेट खोकर मात्र 124 रन ही बना सकी। गेंदबाज़ी में प्रमोद कुमार ने 2 विकेट लेकर टीम की जीत में अहम भूमिका निभाई। झुंझुनूं आईटी यूनियन के जिला अध्यक्ष वेद प्रकाश ने जानकारी देते हुए बताया कि झुंझुनू आईटी स्टार्स टीम में मनोज पुनिया (कप्तान), प्रमोद कुमार, दीपक बाबल, कपिल झाझड़िया, अजीत धायल, चंद्रशेखर, विकास सैनी, राकेश डांगी, राकेश कुमार, दिलीप ओलखा, आनंद कुमार, जोगेंद्र सिंह, संदीप सैनी एवं विकास गुर्जर शामिल हैं। टीम की इस शानदार जीत पर खेल प्रेमियों एवं आईटी कर्मचारियों में उत्साह का माहौल है।

मानसिक स्वास्थ्य के संबंध में जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन

सवाई माधोपुर (रॉयल पत्रिका)। राजस्थान राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण जयपुर के निर्देशानुसार सोमवार को जिला विधिक सेवा प्राधिकरण सचिव समीक्षा गौतम द्वारा राजकीय सामान्य चिकित्सालय के सभागार में मानसिक स्वास्थ्य के संबंध में विधिक जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

आयोजित कार्यक्रम में सचिव समीक्षा गौतम द्वारा उपस्थित नर्सिंग स्टूडेंट्स को नालसा (मानसिक रूप से बीमार एवं बौद्धिक रूप से असक्षम व्यक्तियों को विधिक सेवाएं) योजना 2024 के प्रावधानों, मानसिक स्वास्थ्य को प्रभावित करने वाले कारकों, कार्यस्थल पर अच्छे मानसिक स्वास्थ्य के महत्व, कार्यस्थल पर मानसिक स्वास्थ्य को बढ़ावा देने के तरीकों जैसे मनोसामाजिक जोखिमों का प्रबंधन, मानसिक स्वास्थ्य सेवाओं तक पहुंच, कार्यस्थल पर कर्मचारियों में आपसी मेलजोल एवं उनकी सक्रिय भागीदारी आदि के संबंध

में जानकारी प्रदान की गई।

इस दौरान मनोचिकित्सक डॉ. गौरव चंद्रवंशी द्वारा मानसिक रोग के लक्षण एवं इससे बचाव के उपाय के बारे में जानकारी दी गई। मनोचिकित्सक डॉ. गौरव चंद्रवंशी ने बताया कि आज हर घर में कोई ना कोई किसी ना किसी कारण तनाव में हैं। तनाव में रहने से मानसिक समस्या बहुत साधारण स्तर से शुरू होकर बाद में जटिल मानसिक रोग/पागलपन का रूप ले लेती है। ऐसी समस्याओं को प्राथमिक स्तर पर काउंसलिग या योग के माध्यम से आसानी से दूर किया जा सकता है। मानसिक रोगों से बचने के लिए हमें जीवन-शैली में सुधार लाने और नियमित रूप से योग को अपनाने की जरूरत है। इस दौरान डॉ. एस.एन. अग्रवाल प्रमुख चिकित्सा अधिकारी सामान्य चिकित्सालय सवाई माधोपुर, सिंधु औषधी नियंत्रक अधिकारी सवाई माधोपुर, नंद किशोर वर्मा पैनल अधिवक्ता, अक्षय राजावत, सहायक लीगल एड डिफेन्स कांउसिल सवाई माधोपुर व अन्य सामान्य चिकित्सालय के कर्मचारीगण उपस्थित रहे। साथ ही पैनल अधिवक्ता, अधिकार मित्रगण द्वारा सामान्य चिकित्सालय में स्थित ट्रोमा सेन्टर व जनरल वार्ड में भर्ती मरीजों से संपर्क स्थापित किया जाकर दुर्घटना के संबंध में विधिक जानकारी प्रदान की जाकर मरीजों को प्रथम सूचना रिपोर्ट दर्ज करवाये जाने की प्रक्रिया से अवगत करवाया गया। इस दौरान पैनल अधिवक्ता, असिस्टेंट लीगल एड डिफेंस काउंसिल एवं अधिकार मित्रों द्वारा न्याय आपके द्वार अभियान के तहत 10, एफआईआर दर्ज करवाने के संबंध में 8 एवं यूडीआईडी कार्ड बनवाने के संबंध में 3 एवं पेंशन चालू करवाने के संबंध में 1 आवेदन प्राप्त किए गए।

भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष निर्वाचित होने पर पाली में हर्षोल्लास के साथ मिठाई बांटी व आतिशबाज़ी की

पाली (रॉयल पत्रिका)। भारतीय जनता पार्टी के नितिन नबीन के भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष निर्वाचित होने के उपलक्ष्य में सोमवार सायं पाली शहर में हर्षोल्लास के साथ उत्सव मनाया गया। इस अवसर पर सूरजपाल चौराहा पर भाजपा कार्यकर्ताओं द्वारा मिठाई खिलाकर एवं आतिशबाज़ी के साथ खुशी का इज़हार किया गया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में भाजपा पदाधिकारी, कार्यकर्ता एवं शहरवासी उपस्थित रहे। सभी ने एक-दूसरे को मिठाई खिलाकर शुभकामनाएं दीं और पार्टी नेतृत्व के प्रति आभार व्यक्त किया।

इस अवसर पर जिलाध्यक्ष सुनील भंडारी, पूर्व विधायक ज्ञानचंद पारख, प्रधान प्रतिनिधि पुखराज पटेल, जिला प्रवक्ता त्रिलोक चौधरी, जिला महामंत्री नारायण कुमावत, देवीलाल मेघवाल, मंडल अध्यक्ष सुरेश पंवार, गोपाल बंजारा, गुमान सिंह रावत, रमेश परिहार, गणपत मेघवाल एवं नरपत दवे सहित अनेक वरिष्ठ पदाधिकारी व कार्यकर्ता उपस्थित रहे। सभी वक्ताओं ने नितिन नबीन के नेतृत्व पर विश्वास व्यक्त करते हुए कहा कि उनके राष्ट्रीय अध्यक्ष बनने से संगठन को नई दिशा एवं ऊर्जा मिलेगी। कार्यक्रम का समापन राष्ट्रहित एवं संगठन की मजबूती के संकल्प के साथ किया गया।

क्रिस्टल डिसूजा

का ब्रेकअप के बाद छलका दर्द

जो मुझे नीचा दिखाए उससे अच्छा है अकेले रहो

टीवी हो या बॉलीवुड इंडस्ट्री यहां आए दिन रिश्ते बनते और बिगड़ते रहते हैं। कब किसको किससे प्यार हो जाए और कब किसका ब्रेकअप हो जाए ये तो कोई भी नहीं जानता है। ऐसा ही कुछ धुरंधर फेम इस एक्ट्रेस के संग भी हुआ है। कुछ वक्त पहले ही उनका ब्रेकअप हुए है। अब हाल ही में उन्होंने ब्रेकअप के पीछे की वजह का खुलासा किया। इसके पीछे एक्ट्रेस का छुपा हुआ दर्द भी देखने को मिला। ये हसीना कोई और नहीं बल्कि धुरंधर फिल्म के सॉन्ग शरारत से लोगों के दिलों पर छाने वाली क्रिस्टल डिसूजा हैं. इन दिनों उनके डांस मूव्स की हर तरफ चर्चा हो रही है। ये हसीना कोई और नहीं बल्कि धुरंधर फिल्म के सॉन्ग शरारत से लोगों के दिलों पर छाने वाली क्रिस्टल डिसूजा हैं। इन दिनों उनके डांस मूव्स की हर तरफ चर्चा हो रही है। क्रिस्टल ने हाल ही में फिल्मीबीट से बात करते हुए अपनी लव लाइफ और करियर के बारे में खुलकर बात की। उनसे पूछा गया कि आपकी नजरों में प्यार की क्या परिभाषा है। तो उन्होंने शानदार जवाब दिया। क्रिस्टल डिसूजा कहती हैं कि उनके लिए तीन चीजें काफी मायने रखती हैं। ईमानदारी, वफादारी और कैम्पैनियनशिप। अगर ये तीन चीजें नहीं है तो उसका मतलब प्यार नहीं है। क्रिस्टल ने कहा कि आज के वक्त में ये तीनों चीजें एक शख्स में मिलनी मुश्किल है। लेकिन, जब ये तीनों चीजें साथ आती हैं तभी प्यार हो सकता है। एक्ट्रेस ने कहा कि आज के वक्त में ये संभव नहीं है।इसलिए मैं हैप्पली सिंगल हूं। उन्होंने कहा कि वो किसी गलत शख्स के संग रहने से बेहतर अकेले रहना चाहेंगी।

मिनिषा लांबा

माता-पिता के सपोर्ट से फिल्मों में रखा कदम

रणबीर कपूर की फिल्म 'बचना ए हसीनों' से प्रसिद्धि पाने वाली एक्ट्रेस मिनिषा लांबा बिग बॉस 8 का हिस्सा रह चुकी हैं। वह लंबे समय से फिल्मी दुनिया से दूर हैं लेकिन थिएटर के जरिए आज भी अपने सपनों को जी रही हैं। अभिनेत्री ने कभी नहीं सोचा था कि वे हिंदी सिनेमा में काम करेंगी, क्योंकि उनकी हिंदी बिल्कुल भी अच्छी नहीं थी, लेकिन अपने माता-पिता की वजह से उन्होंने अपना फैसला बदल लिया। मिनिषा लांबा को अपना पहला ब्रेक 'कैडबरी' की चॉकलेट ऐड की वजह से मिला। अभिनेत्री कॉलेज के दिनों में पढ़ाई के साथ-साथ मॉडलिंग और ऐड किया करती थीं, लेकिन फिल्मों में जाने का कोई इरादा नहीं था, लेकिन कैडबरी का विज्ञापन करने के बाद डायरेक्टर सुजित सरकार ने उनकी जिंदगी बदल दी। सुजित को अभिनेत्री की एक्टिंग भा गई और उन्होंने साल 2005 में आई फिल्म 'यहां' के लिए उन्हें अप्रोच किया। वहीं सुजित सरकार ठान चुके थे कि उन्हें फिल्म में बतौर लीड एक्ट्रेस मिनिषा ही चाहिए। फिर क्या था, उन्होंने खुद जाकर अभिनेत्री के माता-पिता से बात की और उन्हें फिल्म के लिए मनाया।

बिटकॉइन घोटाला मामले में कोर्ट ने राज कुंद्रा को जारी किया समन

मुंबई की एक विशेष पीएमएलए कोर्ट ने बिटकॉइन घोटाले में कारोबारी राज कुंद्रा को समन जारी किया है। अदालत ने प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) द्वारा दाखिल चार्जशीट का संज्ञान लेते हुए यह कार्रवाई की है। इसी मामले में दुबई स्थित कारोबारी राजेश सतीजा को भी समन जारी किया गया है। दोनों आरोपियों को अदालत में उपस्थित होने के लिए निर्देश दिया गया है। ईडी ने सितंबर 2025 में पीएमएलए के तहत दर्ज मामलों की विशेष कोर्ट में सप्लीमेंट्री चार्जशीट दाखिल कर राज कुंद्रा और राजेश सतीजा को आरोपी बनाया था। जांच एजेंसी के अनुसार, कुख्यात गेन बिटकॉइन पोंजी घोटाले के मास्टरमाइंड और प्रमोटर अमित भारद्वाज ने राज कुंद्रा को यूक्रेन में बिटकॉइन माइनिंग फार्म स्थापित करने के लिए 285 बिटकॉइन दिए थे। हालांकि यह सौदा पूरा नहीं हो सका, लेकिन ईडी का दावा है कि 285 बिटकॉइन अब भी राज कुंद्रा के पास मौजूद हैं, जिनकी मौजूदा कीमत 150 करोड़ रुपए से अधिक बताई जा रही है। चार्जशीट में यह भी कहा गया है कि कुंद्रा ने इस लेनदेन में केवल मध्यस्थ होने का दावा किया, लेकिन इसके समर्थन में कोई ठोस दस्तावेज पेश नहीं कर सके। ईडी ने बताया कि 'टर्म शीट' नामक समझौता राज कुंद्रा और महेंद्र भारद्वाज के बीच हुआ था, जिससे यह साफ होता है कि असली समझौता राज कुंद्रा और अमित भारद्वाज के बीच ही था। चार्जशीट में कहा गया है कि कुंद्रा का केवल मध्यस्थ होने का दावा मान्य नहीं है। जांच एजेंसी का कहना है कि लेनदेन को सात साल से अधिक समय बीत जाने के बावजूद राज कुंद्रा को पांच अलग-अलग किस्तों में मिले बिटकॉइन की सही संख्या याद है।

दो दीवाने सहर में' टीज़र आउट

मृणाल ठाकुर और सिद्धांत चतुर्वेदी स्टारर यह है एक खूबसूरत मॉडर्न लव स्टोरी

ज़ी स्टूडियोज़ और भंसाली प्रोडक्शंस की आने वाली फिल्म दो दीवाने सहर में का फर्स्ट लुक बेहद अनोखे अंदाज़ में सामने आने के बाद अब इस वन-ऑफ-ए-काइंड रोमांटिक ड्रामा का टीज़र भी रिलीज़ हो गया है। यह कहानी एक ऐसे प्यार की झलक देती है जो बिल्कुल रियल है, सरप्राइज़ से भरा हुआ है और सीधे दिल को छू जाता है। जहां फर्स्ट लुक ने दो इम्परफेक्ट लोगों के बीच परफेक्ट प्यार का सपना दिखाया था, वहीं टीज़र एक मॉडर्न रोमांस का वादा करता है, जो किसी ऐसी याद जैसा महसूस होता है जिसे आप जाने-अनजाने अब तक संभाले हुए थे। मृणाल ठाकुर और सिद्धांत चतुर्वेदी स्टारर दो दीवाने सहर में को लेकर बढ़ती एक्साइटमेंट के बीच आखिरकार इसका टीज़र रिलीज़ हो गया है। पहली ही फ्रेम से रियल रोमांस की फील पकड़ता यह टीज़र लगभग-प्यार, प्यार के शायदों और उससे जुड़े अनगिनत संभावनाओं के सफर पर ले जाता है। टीज़र को और भी खास बनाता है मेकर्स का वह ऑथेंटिक टच, जिसमें आइकॉनिक गाना 'दो दीवाने सहर में' को परफेक्ट बैकड्रॉप के तौर पर इस्तेमाल किया गया है। इसकी म्यूज़िक फीलिंग्स से भरपूर है और फिल्म की सुकून भरी लव थीम को बेहद खूबसूरती से कॉम्प्लीमेंट करता है।

इसके अलावा, सिद्धांत चतुर्वेदी और मृणाल ठाकुर की मैजिकल केमिस्ट्री दिल जीत लेने वाली लगती है। दोनों ऐसे किरदार निभा रहे हैं जो अभी खुद को समझने की जर्नी पर हैं, और लव स्टोरीज़ में ऐसा कम ही देखने को मिलता है। सच्चे रोमांस और इमोशनल गहराई के साथ, यह जोड़ी साल की सबसे दिल छू लेने वाली ऑन-स्क्रीन पेयरिंग्स में से एक बनकर उभरती नज़र आती है। टीज़र रिलीज़ होने के साथ ही अब ट्रेलर को लेकर एक्साइटमेंट अपने चरम पर पहुंच चुकी है। यह फिल्म उन लोगों के लिए एक वैलेंटाइन गिफ्ट की तरह आ रही है, जो मानते हैं कि प्यार थोड़ा उलझा हुआ, कन्फ्यूज़िंग और फिर भी पूरी तरह से वर्थ इट होता है। यह एक ऐसी फिल्म है जो आपको यह नहीं बताती कि क्या महसूस करना है, बल्कि आपको खुद उसे महसूस करने का मौका देती है। ज़ी स्टूडियोज़ और भंसाली प्रोडक्शंस की प्रस्तुति 'दो दीवाने सहर में' में मृणाल ठाकुर और सिद्धांत चतुर्वेदी मुख्य भूमिकाओं में नज़र आएंगे। फिल्म का निर्देशन रवि उदयावर ने किया है। इसे संजय लीला भंसाली, प्रेरणा सिंह, उमेश कुमार बंसल और भरत कुमार रंगा ने रवि उदयावर फिल्म्स के सहयोग से प्रोड्यूस किया है। 'दो दीवाने सहर में' 20 फरवरी 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज़ होने के लिए तैयार है।

अजय देवगन ने एआई की मदद से बनने वाली फिल्म बाल तान्हाजी की घोषणा की

बॉलीवुड अभिनेता अजय देवगन और निर्माता दानिश देवगन ने सोमवार को अपने अगली पीढ़ी के मनोरंजन स्टूडियो लेंस वॉल्ट स्टूडियोज (एलवीएस) द्वारा एआई की मदद से बनने वाली फिल्म बाल तन्हाजी की घोषणा की। एक प्रेस विज्ञप्ति में कहा गया कि 2020 में रिलीज हुई फिल्म तान्हाजीः द अनसंग वॉरियर की अगली कड़ी के रूप में बाल तन्हाजी अनछुए पहलुओं तक ले जाती है।इसमें कहा गया कि यह फिल्म परियोजना लेंस वॉल्ट स्टूडियोज की उस मूल महत्वाकांक्षा को दर्शाती है, जिसका लक्ष्य ऐसे कहानी संसार बनाना है जो अलग-अलग मंचों, प्रारूपों और प्रौद्योगिकियों में जीवंत रहें। अजय देवगन ने कहा कि यह फिल्म भविष्य के लिए तैयार कटेंट निर्माण की दिशा में स्टूडियो की शुरुआत है।

बड़ा स्टार बनने के लिए नहीं, आनंद के लिए फिल्मों में काम करना चाहता हूं: इमरान खान

हैप्पी पटेल फिल्म में अतिथि भूमिका के जरिए बॉलीवुड में वापसी करने वाले अभिनेता इमरान खान ने कहा कि वह फिल्मी दुनिया से फिर से जुड़ने और आनंद के लिए वापस लौटे हैं। खान का कहना है कि बीते दो साल के दौरान उन्हें कई फिल्मों में काम करने की पेशकश की गई, लेकिन हैप्पी पटेलै को छोड़कर कोई भी फिल्म ऐसी नहीं थी, जिसको लेकर उनमें दिलचस्पी जगी हो। यहै डेल्ही बेली में साथ काम कर चुके वीर दास की निर्देशक के तौर पर पहली फिल्म है। आखिरी बार 2015 में फिल्म कट्टी बट्टी में नजर आए खान ने पीटीआई-भाषा को दिए साक्षात्कार में कहा, 2023 के आखिर में, जब मैं वापसी करने और दुनिया से जुड़ने की शुरुआत कर रहा था तो लोग मेरे पास आने शुरु हुए। लेकिन इस बार मेरा रुख पहले की तुलना में बहुत अलग था। उन्होंने कहा, कोई भी अपने करियर में एक जैसी चीजें नहीं चाहता। मैं सबसे बड़ा स्टार या टॉप तीन में शामिल नहीं होना चाहता। अगर मुझे फिल्म पसंद आई तो ही मैं उसमें काम करना पसंद करूंगा।जाने तू...या जाने नै, आई हेट लव स्टोरीजै और ब्रेक के बादै सरीखी फिल्मों में अभिनय कर चुके खान ने कहा कि उनकी आर्थिक स्थिति ठीक है। उन्होंने कहा कि वह अब अपने दोस्तों और समान सोच वाले लोगों के साथ काम करने को तरजीह देंगे।

कंगना रनौत और जावेद अख्तर ने रहमान की टिप्पणी से असहमति जताई

रहमान की यह टिप्पणी एक साक्षात्कार के कुछ दिन बाद आई है, जिसमें उन्होंने कहा था कि पिछले कुछ वर्षों में हिंदी फिल्म उद्योग में उन्हें कम काम मिल रहा है और इसका कारण ''सांप्रदायिक'' भी हो सकता है। संगीतकार ए आर रहमान द्वारा 'सांप्रदायिक' संबंधी अपनी टिप्पणी पर सफाई पेश किए जाने के बीच कंगना रनौत ने उन्हें ''पूर्वाग्रही'' करार दिया जबकि गीतकार जावेद अख्तर का कहना है कि वह रहमान से असहमत हैं। दूसरी तरफ, वरुण ग्रोवर ने रहमान को एक दिग्गज संगीतकार बताते हुए कहा कि उन पर अपनी राय व्यक्त करने के लिए हमला किया गया है। रहमान ने अपने सोशल मीडिया पर एक वीडियो पोस्ट साझा किया, जिसमें उन्होंने हाल में दिए गए एक साक्षात्कार में अपनी टिप्पणी के बाद हो रही आलोचनाओं का जवाब देते हुए कहा कि इरादे ''कभी-कभी गलत समझे जा सकते हैं'', लेकिन वह अपने शब्दों से किसी को ठेस पहुंचाना नहीं चाहते थे। रोजा', 'बॉम्बे' और 'दिल से...' जैसी फिल्मों में अपने संगीत के लिए पहचाने जाने वाले रहमान ने अपने इंस्टाग्राम हैंडल पर एक पोस्ट साझा किया, जिसमें उन्होंने यह स्पष्टीकरण दिया।

(साभार एजेंसी)

ऑस्ट्रेलियन ओपन

गॉफ, मेदवेदेव, डी मिनॉर और अल्कराज दूसरे राउंड में पहुंचे

क्वीसलैंड की स्टॉर्म हंटर ने उलटफेर किया

सिडनी (एजेंसी)। अमेरिका की स्टार टेनिस खिलाड़ी कोको गॉफ, डेनियल मेदवेदेव, वर्ल्ड नंबर-6 एलेक्स डी मिनॉर और वर्ल्ड नंबर-1 कार्लोस अल्कराज और वर्ल्ड नु ने ऑस्ट्रेलियन ओपन 2026 में शानदार शुरुआत की है। वहीं, वीनस विलियम्स वुमेंस सिंगल्स का मैच खेलने वाली सबसे उम्रदराज खिलाड़ी बन गई। वहीं, 300 से ज्यादा ऊपर रैंक वाली क्वीसलैंड की स्टॉर्म हंटर ने उलटफेर करते हुए वर्ल्ड नंबर 40 रैंक की बाउजस मानेइरो को हराया।

गॉफ ने उज्बेकिस्तान की कामिला राखिमोवा को हराया -तीसरी सीड गॉफ ने रॉड लेवर एरीना में खेले गए पहले राउंड के मुकाबले में उज्बेकिस्तान की कामिला राखिमोवा को सीधे सेटों में 6-2, 6-3 से हराकर दूसरे राउंड में जगह

बना ली। मैच के बाद गॉफ ने पहले दौर के दबाव को लेकर कहा,मैं पहले भी ग्रैंड स्लैम के पहले दौर में हार चुकी हूं, इसलिए अब खुद पर ज्यादा दबाव नहीं डालती।

- **डेनियल मेदवेदेव ने नीदरलैंड के खिलाड़ी को हराया** - डेनियल मेदवेदेव ने भी सोमवार को ऑस्ट्रेलियन ओपन के खेले गए मुकाबले में नीदलैंड के जेस्पर डी जोंग को 7-5, 6-2, और 7-6 से हराकर दूसरे राउंड में पहुंच गए हैं।
- **डी मिनॉर भी दूसरे राउंड में पहुंचे** - वर्ल्ड नंबर-6 एलेक्स डी मिनॉर ने शानदार प्रदर्शन करते हुए अपने मैच को 6-2, 6-2, 6-3 से जीत लिया। डी मिनॉर को मैकडोनाल्ड की गलतियों का भी फायदा मिला। वहीं, ऑस्ट्रेलियाई खिलाड़ी को लोकल दर्शकों का भी भरपूर सपोर्ट मिला। मैच के बाद पूर्व टेनिस खिलाड़ी टॉड वुडब्रिज ने डी मिनॉर की जमकर तारीफ की। अब डी मिनॉर दूसरे राउंड में सर्बिया के हमाद मेजेदोविच से भिड़ेंगे।

विदर्भ ने पहली बार विजय हजारे ट्रॉफी जीती

सौराष्ट्र को 38 रन से फाइनल हराया, अथर्व तायडे का शतक, यश ठाकुर को 4 विकेट

बेंगलुरु (एजेंसी)। विदर्भ ने पहली बार विजय हजारे ट्रॉफी का खिताब जीत लिया। टीम ने रविवार को बेंगलुरु में सौराष्ट्र को 38 रन से फाइनल हराया। विदर्भ से अथर्व तायडे ने शतक लगाया, उन्होंने 128 रन बनाए। वहीं यश ठाकुर ने 4 विकेट लिए। सौराष्ट्र से प्रेरक मांकड़ और चिराग जानी ने फिफ्टी लगाई। सेंटर ऑफ एक्सीलेंस ग्राउंड में पहले बैटिंग करते हुए विदर्भ ने 317 रन बनाए। जवाब में विदर्भ की टीम 279 रन ही बना सकी। विदर्भ विजय हजारे ट्रॉफी का टाइटल जीतने वाली 13वीं टीम बनी। टीम पिछले साल कर्नाटक के खिलाफ फाइनल हार गई थी।

97 गेंद पर अथर्व ने शतक लगाया - पहले बल्लेबाजी करते हुए विदर्भ ने 50 ओवर में 8 विकेट पर 317 रन बनाए। टीम के लिए अथर्व तायडे ने शानदार शतक लगाया, जबकि यश राठौड़ ने 54 रन की पारी खेली। तायडे ने 97 गेंदों में शतक पूरा किया, उन्होंने 118 गेंदों पर 128 रन की पारी खेली, जिनमें 15 चौके और 2 छक्के शामिल रहे। यह इस साल के टूर्नामेंट में उनका पहला शतक रहा, जबकि लिस्ट ए क्रिकेट में उन्होंने तीसरी बार शतक जमाया। तायडे ने 42 लिस्ट ए मैच खेले और उनके नाम 9 अर्धशतक भी दर्ज हैं। सेमीफाइनल में शतक लगाने वाले अमन मोखाड़े ने 33 रन बनाए। रविकुमार समर्थ ने 25, मोहम्मद फैज ने 19, कप्तान हर्ष दुबे ने 17 और दर्शन नालकंडे ने 14 रन बनाए। सौराष्ट्र की गेंदबाजी में अंकुर पंवार सबसे सफल रहे, उन्होंने 4 विकेट झटके। चेतन सकारिया और चिराग जानी को 2-2 विकेट मिले।

सौराष्ट्र की खराब शुरुआत - बड़े टारगेट के सामने सौराष्ट्र की शुरुआत खराब रही। टीम ने 30 रन पर 2 विकेट गंवा दिए। कप्तान हार्विक देसाई 20 और विश्वराज जडेजा 9 रन बनाकर आउट हो गए। प्रेरक मांकड़ ने फिर फिफ्टी लगाई और टीम को संभाल लिया।

- **यश ठाकुर को 4 विकेट** - विदर्भ के लिए तेज गेंदबाज यश ठाकुर ने 50 रन देकर 4 विकेट लिए। नचिकेत भूते ने 46 रन देकर 3 विकेट लिए, वहीं दर्शन नालकंडे ने 52 रन देकर 2 विकेट झटके। हर्ष दुबे को 1 विकेट मिला, उन्होंने 59 रन दिए। पार्थ रेखाड़े कोई विकेट नहीं ले सके।
- **विजय हजारे ट्रॉफी की 13वीं चैंपियन विदर्भ** - विदर्भ ने पहली बार विजय हजारे ट्रॉफी का टाइटल जीता, टीम इस खिताब को जीतने वाली 13वीं टीम बनी। तमिलनाडु और कर्नाटक ने सबसे ज्यादा 5-5 टाइटल जीते हैं। मुंबई के नाम 4 और सौराष्ट्र के नाम 2 खिताब हैं। इनके अलावा 8 टीमें 1-1 बार चैंपियन बन चुकी हैं।

ऑस्ट्रेलिया दौरे के लिए भारतीय महिला क्रिकेट टीम में काश्वी गौतम का चयन

चंडीगढ़, एजेंसी। चंडीगढ़ की प्रतिभाशाली ऑलराउंडर काश्वी गौतम का आगामी ऑस्ट्रेलिया दौरे के लिए भारतीय महिला क्रिकेट टीम में चयन किया गया है। भारतीय टीम इस दौरे पर 24 फरवरी से शुरू होने वाली तीन एकदिवसीय मैचों की श्रृंखला खेलेगी। काश्वी गौतम ने भारतीय महिला क्रिकेट के इतिहास में अपना नाम दर्ज कराते हुए एक अनोखी उपलब्धि हासिल की है। वह बीसीसीआई से संबद्ध महिला अंडर-19 राज्य मैच में एक ही पारी में 10 विकेट लेने वाली भारत की

पहली महिला क्रिकेटर बनीं। उनके क्रिकेट सफर में कई उल्लेखनीय उपलब्धियां शामिल हैं। वर्ष 2020 में वह महिला आईपीएल विजेता टीम ट्रेलब्लेज़र्स का हिस्सा रहीं। इसके बाद 2021 में अंडर-19 चैलेंजर्स ट्रॉफी (इंडिया डी) में चयन हुआ, जहां टीम उपविजेता रही। उसी वर्ष उनका चयन सीनियर महिला चैलेंजर्स ट्रॉफी (इंडिया सी) के लिए भी हुआ, जो उनके सीनियर क्रिकेट में सफल प्रवेश का संकेत था। काश्वी का प्रदर्शन लगातार निखरता गया। 2022 में जोनल कैंप और 2023 में प्रतिष्ठित एनसीए हाई परफॉर्मेंस कैंप में उनका चयन हुआ। वर्ष 2023 में हांगकांग में आयोजित इमर्जिंग एशिया कप में वह विजेता इंडिया ए टीम का हिस्सा रहीं और बाद में इंग्लैंड ए के खिलाफ इंडिया ए टीम का प्रतिनिधित्व भी किया। घरेलू क्रिकेट में भी उनका दबदबा कायम रहा। नॉर्थ ज़ोन टी20 ट्रॉफी में उन्होंने हैट्रिक और पांच विकेट लेकर सबका ध्यान खींचा।
विमेंस प्रीमियर लीग 2023 में काश्वी गुजरात जायंट्स से जुड़कर टूर्नामेंट की सबसे महंगी खिलाड़ियों में शामिल रहीं। 2025 में वह गुजरात जायंट्स के लिए संयुक्त रूप से सबसे ज्यादा विकेट लेने वाली गेंदबाज बनीं।

क्या जूलियन वेबर को गुर सिखाने वाले बरखार्ड बनेंगे भारतीय जेवलिन टीम के नए कोच?

नई दिल्ली, एजेंसी। बरखार्ड जेवलिन थ्रो में अपनी तकनीकी विशेषज्ञता और शीर्ष स्तर के जर्मन थ्रोअरों को विश्व स्तरीय सफलता दिलाने के लिए जाने जाते हैं। वह तकनीक को निखारने और मानसिक तैयारी में अपनी विशेषज्ञता के लिए प्रसिद्ध हैं। नीरज चोपड़ा की ओलंपिक में दोहरी सफलता के बाद जेवलिन थ्रोअरों (भाला फेंक) की फैक्ट्री बन चुके भारत में प्रतिभाओं को तराशने के लिए एक और जर्मनी के दिग्गज कोच सेवाएं

ली जा रही हैं। यू हॉन और नीरज की सफलता में अहम भूमिका निभाने वाले क्लास बार्टोनिएट्ज के बाद भारतीय एथलेटिक महासंघ (एएफआई) अब बीते वर्ष 91.51 मीटर भाला फेंकने वाले जर्मनी के जूलियन वेबर के कोच बरखार्ड लुक्स पर दांव लगाने जा रहा है। बरखार्ड और एएफआई के बीच कुछ दौर की बातचीत हो चुकी है। सब कुछ ठीक रहा तो रियो ओलंपिक चैंपियन थामस रोहलर और बरनार्ड सीफर्ट जैसे जेवलिन थ्रोअरों को प्रशिक्षित कर चुके बरखार्ड जल्द भारतीय जेवलिन थ्रोअरों को प्रशिक्षित करते नजर आएंगे।

पीवी सिंधु की अगुआई में भारत को बड़ी उम्मीद

जकार्ता (एजेंसी)। दो बार की ओलंपिक पदक विजेता पीवी सिंधु इंडिया ओपन में पहले दौर में मिली निराशाजनक हार को पीछे छोड़ते हुए इंडोनेशिया मास्टर्स 2026 में भारत की चुनौती की अगुआई करेंगी। बीडब्ल्यूएफ सुपर 500 स्तर का यह प्रतिष्ठित टूर्नामेंट मंगलवार से शुरू हो रहा है और सीजन की शुरुआत में ही खिलाड़ियों के लिए अहम पड़ाव माना जा रहा है। नई दिल्ली में पिछले सप्ताह हुए इंडिया ओपन में शुरुआती दौर में बाहर होने के बाद सिंधु की नजरें इस टूर्नामेंट में लय हासिल करने पर टिकी होंगी। हालांकि, इस महीने की शुरुआत में खेले गए मलेशिया ओपन में सेमीफाइनल तक पहुंचकर उन्होंने अपनी फॉर्म के संकेत जरूर दिए थे। ऐसे में जकार्ता में वह मजबूत वापसी की कोशिश करेंगी।

महिला एकल में भारत की मजबूत मौजूदगी

महिला एकल के पहले दौर में पीवी सिंधु का सामना जापान की मनामी सुइजु से होगा, जो उनसे रैंकिंग में नीचे हैं। इस वर्ग में भारत की अच्छी-खासी भागीदारी देखने को मिलेगी। सिंधु के अलावा मालविका बंसोड़, तन्वी शर्मा और उन्नति हुड्डा भी मुख्य ड्रॉ में उतरेंगी। हालांकि उन्नति हुड्डा के लिए राह आसान नहीं होगी, क्योंकि पहले ही दौर में उनका मुकाबला चीन की ओलंपिक स्वर्ण पदक विजेता चेन यूफेई से तय हुआ है।

पुरुष एकल में लक्ष्य सेन से उम्मीदें

पुरुष एकल में भारत की सबसे बड़ी उम्मीदें मौजूदा विश्व रैंकिंग में 14वें स्थान पर काबिज लक्ष्य सेन से होंगी। लक्ष्य ने हाल ही में इंडिया ओपन में क्वार्टरफाइनल तक का सफर तय किया था और उसी लय को आगे बढ़ाने की कोशिश करेंगे। उनके अलावा पूर्व विश्व नंबर एक किदांबी श्रीकांत, एचएस प्रणॉय, थरुण मन्नेपल्ली और आयुष शेट्टी भी टूर्नामेंट में भारत का प्रतिनिधित्व करेंगे। इस वर्ग में थाईलैंड के पेरिस ओलंपिक 2024 के रजत पदक विजेता कुनलावुत वितिदसर्न शीर्ष वरीयता प्राप्त खिलाड़ी के रूप में उतरेंगे।

डबल्स में सीमित लेकिन अहम भागीदारी

डबल्स स्पर्धाओं में भारत की मौजूदगी अपेक्षाकृत सीमित है। पुरुष युगल में हरिहरन अमसकरुणन और एमआर अर्जुन की जोड़ी ही मुख्य ड्रॉ में नजर आएगी। मिक्स्ड डबल्स में ध्रुव कपिला-तनिषा क्रास्टो और रोहन कपूर-रुथविका शिवानी गड्डे की जोड़ियां भारत का प्रतिनिधित्व करेंगी। वहीं महिला युगल में रश्मि गणेश और सानिया सिकंदर की जोड़ी क्वालिफिकेशन राउंड से अपने अभियान की शुरुआत करेगी।

कोहली के नंबर-3 पर हाईएस्ट रन

न्यूजीलैंड के खिलाफ सबसे ज्यादा शतक लगाए, कीवियों की भारत में पहली वनडे सीरीज जीत

इंदौर (एजेंसी)।

न्यूजीलैंड ने भारत में इतिहास रचते हुए पहली बार वनडे सीरीज अपने नाम कर ली। इंदौर के होलकर स्टेडियम में खेले गए तीसरे वनडे में कीवी टीम ने भारत को 41 रन से हराया। इसके साथ ही यह भारत की इस मैदान पर पहली वनडे हार भी रही। रविवार को रिकार्ड्स का दिन विराट कोहली के नाम रहा। वे वनडे में नंबर-3 पर सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाज बने और न्यूजीलैंड के खिलाफ सबसे ज्यादा शतक लगाने का रिकॉर्ड भी अपने नाम किया। लेकिन उनकी पारी टीम को जीत तक नहीं पहुंचा सकी। 338 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए भारतीय टीम 46 ओवर में 296 रन पर ऑलआउट हो गई। इससे पहले टॉस हारकर बल्लेबाजी करते हुए न्यूजीलैंड ने 8 विकेट पर 337 रन बनाए थे। डेरिल मिचेल ने 137 और

ग्लेन फिलिप्स ने 106 रन की शतकीय पारियां खेलीं।

वनडे के टॉप रिकॉर्ड्स

1. **न्यूजीलैंड ने भारत में पहली बार वनडे सीरीज जीती** - वनडे क्रिकेट में न्यूजीलैंड ने भारत में पहली बार वनडे सीरीज जीती। तीन मैचों की सीरीज को न्यूजीलैंड ने 2-1 से अपने नाम कर लिया। इससे पहले भारत में दोनों टीमों के बीच खेली गई हर वनडे सीरीज में भारत का ही दबदबा रहा था।
2. **वनडे में नंबर-3 के सबसे ज्यादा रन** - विराट कोहली वनडे में नंबर-3 पोजिशन पर सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाज बन गए। उन्होंने नंबर-3 पर खेलते हुए 12,676 रन बनाए और ऑस्ट्रेलिया के रिकी पोंटिंग को पीछे छोड़ दिया। पोंटिंग के नाम 12,662 रन दर्ज हैं।
3. **कोहली के न्यूजीलैंड के खिलाफ सबसे ज्यादा शतक** - विराट कोहली ने वनडे में न्यूजीलैंड के खिलाफ सबसे ज्यादा शतक लगाने का रिकॉर्ड अपने नाम कर लिया। कोहली ने सिर्फ 36 पारियों में 7 शतक लगा दिया। इससे पहले यह रिकॉर्ड रिकी पोंटिंग और वीरेंद्र सहवाग के नाम था, जिन्होंने न्यूजीलैंड के खिलाफ 6-6 शतक लगाए थे। इतना ही नहीं, तीनों फॉर्मेट (टेस्ट, वनडे और टी-20) को मिलाकर भी कोहली न्यूजीलैंड के खिलाफ सबसे ज्यादा शतक लगाने वाले खिलाड़ी बन गए। इस दौरान उन्होंने साउथ अफ्रीका के जैक कैलिस के 9 शतकों के रिकॉर्ड को भी पीछे छोड़ दिया।
4. **कोहली ने 5 अलग-अलग टीमों के खिलाफ 7 शतक लगाए** - कोहली के करियर की बात करें तो यह उनके वनडे का 54वां, इंटरनेशनल क्रिकेट का 85वां और भारत में खेलते हुए 41वां शतक रहा। इसके साथ ही कोहली ने एक और ऐतिहासिक उपलब्धि हासिल की। वे दुनिया के इकलौते बल्लेबाज बन गए, जिनके नाम पांच अलग-अलग टीमों के खिलाफ 7 या उससे ज्यादा शतक दर्ज हैं। कोहली ने श्रीलंका के खिलाफ 10, वेस्टइंडीज के खिलाफ 9, ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 8, साउथ अफ्रीका के खिलाफ 7 और अब न्यूजीलैंड के खिलाफ भी 7 शतक पूरे कर लिए हैं।
5. **मिचेल भारत के खिलाफ वनडे सीरीज के टॉप स्कोरर** - डेरिल मिचेल भारत के खिलाफ 3 मैचों की वनडे सीरीज के हाईएस्ट स्कोरर बन गए। उन्होंने 352 रन बनाए। यह किसी भी न्यूजीलैंड बल्लेबाज द्वारा 3 मैचों की वनडे द्विपक्षीय सीरीज में बनाए गए सबसे ज्यादा रन भी हैं। मिचेल का वनडे में भारत का

कोको गॉफ ने कामिला राखीमोवा को हराकर

दूसरे दौर में जगह बनाई

मेलबर्न, एजेंसी। अमेरिकी स्टार कोको गॉफ ने ऑस्ट्रेलियन ओपन 2026 में अपने अभियान की शानदार शुरुआत करते हुए दूसरे दौर में प्रवेश कर लिया है। मेलबर्न के रॉड लेवर एरिना में 1 घंटे 39 मिनट तक चले मुकाबले में गॉफ ने उज्बेकिस्तान की कामिला राखीमोवा को सीधे सेटों में 6-2, 6-3 से हराया। इस जीत के साथ कोको गॉफ ने अपने करियर का 75वां ग्रैंड स्लैम मैच जीता और ग्रैंड स्लैम टूर्नामेंट्स में पहले राउंड का उनका रिकॉर्ड 23 जीत और 4 हार का हो गया। मैच के दौरान उनकी सर्विस पूरी तरह धारदार नहीं दिखी और उन्होंने सात डबल फॉल्ट किए, लेकिन उनकी रिटर्न गेम, कोर्ट कवरेज, और कंसिस्टेंसी ने उन्हें निर्णायक बढ़त दिलाई। पहले सेट में राखीमोवा ने संघर्ष करते हुए 2-5 पर सर्व करते समय तीन सेट पॉइंट बचाए और मुकाबले को खींचने की कोशिश

की। इसके बावजूद गॉफ ने धैर्य नहीं खोया और एक बेहतरीन सर्व के जरिए पहला सेट अपने नाम किया। दूसरे सेट में उज्बेक खिलाड़ी ने लॉब और ड्रॉप शॉट्स का सहारा लेकर मैच में वापसी की कोशिश की, जिससे उन्हें दर्शकों का भी समर्थन मिला। हालांकि, गॉफ की निरंतरता और ताकतवर बेसलाइन खेल के सामने राखीमोवा ज्यादा देर टिक नहीं सकीं।

दूसरे सेट में गॉफ ने 5-1 की मजबूत बढ़त बना ली। एक गेम में डबल फॉल्ट और कुछ गलतियों के कारण राखीमोवा को वापसी का हल्का सा मौका मिला, लेकिन अमेरिकी खिलाड़ी ने तुरंत ब्रेक हासिल करते हुए मैच का छठा ब्रेक अपने नाम किया और सीधे सेटों में जीत दर्ज कर ली। यह जीत गॉफ के ऑस्ट्रेलियन ओपन खिताब के इरादों को साफ तौर पर दर्शाती है। मैच के बाद गॉफ ने कहा कि वह पहले राउंड में खुद पर ज्यादा दबाव नहीं डालना चाहतीं और उनका एकमात्र लक्ष्य टूर्नामेंट जीतना है। उन्होंने यह भी माना कि एक मजबूत रिटर्नर होने का फायदा यह है कि लगभग हर सर्विस गेम में ब्रेक का मौका बनता है। दूसरे दौर में गॉफ का सामना लेफ्ट-हैंडेड सर्बियाई खिलाड़ी ओल्गा डैनिलोविच से होगा, जिन्होंने पहले दौर में सात बार की ग्रैंड स्लैम चैंपियन वीनस विलियम्स को तीन सेटों में हराया था।

● पाकिस्तान के खिलाफ टी20 सीरीज के लिए

ऑस्ट्रेलिया टीम घोषित

- **महली बियर्डमैन और जैक एडवर्ड्स को मौका**

नई दिल्ली,एजेंसी। पाकिस्तान के खिलाफ 29 जनवरी से 1 फरवरी के बीच लाहौर में खेली जाने वाली तीन टी20 मैचों की सीरीज के लिए ऑस्ट्रेलिया ने अपनी 17 सदस्यीय टीम का ऐलान कर दिया है। मिशेल मार्श की कप्तानी में घोषित टीम में बिग बैश लीग में शानदार प्रदर्शन कर रहे महली बियर्डमैन और जैक एडवर्ड्स को भी मौका दिया गया है। यह सीरीज उन खिलाड़ियों के लिए खास मौका है जो विश्व कप टीम में जगह बनाने की होड़ में हैं। चयनकर्ताओं ने अनुभव और युवा प्रतिभा के संतुलन को प्राथमिकता दी है।

विश्व कप संभावित टीम के 10 खिलाड़ी इस दौरे का हिस्सा होंगे, जबकि कुछ सीनियर खिलाड़ी चोट से उबरने के बाद सीधे श्रीलंका में टीम से जुड़ेंगे। इनमें नाथन एलिस, टिम डेविड, जोश हेजलवुड, ग्लेन मैक्सवेल और पैट कमिंस शामिल हैं। पैट कमिंस को एशेज के दौरान एक टेस्ट खेलने के बाद आराम दिया गया था, जबकि टिम डेविड बिग बैश के दौरान हैमस्ट्रिंग इंजरी के चलते ज्यादा मैच नहीं खेल सके। जोश हेजलवुड नवंबर के बाद से प्रतिस्पर्धी क्रिकेट से दूर रहे हैं और रिहैब के दौरान अकिलीज की समस्या के कारण पूरी एशेज सीरीज नहीं खेल पाए थे। इन सभी खिलाड़ियों को पूरी तरह फिट रखने के उद्देश्य से उन्हें पाकिस्तान सीरीज से दूर रखा गया है।

पाकिस्तान दौरे के लिए ऑस्ट्रेलिया की टीम

मिशेल मार्श (कप्तान), सीन एबॉट, जेवियर बार्टलेट, महली बियर्डमैन, कूपर कोनोली, बेन ड्वारशुइस, जैक एडवर्ड्स, कैमरून ग्रीन, ट्रेविस हेड, जोश इंग्लिस, मैथ्यू कुहनेमन, मिच ओवेन, जोश फिलिप, मैथ्यू रेनशॉ, मैथ्यू शॉर्ट, मार्कस स्टोइनिस और एडम जम्पा।

अफ्रीका कप फाइनल में हंगामा

सेनेगल टीम पेनल्टी विवाद पर मैदान छोड़कर गई

14 मिनट खेल रुका रहा, लौटने के बाद मोरक्को को हराया

नई दिल्ली, एजेंसी। अफ्रीका कप ऑफ नेशंस 2025 का फाइनल मैच फुटबॉल से ज्यादा विवाद और हंगामे के कारण चर्चा में रहा। मोरक्को और सेनेगल के बीच रविवार को मोरक्को के प्रिंस मौले अब्देल्लाह स्टेडियम में खिताबी मुकाबला खेला गया। इसमें एक विवादित पेनल्टी के

बाद सेनेगल की पूरी टीम गुस्से में मैदान छोड़कर बाहर चली गई। मैच के अंतिम समय में रेफरी के मोरक्को को पेनल्टी दिए जाने से सेनेगल के खिलाड़ी भड़क गए और खेल रोक दिया गया। करीब 14 मिनट तक मैदान पर अफरा-तफरी का माहौल रहा और मैच रुका रहा।

नेपाल चुनाव : प्रधानमंत्री पद के लिए दिग्गज नेता ओली को चुनौती देंगे नई पीढ़ी के उम्मीदवार

» काठमांडू, भाषा।

नेपाल में कड़ाके की ठंड के बावजूद चुनावी माहौल गर्माता जा रहा है। पांच मार्च को होने वाले आम चुनाव के लिए तीन राजनीतिक दलों ने प्रधानमंत्री पद के वास्ते अपने-अपने उम्मीदवार घोषित कर दिए हैं। देश के सबसे बड़े वामपंथी दल कम्युनिस्ट पार्टी ऑफ नेपाल (यूनिफाइड मार्क्सिस्ट-लेनिनिस्ट) ने पूर्व प्रधानमंत्री के पी शर्मा ओली (74) को प्रधानमंत्री पद के लिए अपना उम्मीदवार आधिकारिक रूप से घोषित किया है। वहीं, नेपाल के सबसे पुराने दल नेपाली कांग्रेस और नवगठित राष्ट्रीय स्वतंत्र पार्टी ने 50 वर्ष से कम उम्र के उम्मीदवार मैदान में उतारे हैं। नेपाली कांग्रेस (एनसी) के 49 वर्षीय नेता गगन थापा को पिछले सप्ताह पार्टी का अध्यक्ष चुना गया। उसके तुरंत बाद पार्टी के उपाध्यक्ष बिश्व प्रकाश शर्मा ने घोषणा की कि गगन थापा ही पार्टी के प्रधानमंत्री पद के उम्मीदवार होंगे।

वरिष्ठ मानवाधिकार कार्यकर्ता चरण प्रसाई ने कहा, नेपाली कांग्रेस के नेता गगन थापा के अध्यक्ष पद के लिए निर्वाचित होने से मौजूदा चुनावी परिदृश्य पूरी तरह बदल गया है। थापा जेन जेड युवाओं की भावना का प्रतिनिधित्व करते हैं। हालांकि, पूर्व प्रधानमंत्री शेर बहादुर देउबा के नेतृत्व वाले नेपाली कांग्रेस के एक अन्य धड़े ने चुनाव आयोग के उस फैसले को चुनौती दी है, जिसमें गगन थापा के नेतृत्व वाले धड़े को असली एनसी के रूप में मान्यता दी गई है। इस बार के आम चुनाव में प्रधानमंत्री पद के उम्मीदवार में बालेन्द्र शाह का नाम भी चर्चा में है। इंजीनियर और रैपर से नेता बने 35 वर्षीय बालेन्द्र शाह को 2022 में काठमांडू महानगर के मेयर पद पर भारी बहुमत से चुना गया था। बालेन के नाम से मशहूर शाह अपने सुधार कार्यक्रमों और काठमांडू के सौंदईकरण के चलते न केवल राजधानी बल्कि पूरे देश में युवाओं के बीच बेहद लोकप्रिय हैं। निर्दलीय उम्मीदवार के रूप में मेयर का चुनाव जीतने वाले बालेन अब अपनी टीम के साथ राष्ट्रीय स्वतन्त्र पार्टी में शामिल हो गए हैं और आम चुनाव लड़ने जा रहे हैं। उन्होंने रविवार को अपने पद से इस्तीफा दे दिया ताकि 20 जनवरी को संसदीय चुनाव के लिए नामांकन दाखिल कर सकें, जो चुनाव आयोग द्वारा तय तारीख है। सीपीएन-यूएमएल अध्यक्ष ओली को अब बालेन से चुनौती मिलेगी, जो उम्र में उनसे आधे हैं। दोनों ने झापा-5 निर्वाचन क्षेत्र से चुनाव लड़ने की घोषणा की है, जिससे कोशी प्रदेश का यह पूर्वी जिला इन दिनों चर्चा का केंद्र बना हुआ है। ओली पिछले तीन दशकों में झापा जिले से छह बार संसद के लिए चुने जा चुके हैं, केवल 2008 के पहले संविधान सभा चुनाव को छोड़कर। 2022 के पिछले आम चुनाव में उन्होंने नेपाली कांग्रेस के अपने निकटतम प्रतिद्वंद्वी को 28 हजार से अधिक मतों के अंतर से हराया था। इस बार ओली को युवा और लोकप्रिय नेता बालेन का सामना करना पड़ेगा। जहां बालेन नेपाल की उभरती युवा शक्ति का प्रतिनिधित्व करते हैं, वहीं ओली को रूढ़िवादी और कठोर राजनीतिक धारा का चेहरा माना जाता है। जेन जेड युवाओं ने सितंबर में हुए अपने आंदोलन को दबाने के लिए अत्यधिक बल प्रयोग के लिए तत्कालीन प्रधानमंत्री ओली और उस समय के गृह मंत्री एवं नेपाली कांग्रेस के रमेश लेखक को जिम्मेदार ठहराया है। इस आंदोलन में 77 लोगों की मौत हो गई थी। चार बार प्रधानमंत्री पद की शपथ ले चुके ओली को अपने पिछले कार्यकाल में जेन जेड के विरोध प्रदर्शन के दूसरे ही दिन सेना के हेलीकॉप्टर से भागना पड़ा था, जब सैकड़ों गुस्साए प्रदर्शनकारियों ने काठमांडू के बालुवाटार स्थित प्रधानमंत्री आवास में तोड़फोड़ की थी। नेपाल समाचारपत्र की वरिष्ठ पत्रकार सरस्वती कर्माचार्य ने कहा, पार्टी के भीतर अपने विरोधियों को रणनीतिक रूप से किनारे कर खुद को निर्विवाद नेता बनाने वाले ओली के लिए इस बार का संसदीय चुनाव न केवल कड़ी चुनौती होगा, बल्कि पूर्व मेयर बालेन की बढ़ती लोकप्रियता को देखते हुए उनका पांच दशक से अधिक लंबा राजनीतिक करियर भी खतरे में पड़ सकता है।

सैंटियागो से 500 किलोमीटर दक्षिण क्षेत्र में आपदा की स्थिति घोषित

चिली में जंगल की आग से अठारह की मौत, हजारों लोग घर छोड़ने को मजबूर

» पेंको (चिली), भाषा।

मध्य और दक्षिणी चिली में जंगलों में लगी भीषण आग में रविवार को कम से कम 18 लोगों की मौत हो गई, वहीं हजारों एकड़ जंगल जलकर राख हो गए तथा सैकड़ों मकान भी जल गए। दक्षिण अमेरिका का यह देश भीषण गर्मी की चपेट में है। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। चिली के राष्ट्रपति गैब्रियल बोरिक ने देश के मध्य बायोबियो क्षेत्र और राजधानी सैंटियागो से लगभग 500 किलोमीटर दक्षिण में स्थित नुब्ले क्षेत्र में आपदा की स्थिति घोषित कर दी है। चिली के सुरक्षा मंत्री लुइस कॉर्डेरो के अनुसार, आपातकाल की घोषणा से सेना के साथ बेहतर समन्वय स्थापित करने में मदद मिलेगी ताकि अब तक 8,500 हेक्टेयर में फैली जंगल की आग पर काबू पाया जा सके, जिसके कारण 50,000 लोगों को अपना घर छोड़ना पड़ा है।

बोरिक ने एक्स पर पोस्ट किया, सभी संसाधन उपलब्ध हैं। हालांकि, स्थानीय अधिकारियों ने बताया कि रविवार को हर तरफ तबाही थी और केंद्र सरकार की ओर से कोई मदद नहीं पहुंची। छोटे तटीय कस्बे पेंको के मेयर रोड्रिगो वेरा ने कहा, प्रिय राष्ट्रपति बोरिक, दिल की गहराइयों से कह रहा हूं कि मैं यहां चार घंटे से मौजूद हूं, एक पूरा क्षेत्र जल रहा है और यहां सरकार की कोई मौजूदगी नहीं है। कोई मंत्री कुछ किए बिना सिर्फ मुझे फोन करके यह कहे कि सेना किसी समय पहुंच जाएगी-यह कैसे ठीक है? दमकलकर्मी आग बुझाने के लिए जूझ रहे थे, लेकिन तेज हवाओं और झुलसाने वाले मौसम ने रविवार को उनके प्रयासों को मुश्किल बना दिया। तापमान 38 डिग्री सेल्सियस से ऊपर पहुंच गया था। स्थानीय लोगों ने बताया कि आधी रात के बाद अचानक लगी आग ने उन्हें चौंका दिया और वे अपने घरों में फंस गए। जॉन गुजमैन (55) ने कहा, हालात पूरी तरह बेकाबू थे। किसी ने इसकी उम्मीद नहीं की थी। कई लोगों ने इलाके को खाली नहीं किया। वे अपने घरों में ही रुके रहे, क्योंकि उन्हें लगा कि आग जंगल की सीमा पर ही रुक जाएगी। देशभर में आग से जल गए मकानों की कुल संख्या साफ नहीं हो सकी, लेकिन बायोबियो की कॉन्सेप्सियोन नगरपालिका ने 253 मकानों के नष्ट होने की सूचना दी। पेंको के ही 52 वर्षीय जुआन लागोस ने कहा, हम बच्चों के साथ अंधेरे में भागते हुए जान बचाकर निकले। आग ने शहर के अधिकांश हिस्से को अपनी चपेट में ले लिया और इसमें कार, एक स्कूल एवं एक चर्च जल गया। खेतों, मकानों, सड़कों के किनारे और कारों में जले हुए शव मिले। विक्टर बुरबोआ (54) ने कहा, जो हम देख पा रहे हैं, उससे साफ है कि कुछ लोगों की मौत हुई है।

पाकिस्तान के कराची में शॉपिंग मॉल में लगी आग से मरने वालों की संख्या बढ़कर चौदह हुई

कराची, भाषा। पाकिस्तान के कराची में एक पुराने शॉपिंग मॉल में लगी भीषण आग में मरने वालों की संख्या बढ़कर 14 हो गई है। मलबे से आठ और शव मिलने के बाद इस हादसे में मरने वालों की संख्या बढ़ गई। यह जानकारी अधिकारियों ने दी। गुल प्लाजा में शनिवार रात लगी आग पर रविवार रात तक काबू पा लिया गया। वहां भूतल और अन्य मंजिलों पर थोक व खुदरा दुकानें थीं। आग लगने के तुरंत बाद छह शव मिले। उनकी मौत दम घुटने से हुई, जबकि कई घायलों को अस्पताल भेजा गया। हालांकि, आग तेजी से फैलने के कारण बचाव दल अंदर नहीं जा सके। रेस्क्यू 1122 के मुख्य परिचालन अधिकारी (सीओओ) आबिद जलाल ने कहा, आग बुझने के बाद, हम इंतजार किए बिना फंसे हुए लोगों को बचाने के लिए अंदर घुस गए। हमें आठ और शव मिले, जिनमें से कुछ बुरी तरह झुलसे हुए थे। उन्होंने सोमवार की सुबह बताया कि आग से इमारत लगभग पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई है, तथा इसका पिछला और अगला हिस्सा ढह गया है। जलाल ने कहा, आग से इमारत की संरचना कमजोर हो गई है और हम अभी भी बचे हुए लोगों की तलाश जारी रखे हुए हैं क्योंकि हमें और भी संरचनाएं ढहने की आशंका है। इस बाजार में सभी मंजिलों पर करीब1,200 दुकानें थीं और यह 1980 के दशक की शुरुआत से सदर व्यावसायिक इलाके में एम. ए. जिन्ना रोड पर स्थित कराची के प्रमुख स्थलों में से एक रहा है। आज सुबह मौके पर पहुंचे सिंध के गवर्नर कामरान टेसोरी ने मीडिया से कहा कि अभी भी इमारत के अंदर 70 लोग फंसे हुए हैं। उन्होंने कहा, हम बेहद चिंतित और व्यथित हैं। उन्हें खोजने के प्रयास जारी हैं, लेकिन यह एक राष्ट्रीय त्रासदी है। डीआईजी (दक्षिण) सैयद असद रजा ने बताया कि मृतकों की संख्या बढ़ सकती है।

नेपाल के खेल मंत्री बबलू गुप्ता ने चुनाव लड़ने के लिए पद से इस्तीफा दिया

काठमांडू, भाषा। नेपाल के खेल मंत्री बबलू गुप्ता ने आगामी पांच मार्च को होने वाला आम चुनाव लड़ने के लिए सोमवार को अपने पद से इस्तीफा दे दिया। राष्ट्रीय स्वतंत्र पार्टी (आरएसपी) से जुड़े सूत्रों ने बताया कि युवा एवं खेल मंत्री गुप्ता वर्तमान में धनुषा जिले के जनकपुर में आरएसपी के लिए चुनाव प्रचार में जुटे हैं और पार्टी के टिकट पर चुनाव लड़ने की तैयारी कर रहे हैं। गुप्ता ने कहा, मैं आगामी चुनाव के लिए नामांकन दाखिल करने के उद्देश्य से सिराहा पहुंच गया हूं। मैंने अपना इस्तीफा ईमेल के जरिए प्रधानमंत्री सुशीला कार्की को भेज दिया है। इसके अलावा, फोन करके भी अपने इस्तीफे की जानकारी दे दी है। उन्होंने कहा कि अब वह पूरी तरह चुनाव प्रचार पर ध्यान केंद्रित करेंगे। गुप्ता को 26 अक्टूबर को मंत्री नियुक्त किया गया था। वह जेन जेड युवाओं का प्रतिनिधित्व करते हुए सुशीला कार्की के नेतृत्व वाली सरकार में शामिल हुए थे। जेन जेड से आशय 1997 से 2012 के बीच जन्मे लोगों से है। जेन जेड आंदोलन आठ और नौ सितंबर 2025 को हुआ था। सितंबर में काठमांडू और कुछ अन्य स्थानों पर सोशल मीडिया वेबसाइट पर सरकारी प्रतिबंध के खिलाफ युवाओं ने हिंसक प्रदर्शन किए थे। इन प्रदर्शनों में कम से कम 19 लोगों की मौत हो गई थी और 300 से अधिक लोग घायल हुए थे। सरकार विरोधी व्यापक प्रदर्शनों के बाद नेपाल के प्रधानमंत्री के. पी. शर्मा ओली ने पद से इस्तीफा दे दिया था।

न्यूज ब्रीफ

पुर्तगाल राष्ट्रपति चुनावः धुर दक्षिणपंथी पार्टी के नेता दूसरे स्थान पर

» लिस्बो, भाषा।

पुर्तगाल के राष्ट्रपति चुनाव में रविवार को चौंकाने वाले नतीजे सामने आए जिसमें एक धुर दक्षिणपंथी पार्टी के नेता दूसरे स्थान पर रहे। अगले महीने होने वाले दूसरे दौर के मतदान में उनका सामना एक मध्य-वामपंथी प्रतिद्वंद्वी से होगा। यह परिणाम यूरोप में तेजी से उभर रही धुर-दक्षिणपंथी पार्टियों के लिए एक और राजनीतिक सफलता का संकेत माना जा रहा है। लगभग 98 प्रतिशत वोटों की गिनती हो चुकी है। सात साल से भी कम समय पहले स्थापित की गई चेगा पार्टी के नेता आंद्रे वेंटुरा को 24 प्रतिशत वोट मिले और वह मध्य-वामपंथी समाजवादी उम्मीदवार एंटोनियो जोस सेगुरो के बाद दूसरे स्थान पर रहे। सेगुरो को लगभग 31 प्रतिशत वोट मिले। दोनों शीर्ष उम्मीदवारों का आठ फरवरी को दूसरे चरण के मतदान में आमना-सामना होगा।

वेंटुरा का दमदार प्रदर्शन यूरोप में धुर दक्षिणपंथी विचारधारा की ओर हो रहे बदलाव में एक और मील का पत्थर साबित हुआ है, क्योंकि हाल के वर्षों में जनवादी (पॉपुलिस्ट) राजनीतिक पार्टियों ने सत्ता की बागडोर अपने हाथ में ले ली है या उसके करीब पहुंच गई हैं। जनता के भारी समर्थन के कारण चेगा पार्टी पिछले साल पुर्तगाल की संसद में दूसरी सबसे बड़ी पार्टी बन गई। वेंटुरा और उनके समर्थकों को यूरोप भर में, जैसे कि फ्रांस, जर्मनी, इटली और पड़ोसी देश स्पेन में, समान विचारधारा वाली राष्ट्रवादी पार्टियों के बढ़ते प्रभाव से प्रोत्साहन मिला है। राष्ट्रपति चुनाव के लिए नौ उम्मीदवार थे लेकिन कोई भी पहले दौर की जीत के लिए आवश्यक 50 प्रतिशत से अधिक वोटों के करीब नहीं पहुंच सका। जो भी चुनाव जीतेगा वह राष्ट्रपति मार्सेलो रेबेलो डि सूजा का स्थान लेगा, जिन्होंने पांच साल के दो कार्यकाल पूरे कर लिए हैं।

बीएनपी ने चुनाव आयोग से किया पूर्ण निष्पक्षता से काम करने का आग्रह

» ढाका, भाषा।

बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (बीएनपी) ने 12 फरवरी को होने वाले आम चुनावों से कुछ सप्ताह पहले चुनाव आयोग से पूर्ण निष्पक्षता से काम करने का आग्रह किया है। सरकारी समाचार एजेंसी बीएसएस की रिपोर्ट के अनुसार, बीएनपी के महासचिव मिर्जा फखरुल इस्लाम आलमगीर ने रविवार शाम ढाका के अगरगांव स्थित चुनाव आयोग भवन में मुख्य चुनाव आयुक्त (सीईसी) एएमएम नसीरउद्दीन के साथ बैठक के बाद यह टिप्पणी की। आलमगीर ने कहा कि बीएनपी ने स्वतंत्र, निष्पक्ष और तटस्थ चुनाव सुनिश्चित करने के लिए हमेशा चुनाव आयोग के साथ सहयोग किया है। उन्होंने कहा, हालांकि, अब हमें कुछ ऐसे मामले नजर आ रहे हैं जहां व्यवस्थाएं पक्षपातपूर्ण प्रतीत होती हैं और आचरण चिंताजनक है।

हमने आयोग से ऐसी प्रथाओं से बचने और पूरी तरह से निष्पक्षता से कार्य करने का आग्रह किया है। बीएनपी नेता ने बैठक के एजेंडे पर कहा, डाकपत्र के जरिए मतदान का मुद्दा अभी तक पूरी तरह से हल नहीं हुआ है। बीएनपी के वरिष्ठ नेता ने आरोप लगाया कि उन्हें शिकायतें मिली हैं कि विभिन्न चुनावी क्षेत्रों में, अधिकारी एक विशिष्ट राजनीतिक दल के पक्ष में काम कर रहे हैं। इस बीच, मुख्य चुनाव आयुक्त (सीईसी) एएमएम नसीरउद्दीन ने स्वतंत्र, निष्पक्ष और समावेशी चुनाव कराने के लिए सभी हितधारकों से सहयोग का आग्रह किया है।

चीन के इनर मंगोलिया क्षेत्र में एक फैक्टरी में विस्फोट में दो लोगों की मौत, 84 घायल

» बीजिंग, भाषा।

चीन के इनर मंगोलिया क्षेत्र में एक इस्पात कारखाने में रविवार को हुए विस्फोट में दो लोगों की मौत हो गई और 84 घायल हो गए जबकि आठ लोग लापता हैं। इस घटना के बाद पुलिस ने फैक्टरी के अधिकारियों को हिरासत में ले लिया है। बाओतो शहर के अधिकारियों ने सोमवार को बताया कि फैक्टरी में भाप और उच्च तापमान वाले पानी को रखने के लिए बनाए गए एक दाबयुक्त भंडारण टैंक में विस्फोट हुआ।

यह धमाका रविवार को स्थानीय समयानुसार दोपहर करीब तीन बजे बाओतो शहर स्थित बाओगांग यूनाइटेड स्टील संयंत्र में हुआ, जिससे आसपास के इलाकों में भी तेज कंपन महसूस किया गया। बाओतो शहर के सूचना कार्यालय के एक प्रतिनिधि ने सोमवार सुबह एक संवाददाता सम्मेलन में बताया कि राहत एवं बचाव दल लापता लोगों की तलाश में जुटा हुआ है।

ईरान में प्रदर्शनों के दौरान हिंसक कार्रवाई में 3,919 लोगों की मौत हुई : मानवाधिकार एजेंसी

» दुबई, भाषा।

अमेरिका की एक मानवाधिकार एजेंसी ने रविवार को कहा कि ईरान में विरोध प्रदर्शनों के दौरान हुई हिंसक कार्रवाई में कम से कम 3,919 लोगों की मौत की पुष्टि की गई है और उसे आशंका है कि वास्तविक संख्या इससे कहीं अधिक हो सकती है। ह्यूमन राइट्स एक्टिविस्ट्स न्यूज एजेंसी ने मृतकों का संशोधित आंकड़ा जारी किया, जो पहले 3,308 था। यह आंकड़ा दशकों में ईरान में हुए किसी भी अन्य विरोध प्रदर्शन या अशांति के दौरान हुई मौतों से अधिक है और 1979 की क्रांति के समय की अराजकता की याद दिलाता है। बहरहाल, इन आंकड़ों की स्वतंत्र रूप से पुष्टि नहीं की जा सकी है।

ईरानी अधिकारियों ने अब तक मृतकों की स्पष्ट संख्या जारी नहीं की है, लेकिन शनिवार को देश के सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामेनेई ने कहा कि इन प्रदर्शनों में कई हजार लोग मारे गए हैं और उन्होंने इसके लिए अमेरिका को जिम्मेदार ठहराया। यह किसी ईरानी नेता की ओर से पहली बार संकेत था कि 28 दिसंबर को ईरान की कमजोर अर्थव्यवस्था के खिलाफ शुरू हुए प्रदर्शनों में जानमाल का नुकसान बड़े पैमाने पर हुआ। ह्यूमन राइट्स एक्टिविस्ट्स न्यूज एजेंसी के अनुसार, प्रदर्शनों को कुचलने के अभियान में 24,669 प्रदर्शनकारियों को गिरफ्तार किया गया है। ईरानी अधिकारी बार-बार अमेरिका और इजराइल पर देश में अशांति फैलाने का आरोप लगाते रहे हैं। अमेरिका के साथ तनाव लगातार बना हुआ है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप कई बार चेतावनी दे चुके हैं कि अगर उनकी सरकार को यह लगा कि ईरान सरकार प्रदर्शनकारियों के खिलाफ जानलेवा बल प्रयोग कर रही है, तो सैन्य कार्रवाई की जा सकती है। ईरानी राष्ट्रपति मसूद पेजेश्कियान ने रविवार को एक्स पर एक पोस्ट में देश की जनता की कठिनाइयों के लिए अमेरिका और उसके सहयोगियों द्वारा लगाए गए दीर्घकालिक शत्रुतापूर्ण और अमानवीय प्रतिबंधों को जिम्मेदार ठहराया। उन्होंने लिखा, हमारे देश के सर्वोच्च नेता के खिलाफ कोई भी आक्रामकता ईरानी राष्ट्र के खिलाफ पूर्ण युद्ध के समान है। फिलहाल ईरान में कई दिनों से किसी नए विरोध प्रदर्शन की सूचना नहीं है और सड़कों पर असहज शांति लौट आई है। हालांकि, प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि शनिवार रात तेहरान, शिराज और इस्फहान के कुछ इलाकों में लोगों ने अपने घरों की खिड़कियों से खामेनेई विरोधी नारे लगाए। अधिकारियों ने आठ जनवरी से इंटरनेट सेवाएं भी बंद कर रखी हैं। शनिवार को कुछ समय के लिए सीमित इंटरनेट सेवाएं बहाल हुईं। रविवार को गूगल जैसी कुछ ऑनलाइन सेवाओं तक पहुंच फिर से शुरू हुई, लेकिन उपयोगकर्ताओं ने बताया कि वे केवल घरेलू वेबसाइटों तक ही पहुंच बना पा रहे थे, जबकि ईमेल सेवाएं अब भी बंद हैं।

ईरान के प्रदर्शनकारियों के समर्थन में लॉस एंजिलिस में इकट्ठा हुए हजारों लोग

लॉस एंजिलिस, भाषा। ईरान के प्रदर्शनकारियों के समर्थन में रविवार को लॉस एंजिलिस में हजारों लोग इकट्ठा हुए। ये प्रदर्शनकारी शहर के बीचोंबीच लॉस एंजिलिस सिटी हॉल के पास एकत्र हुए, जिनमें से कुछ लोग इस्लामी क्रांति से पहले का ईरानी ध्वज लहरा रहे थे। पुलिस विभाग के अनुमान के अनुसार, ईरान के लोगों के प्रति एकजुटता दिखाने के लिए तकरीबन 4,000 लोग इस प्रदर्शन में शामिल हुए। विभाग ने बताया कि प्रदर्शन शांतिपूर्ण रहा और कोई गिरफ्तारी नहीं की गई। कार्यकर्ताओं का कहना है कि ईरान में धार्मिक शासन के खिलाफ देशभर में हुए प्रदर्शनों पर की गई सख्ती में हजारों लोगों की मौत हुई है।

स्पेन में दो रेलगाड़ियों की टक्कर में 39 लोगों की मौत, मृतकों की संख्या बढ़ने की आशंका

» आदमुज (स्पेन), भाषा।

स्पेनिश पुलिस ने सोमवार को बताया कि देश के दक्षिणी हिस्से में गत रात एक उच्च गति वाली ट्रेन की टक्कर में कम से कम 39 लोगों की मौत की पुष्टि हो चुकी है। अधिकारियों के अनुसार, शवों को निकालने का अभियान अब भी जारी है तथा मृतकों की संख्या और बढ़ने की आशंका है। रेल संचालक एडिफ के अनुसार, यह हादसा रविवार शाम करीब 7:45 बजे हुआ, जब मलागा से राजधानी मैड्रिड जा रही लगभग 300 यात्रियों को ले जा रही ट्रेन का पिछला हिस्सा पटरी से उतर गया। इसके बाद वह मैड्रिड से दक्षिणी स्पेन के एक अन्य शहर हुएल्वा जा रही सामने से आ रही एक अन्य ट्रेन से टकरा गई। स्पेन के परिवहन मंत्री ऑस्कर पुएंते ने कहा कि दूसरी ट्रेन का अगला हिस्सा, जिसमें करीब 200 यात्री सवार थे, टक्कर से सबसे ज्यादा प्रभावित हुआ। इस टक्कर के कारण ट्रेन की पहली दो बोगियां पटरी से उतर गईं और करीब चार मीटर गहरी ढलान से नीचे जा गिरीं।

पुएंते ने कहा कि मृतकों की सबसे अधिक संख्या इन्हीं बोगियों में होने की आशंका है। अंडालूसिया क्षेत्र के अध्यक्ष जुआनमा मोरेनो ने सोमवार सुबह बताया कि आपातकालीन सेवाएं अब भी उस जगह पर तलाशी अभियान चला रही हैं, जहां क्षतिग्रस्त बोगियां पटरी से उतरी थीं। रविवार देर रात वीडियो और तस्वीरों में फ्लडलाइट्स की रोशनी में ट्रेन की मुड़ी-तुड़ी बोगियां एक ओर गिरी हुई दिखाई दीं। यात्रियों ने बताया कि वे टूटी हुई खिड़कियों से बाहर निकले, जबकि कुछ लोगों ने आपातकालीन हथौड़ों से शीशे तोड़कर खुद को बाहर निकाला। यह जानकारी स्पेनिश प्रसारक आरटीवीई के पत्रकार सल्वादोर जिमेनेज़ ने दी, जो पटरी से उतरी ट्रेनों में से एक में सवार थे। उन्होंने रविवार को फोन पर नेटवर्क से कहा, एक पल ऐसा आया, जब ऐसा लगा जैसे भूकंप आ गया हो और ट्रेन सचमुच पटरी से उतर गई हो। स्पेनिश पुलिस के अनुसार, इस हादसे में 159 लोग घायल हुए हैं, जिनमें से पांच की हालत गंभीर बताई जा रही है। इसके अलावा 24 अन्य लोग गंभीर रूप से घायल हैं। यह टक्कर मैड्रिड से लगभग 370 किलोमीटर दक्षिण में कॉर्डोबा प्रांत के एक कस्बे आदमुज के पास हुई। परिवहन मंत्री पुएंते ने सोमवार तड़के कहा कि दुर्घटना के कारण का अभी पता नहीं चला है। उन्होंने इसे दुर्लभ घटना करार दिया, क्योंकि यह पटरी के एक समतल हिस्से पर हुई, जिसकी मई में मरम्मत की गई थी। उन्होंने यह भी कहा कि जो रेलगाड़ी पटरी से उतरी वह निजी कंपनी इर्यो की थी, जबकि दूसरी रेलगाड़ी स्पेन की सार्वजनिक ट्रेन कंपनी रेनफे की थी। स्पेन के प्रधानमंत्री पेद्रो सांचेज़ ने हादसे में मारे गए लोगों के परिजनों के प्रति संवेदना व्यक्त की। उन्होंने सोशल मीडिया मंच एक्स पर लिखा, आज की रात हमारे देश के लिए गहरे दुख की रात है। प्रधानमंत्री कार्यालय के अनुसार, सांचेज़ सोमवार को दुर्घटना स्थल का दौरा करेंगे। यूरोपीय संघ के आंकड़ों के मुताबिक, 250 किलोमीटर प्रति घंटे से अधिक रफ्तार से चलने वाली ट्रेनों के लिए स्पेन के पास यूरोप का सबसे बड़ा रेल नेटवर्क है, जिसकी कुल लंबाई 3,100 किलोमीटर से अधिक है।

चीन की आबादी में एक बच्चा नीति समाप्त होने के एक दशक बाद फिर आई कमी

बैंकॉक, भाषा। पीढ़ियों तक एक बच्चा नीति के जरिए आबादी को सीमित रखने के बाद अब चीन के सामने सबसे बड़ी चुनौती यह उत्पन्न हो गई है कि दंपतियों को अधिक बच्चे पैदा करने के लिए कैसे राजी किया जाए। चीन की लंबे समय तक चली एक-बच्चा नीति समाप्त हुए एक दशक हो चुका है, लेकिन इसके बाद भी जन्म दर बढ़ाने की सरकारी कोशिशें अब तक सफल नहीं हो पाई हैं। सोमवार को जारी जनसंख्या के ताजा आंकड़े यही संकेत देते हैं। कभी दुनिया का सबसे अधिक आबादी वाला देश रहा चीन अब दूसरी सबसे बड़ी आबादी वाला देश है, लेकिन उसकी कुल जनसंख्या लगातार घट रही है। सरकारी आंकड़े के मुताबिक 2025 में चीन की कुल जनसंख्या 1.404 अरब रही, जो पिछले वर्ष की तुलना में 30 लाख कम है। यह लगातार चौथा साल है जब देश की आबादी में गिरावट दर्ज की गई है। आंकड़े के अनुसार, 2025 में जन्म लेने वाले बच्चों की संख्या सिर्फ 79.2 लाख रही, जो एक साल पहले की तुलना में 16.2 लाख यानी 17 प्रतिशत कम है। 2024 में जन्म दर में जो मामूली बढ़ोतरी दिखी थी, वह स्थाई साबित नहीं हुई। 2017 से 2023 तक लगातार सात वर्षों तक जन्म दर में गिरावट दर्ज की गई थी। अधिकांश परिवारों का कहना है कि अत्यधिक प्रतिस्पर्धी समाज में बच्चे की परवरिश की लागत और उससे जुड़ा दबाव बहुत बड़ा अवरोध है। आर्थिक मंदी के दौर में जब घरों के लिए रोजमर्रा का खर्च उठाना भी कठिन हो गया है तो यह बोझ और भारी लगने लगा है। एशिया के कई अन्य देशों की तरह चीन भी गिरती प्रजनन दर की समस्या से जूझ रहा है। सरकार प्रजनन दर के आंकड़े नियमित रूप से जारी नहीं करती, लेकिन 2020 में यह 1.3 बताई गई थी।

नाटो ने अमेरिकन पर्शिंग बैलिस्टिक और क्रूज़ मिसाइलों को यूरोप में तैनात करने का निर्णय लिया

ग्रीनलैंड के भविष्य को लेकर चल रहे विवाद : अमेरिका और यूरोप के बीच पहले भी रहे हैं मतभेद

» न्यूयॉर्क, भाषा।

अमेरिका और यूरोप के बीच ग्रीनलैंड के भविष्य को लेकर चल रहे विवाद से पहले भी दोनों के रिश्ते कई मौकों पर तनावपूर्ण रहे हैं। द्वितीय विश्व युद्ध के बाद से लेकर आज तक कई बार ट्रांस-एटलांटिक कूटनीतिक मुद्दे सामने आए हैं, जब अमेरिका और उसके यूरोपीय सहयोगियों के बीच गहरे मतभेद उभर आए। वर्ष 1956 में जब फ्रांस, ब्रिटेन और इजराइल ने मिस्र के राष्ट्रपति जमाल अब्दुल नासिर को सत्ता से हटाने और स्वेज नहर पर फिर से नियंत्रण हासिल करने के उद्देश्य से मिस्र पर हमला किया, तो अमेरिका ने इसे रोकने के लिए कड़े कूटनीतिक और आर्थिक दबाव का इस्तेमाल किया।

वियतनाम युद्ध के दौरान फ्रांस को छोड़कर यूरोप के अधिकतर देशों ने अमेरिका को कूटनीतिक समर्थन दिया, लेकिन सैनिक सेवा देने से इनकार किया। यूरोप में युद्ध के खिलाफ बड़े पैमाने पर विरोध प्रदर्शनों ने स्थानीय सरकारों को जटिल स्थिति में डाल दिया और ट्रांस-एटलांटिक रिश्तों पर इसका राजनीतिक असर पड़ा। यूरोमिसाइल संकट 1980 के दशक में हुआ जब रूस द्वारा पश्चिमी यूरोप पर लक्षित किए जा सकने वाले नए एसएस-20 मिसाइलों को तैनात करने के बाद, नाटो ने अमेरिकन पर्शिंग बैलिस्टिक और क्रूज़ मिसाइलों को यूरोप में तैनात करने का निर्णय लिया। इससे महाद्वीप में एक बार फिर व्यापक विरोध और बड़े पैमाने पर शांतिपूर्ण प्रदर्शनों का दौर चला, जिसने अमेरिका-यूरोप संबंधों पर दबाव डाला। अमेरिका द्वारा इराक पर

2003 में किए गए आक्रमण ने यूरोप, खासकर फ्रांस और जर्मनी, के साथ एक बड़ा राजनीतिक संकट पैदा किया, क्योंकि इन देशों ने सद्दाम हुसैन की सरकार पर हमला करने का समर्थन नहीं किया। अमेरिकी अधिकारियों ने उन्हें ओल्ड यूरोप कहकर आलोचना की और पूर्वी यूरोपीय देशों को न्यू यूरोप कहकर समर्थन जताया। आतंकवाद के खिलाफ युद्ध के तहत अमेरिका ने संदिग्धों को हिरासत में लेकर उन देशों में भेजा, जहां उन्हें बड़े पैमाने पर पूछताछ और यातना का सामना करना पड़ा। हालांकि, कुछ यूरोपीय सरकारें इस कार्यक्रम में भागीदार रहीं। जनता में भारी आलोचना ने नेताओं को इसकी निंदा करने पर मजबूर किया। तीन साल पहले रूस यूक्रेन युद्ध शुरू हुआ और जब जनवरी 2025 में डोनाल्ड ट्रंप व्हाइट हाउस में लौटे, तो उन्होंने रूस के यूक्रेन आक्रमण के खिलाफ तीन साल की अमेरिकी नीति को उलट दिया। ट्रंप ने रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के प्रति गर्मजोशी दिखाई, यूक्रेन को सैन्य सहायता कम कर दी और यूरोपीय नेताओं को चिंतित कर दिया, जो यूक्रेन को अपनी सुरक्षा की रीढ़ मानते हैं। ट्रम्प प्रशासन द्वारा दिसंबर 2025 में जारी नई राष्ट्रीय सुरक्षा रणनीति ने यूरोपीय सहयोगियों का वर्णन कमजोर के रूप में किया, उनकी प्रवास और अभिव्यक्ति-स्वतंत्रता नीतियों की खुलकर आलोचना की और लंबे समय तक भरोसेमंद साझेदार होने पर शंका जताई। फिर व्यापार टैरिफ का विवाद उठा। व्यापारिक संबंधों में तनाव तब बढ़ा, जब जुलाई 2025 में ट्रंप ने यूरोपीय संघ (ईयू) पर 30 प्रतिशत भारी टैरिफ लगाए जाने की घोषणा की। बाद में दोनों पक्षों ने अधिकतर वस्तुओं पर 15 प्रतिशत टैरिफ की रूपरेखा पर सहमति जताई, लेकिन यह मामला अमेरिका-यूरोप के बीच निरंतर तनाव का प्रतीक बना रहा। ये घटनाएं दर्शाती हैं कि अमेरिका और यूरोप के मित्र देशों के बीच पहले भी गहरे मतभेद उभर आए हैं।

मुद्रक, प्रकाशक व स्वत्वाधिकारी आरपी न्यूज़ नेटवर्क प्राईवेट लिमिटेड के लिये श्रीराम ऑफसेट, 14, शॉपिंग सेंटर, ज़ोरावरसिंह गेट के बाहर, आमेर रोड, जयपुर से मुद्रित तथा रॉयल पत्रिका कार्यालय: 4312, मोहल्ला नायकान, नाहरवाड़ा, जगन्नाथ शाह का रास्ता, रामगंज, जयपुर से प्रकाशित। पीआरबी एक्ट के अनुसार खबरों के चयन के लिए उत्तरदायित्व संपादक मुन्ना खान मोबाइल नंबर 9772552446, 8058969180 ई-मेल: rpnewsnetworkpvt.ltd@gmail.com